हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची ● शुक्रवार ● 31.07.2026 ● वर्ष : 17 ● अंक : 10 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये
RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एंटी पेपर लीक बिल राज्यसभा में भी ध्वनिमत से पारित, खरगे ने सरकार को घेरा

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक और नकल जैसी अनियमितताओं पर अंकुश लगाने की दिशा में केंद्र सरकार को बड़ी सफलता मिली है। एंटी पेपर लीक बिल गुरुवार को राज्यसभा में ध्वनिमत से पारित हो गया। इससे पहले यह विधेयक लोकसभा से भी मंजूरी प्राप्त कर चुका है। संसद के उच्च सदन राज्यसभा में हंगामे के बीच विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को कटघरे में खड़ा किया तो हंगामा मच गया। उन्होंने लोकसभा से पारित और

शाह पर बोले खरगे- आपको छात्र फिर सबक सिखाएंगे

मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा में गृह मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा-अमित शाह साहब दिख ही नहीं रहे हैं। छोटी-छोटी बातों पर आकर अपनी बात रखते हैं। इस तरफ क्यों नहीं आते, मुझे मालूम नहीं। प्रधानमंत्री भी मुंह नहीं खोल रहे हैं। खरगे ने शाह पर निशाना साधते हुए कहा-आप गृह मंत्री हो, कानून-व्यवस्था देखते हो, दिल्ली में इतनी गड़बड़ी पर भी मुंह नहीं खोल रहे हो। क्या स्टिच लगा लिया है क्या मुंह पर। नहीं, मैं नहीं आऊंगा...आपको जो सबक सिखाया है छात्रों ने वह फिर आकर सबक सिखा देंगे।

राज्यसभा में पेश एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा के दौरान कहा- छात्र जब महीनों से धरने पर बैठे थे, तब आप क्यों नहीं उनकी बात सुनी। जब वह धरने पर बैठे थे, उसके दो दिन बाद ही नड्डा साहब जाते तो छात्र लाठी नहीं खाते। ये सब नहीं भुगतना पड़ता।
मल्लिकार्जुन खरगे ने शाह पर जोरदार हमला करते हुए कहा कि

Mallikarjun Kharge, Leader of Opposition

हजारों छात्रों ने संसद की ओर शांतिपूर्ण मार्च किया। वे संवाद चाह रहे थे। उनको मिला लाठीचार्ज, आंसू गैस, पैलेट गन, रेलवे स्टेशन बंद, इंटरनेट बंद। इससे छात्र उचक गए। आप शांति से उनको संभाल नहीं सके। कई छात्र घायल हो गए। कई बच्चों को आंखों में छर्रे लगे। ये देखकर हमको शर्म आई, उनको आया कि नहीं मुझे मालूम नहीं। इससे पहले राज्यसभा में गुरुवार को लोक

जेपी नड्डा ने कहा-ये असंसदीय शब्द, हटाया जाए

नेता सदन जेपी नड्डा ने खरगे की स्पीच में असंसदीय शब्द के इस्तेमाल का दावा करते हुए चेयरमैन से इसे एक्सपंज करने की मांग की। खरगे ने कहा कि हमने किसी असंसदीय शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है। हम मतलब जनता। सरकार को 20 जुलाई की घटना के बाद देश की जनता के सामने सफाई रखनी चाहिए थी।

वंदे मातरम को राष्ट्रगान की तरह कानूनी संरक्षण देने वाला विधेयक लोकसभा से भी पारित

लोकसभा में राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 को शोर-शराबे के बीच गुरुवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। यह विधेयक एक दिन पहले ही राज्यसभा से पारित हुआ था। विधेयक का उद्देश्य वंदे मातरम को राष्ट्रगान के समान कानूनी संरक्षण और सम्मान प्रदान करना है। सरकार का कहना है कि यह विधेयक भारत की सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय एकता और स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणाओं को सशक्त करेगा। गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने गुरुवार को लोकसभा में विधेयक पर चर्चा का जवाब दिया जिसके बाद विधेयक पारित कर दिया गया और कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

परीक्षा संशोधन विधेयक को सदन के पटल पर रखते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि देश में चार प्रमुख भर्ती एजेंसियां परीक्षाएं आयोजित करती हैं।

एक नजर

खूंटी महिला थाना प्रभारी 50 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

खूंटी : मानव तस्करी निरोधक ईकाई (एएचटीयू) सह महिला थाना प्रभारी पुलिस उप निरीक्षक सुलेखा कुमारी सपना को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने गुरुवार को 50 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। एसीबी ने यह कार्रवाई खूंटी के हुरलुंग निवासी श्याम कुमार की शिकायत के सत्यापन के बाद की। आरोपी थाना प्रभारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 की धारा 7(ए) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पीड़ित ने शिकायत की थी कि उसके विरुद्ध महिला थाना में एक मामला कांड संख्या-06/2025 दर्ज है। मामले की जांच के दौरान थाना प्रभारी ने केस से राहत दिलाने और सहयोग करने के एवज में चार लाख 50 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी।

झारखंड विस का मॉनसून सत्र 6 अगस्त से

रांची : झारखंड विधानसभा के आगामी मॉनसून सत्र को लेकर राज्य पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। सत्र 6 अगस्त से 12 अगस्त तक चलेगा। हर वर्ष की तरह इस बार भी विधानसभा सत्र के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। संवेदनशील इलाकों, सरकारी प्रतिष्ठानों, प्रमुख चौक-चौराहों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर गश्त बढ़ाने के साथ-साथ संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने को कहा गया है। पुलिस मुख्यालय ने जिला पुलिस को निर्देश दिया है कि असामाजिक तत्वों, संगठित अपराधियों और उपद्रव की आशंका वाले लोगों पर विशेष निगरानी रखी जाए।

हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में हुई झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक

न्याय व्यवस्था में मानवीय संवेदनाएं और सुधार भी हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में आज कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक संपन्न हुई। बैठक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 79 कैदियों के रिहाई से संबंधित मामलों की समीक्षा की गई। बैठक में राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद द्वारा अनुशंसित 37 नए मामलों के साथ-साथ पिछली बैठकों में रिहाई से संबंधित अस्वीकृत किए गए 42 मामलों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

- 79 कैदियों की रिहाई से संबंधित मामलों पर गहन विचार-विमर्श के उपरांत 26 कैदियों के रिहाई पर बनी सहमति
- न्याय, संवेदनशीलता और मानवता के संतुलित दृष्टिकोण के साथ कार्य करते हुए आगे बढ़ रही राज्य सरकार।
- राज्य के सभी प्रमंडलों में ओपन जेल खोलने के संबंध में भूमि चिन्हितीकरण एवं प्रस्ताव समर्पित करने का निर्देश।
- राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद के अनुशंसा के आलोक में रिहा हुए कैदियों को समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का अवसर प्रदान करें

मुख्यमंत्री ने राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की अनुशंसा के आलोक में आजीवन सजा काट रहे 79 कैदियों के रिहाई संबंधित प्रस्ताव पर अधिकारियों के साथ बिंदुवार गहन विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री एवं अधिकारियों के बीच अनुशंसित सजायाफ्ता बन्दियों के रिहाई से जुड़ी निर्धारित मानकों, पात्रता की शर्तों, आचरण, कारावास की अवधि तथा विधिक प्रावधानों, न्यायालयों, संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षक, जेल अधीक्षक एवं प्रोबेशन पदाधिकारियों के मंतव्य सहित अन्य सभी पहलुओं पर गहनता पूर्वक समीक्षा के उपरांत 26 कैदियों की रिहाई पर सहमति दी गई। बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी प्रमंडलों में ओपन जेल खोलने के संबंध में भूमि चिन्हितीकरण एवं प्रस्ताव समर्पित करने का निर्देश अधिकारियों को दिए।
मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद द्वारा अनुशंसा के आलोक में विभिन्न कारागारों से रिहाई के पश्चात ऐसे व्यक्तियों के पुनर्वास, सामाजिक पुनर्स्थापन एवं सम्मानजनक जीवन-यापन के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान किए जाएं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार न्याय व्यवस्था के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं और सुधारात्मक दृष्टिकोण को भी समान महत्व देती है। मुख्यमंत्री ने मानसिक रूप से बीमार बंदी जो कारागार में संस्मित हैं अथवा कारामुक्त हो चुके हैं उनका डाटा बेस तैयार कर उन्हें सामाजिक सुरक्षा अंतर्गत प्रावधानों का लाभ प्रदान किए जाने का निर्देश अधिकारियों को दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जेल से रिहा हुए व्यक्तियों को कानून एवं नियमों के अनुरूप पुनः समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का अवसर मिलना चाहिए। इससे न केवल उनके जीवन में नई शुरूआत का मार्ग प्रशस्त होगा, बल्कि समाज में पुनर्वास और सामाजिक समरसता को भी बल मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार न्याय, संवेदनशीलता और मानवता के संतुलित दृष्टिकोण के साथ कार्य करते हुए आगे बढ़ रही है।
बैठक में राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार, डीजीपी तदाशा मिश्रा, प्रधान सचिव-सह-विधि परामर्शी विधि विभाग नीरज कुमार श्रीवास्तव, महानिरीक्षक कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं सुदर्शन प्रसाद मंडल, न्यायिक आयुक्त अनिल कुमार मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से सेल के नए सीएमडी ने की मुलाकात

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के सीएमडी डॉ. अशोक कुमार पांडा ने शिष्टाचार मुलाकात की। यह मुलाकात कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में हुई। बैठक के दौरान विभिन्न विषयों पर सौहार्दपूर्ण चर्चा हुई। इस अवसर पर राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार भी मौजूद रहे। बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के निदेशक-प्रभारी प्रिय रंजन भी बैठक में शामिल हुए। सेल (खनन) के अधिशासी निदेशक वी. मानवटी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने छात्रवृत्ति को लेकर पीएम मोदी को लिखा पत्र, राशि बढ़ाने की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर झारखंड के अनुसूचित जनजाति (एसटी), अनुसूचित जाति (एससी), पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र-छात्राओं के लिए संचालित प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए केंद्र से अधिक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा सामाजिक समानता और सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम है, लेकिन वर्तमान में केंद्र से मिलने वाली राशि राज्य की वास्तविक आवश्यकता की तुलना में काफी कम है। मुख्यमंत्री ने पत्र में लिखा है कि झारखंड में पिछड़ा वर्ग की आबादी 50 प्रतिशत से अधिक है और सीमित संसाधनों के बावजूद बड़ी संख्या में छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र से मिलने वाली सहायता पर्याप्त नहीं होने के कारण राज्य सरकार को छात्रवृत्ति भुगतान में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे लाखों विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। पत्र में वित्तीय आंकड़ों का भी उल्लेख किया गया है। मुख्यमंत्री के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य ने प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए 66.14 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि केंद्र से केवल 12.61 करोड़ रुपये मिले। वहीं 2025-26 में 45.91 करोड़ रुपये की आवश्यकता के मुकाबले केंद्र से महज 3.95 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए। पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति में भी राज्य द्वारा किए गए व्यय की तुलना में केंद्र की सहायता काफी कम बताई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वित्तीय अंतर का सीधा असर लाखों पात्र छात्र-छात्राओं पर पड़ रहा है।
हेमन्त सोरेन ने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया है कि झारखंड जैसे सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े राज्यों के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं में केंद्रांश बढ़ाया जाए तथा ओबीसी, एससी, एसटी और अल्पसंख्यक छात्रों को समय पर छात्रवृत्ति उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त राशि जारी की जाए। उन्होंने कहा कि इससे न केवल शिक्षा में समान अवसर सुनिश्चित होंगे, बल्कि राज्य के लाखों छात्र देश के विकास और राष्ट्र निर्माण में भी बेहतर योगदान दे सकेंगे।

रामकृपाल कंस्ट्रक्शन के विभिन्न ठिकानों पर आयकर का सर्च ऑपरेशन

रांची : आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए रामकृपाल कंस्ट्रक्शन के विभिन्न ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। विभाग की टीम झारखंड की राजधानी रांची और बिहार के बेगूसराय स्थित कंपनी के कार्यालयों में पहुंचकर वित्तीय दस्तावेजों, कर संबंधी रिकॉर्ड और अन्य महत्वपूर्ण कागजात की गहन जांच कर रही है। आयकर विभाग की कई टीमों ने एक साथ रांची और बेगूसराय स्थित कंपनी के परिसरों में जांच शुरू की। अधिकारियों ने कार्यालयों में मौजूद दस्तावेजों, कंप्यूटर रिकॉर्ड और वित्तीय लेनदेन से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल की। जांच के दौरान कर्मचारियों और संबंधित अधिकारियों से भी आवश्यक जानकारी ली जा रही है। रामकृपाल कंस्ट्रक्शन का कारोबार झारखंड, बिहार सहित देश के कई राज्यों में फैला हुआ है। कंपनी सड़क, पुल, भवन और अन्य आधारभूत संरचना से जुड़ी परियोजनाओं का निर्माण कार्य करती है। सरकारी और निजी क्षेत्र की कई परियोजनाओं में भी कंपनी की भागीदारी रही है। इसी वजह से आयकर विभाग कंपनी के वित्तीय लेनदेन और कर अनुपालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की गहराई से जांच कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक इस कार्रवाई के दायरे में कंपनी से जुड़े करीब एक दर्जन छोटे ठेकेदारों को भी शामिल किया गया है।

श्रावणी मेला 2026 : पहले ही दिन बाबा बैद्यनाथ धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

देवघर : श्रावणी मेला 2026 के शुभारंभ के साथ देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सावन के पहले दिन तड़के मंदिर के पट खुलने के बाद वैदिक विधि से पूजा हुई और सुबह 4:05 बजे से जलार्पण शुरू हुआ। राजकीय श्रावणी मेला 2026 की शुरूआत गुरुवार को पूरे धार्मिक उत्साह और परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ हुई। तड़के 3:05 बजे बाबा बैद्यनाथ मंदिर के पट खोले गए। इसके बाद रात्रि में अर्पित पूजा सामग्री हटाकर बाबा भोलेनाथ की कच्चा जल पूजा संपन्न कराई गई। इस दौरान मंदिर परिसर में पुरोहित समाज के अनेक सदस्य मौजूद रहे और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए।

नेपाल में भड़की सांप्रदायिक हिंसा : हिंसक झड़प के बाद कई जिलों में लगा कर्फ्यू, तीन की मौत, कई लोग घायल

एजेंसी

सुनसरी : भारत की सीमा से लगे पड़ोसी कोशी प्रांत के सुनसरी जिले में इस सप्ताह की शुरूआत में सांप्रदायिक हिंसा हुई। इसके बाद बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर नेपाली अधिकारियों ने गुरुवार को मधेस प्रांत के कुछ हिस्सों में कर्फ्यू लगा दिया। बता दें कि इस हिंसा में तीन व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, कई अन्य घायल हो गए।
मधेश प्रांत के धनुसा और सिराहा जिलों में कर्फ्यू लगाया गया है। धनुषा के सहायक मुख्य जिला

अधिकारी भूदेव झा ने कहा कि लक्ष्मीनिया हाटबाजार, बेलौनी रोड, नागराईन नगर पालिका, दूधमती ब्रिज और जनकपुर सहित धनुषा के विभिन्न हिस्सों में तनाव के कारण एहतियात के तौर पर दोपहर 3:30 बजे से अनिश्चित काल के लिए कर्फ्यू लगा दिया गया है। इसी प्रकार, सिराहा जिले के जिला प्रशासनिक कार्यालय द्वारा जारी एक नोटिस के अनुसार, सिराहा जिले में पूर्व-पश्चिम राजमार्ग के गोलबाजार क्षेत्र में दोपहर 2 बजे से कर्फ्यू लगा दिया गया है।
सुनसरी जिले में सोमवार को पहली बार लागू किया गया। इसके बाद कर्फ्यू बुधवार को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया। रविवार को कपतांगंज क्षेत्र में दो धार्मिक समुदायों की ओर से मनाए जा रहे समारोहों के दौरान विवाद हुआ। इसके बाद पुलिस ने आपस में भिड़ रहे समूहों को तितर-बितर करने के लिए गोली चली। जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, सुरक्षाकर्मियों सहित एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए।
सहायक मुख्य जिला अधिकारी पोषण लामिछाने ने गुरुवार को कहा कि सुनसरी जिले में सुरक्षा स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए जिला प्रशासन ने ईस्ट-वेस्ट हाईवे समेत दस इलाकों में कर्फ्यू बढ़ा दिया है। यह कर्फ्यू अगले आदेश तक लागू रहेगा।

दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला : जंतर-मंतर प्रदर्शनकारियों पर नहीं होगी कानूनी कार्रवाई

एजेंसी

नयी दिल्ली : दिल्ली सरकार ने हाल ही में हुए प्रदर्शनों में शामिल लोगों को एक बड़ी राहत देते हुए महत्वपूर्ण फैसला लिया है। सरकार द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार, प्रदर्शन में भाग लेने वाले आम लोगों के खिलाफ कोई भी प्रतिकूल या दंडात्मक कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। इस कदम को स्थिति को सामान्य बनाने और नागरिकों में व्यवस्था के प्रति विश्वास बहाल करने की दिशा में एक अहम प्रयास माना जा रहा है।
सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा है कि कानूनी कार्रवाई से यह सुरक्षा सभी

के लिए नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के निदेशों के अनुरूप, जिन व्यक्तियों की पहले से कोई आपराधिक पृष्ठभूमि है, उन्हें इस फैसले के तहत कोई ढील या सुरक्षा प्रदान नहीं की जाएगी। ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ कानून अपना काम करेगा और उनके मामले अदालत की सामान्य प्रक्रिया के तहत ही चलेंगे। यह सुनिश्चित किया गया है कि इस फैसले की आड़ में कोई भी अपराधी न बच सके।
सरकार के इस फैसले का सबसे बड़ा लाभ उन लोगों को मिलेगा जो वर्तमान में पुलिस की गिरफ्त में हैं।

एक नजर

तुलसी महतो हत्याकांड में नामजद आरोपी विपिन महतो गिरफ्तार

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत सिकरी में 2 मार्च 2026 को हुए चर्चित तुलसी कुमार महतो हत्याकांड में सिकरी ओपी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। इस मामले के नामजद अभियुक्त विपिन महतो (28 वर्ष), पिता दाहो महतो, निवासी ग्राम सिकरी (पारनदी), आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर गुरुवार, 30 जुलाई 2026 को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, इस संबंध में सिकरी ओपी कांड संख्या 35/26, दिनांक 04 मार्च 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 103(1), 238 एवं 3(5) के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना के बाद से पुलिस लगातार मामले की जांच और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई कर रही थी। इसी क्रम में नामजद आरोपी विपिन महतो को गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिली। सिकरी ओपी प्रभारी रामकुमार राम ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करते हुए उसे न्यायिक प्रक्रिया के तहत माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है ओपी प्रभारी रामकुमार राम ने स्पष्ट शब्दों में कहा, ₹अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। कानून से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।
पुलिस की इस कार्रवाई को हत्याकांड की जांच में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। साथ ही पुलिस ने संकेत दिया है कि मामले में यदि अन्य किसी की संलिप्तता सामने आती है तो उसके विरुद्ध भी नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उत्क्रमित उच्च विद्यालय सिकरी में एसएमडीसी का गठन, कंचन सिंह बनीं अध्यक्ष

बड़कागांव : झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची के पत्रांक-2645 तथा जिला शिक्षा अधीक्षक सह अपर कार्यक्रम पदाधिकारी (समग्र शिक्षा), हजारीबाग के पत्रांक-1010 के आलोक में गुरुवार को बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय सिकरी में विद्यालय प्रबंधन एवं विकास समिति (एसएमडीसी) के गठन को लेकर आमसभा आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत सिकरी के मुखिया प्रभु महतो ने की, जबकि सभा का संचालन विद्यालय के सहायक शिक्षक राम जी प्रसाद सिंह ने किया। आमसभा में विद्यालय के नामांकित विद्यार्थियों के अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से विद्यालय प्रबंधन एवं विकास समिति का गठन किया गया। इसमें कुमारी कंचन सिंह को अध्यक्ष, संतोष कुमार पांडे को उपाध्यक्ष, आशा कुमारी को संयोजिका तथा रूही परवीन को उप-संयोजिका चुना गया। समिति के सदस्य के रूप में सावित्री देवी, ज्योति कुमारी, रिंकी देवी, निगम कुमारी, चुन्नी देवी, नीतू देवी, कुसुम देवी, सिकंदर ठाकुर, चंद्रनाथ महतो, मालती देवी एवं प्रमोद साव का चयन किया गया। बैठक का पर्यवेक्षण प्रखंड से प्रतिनियुक्त सहायक आचार्य रामावतार रजक ने किया। इस दौरान पूर्व संयोजिका आशा देवी के उत्कृष्ट कार्यकाल की सराहना करते हुए उपस्थित लोगों ने उन पर पुनः विश्वास व्यक्त किया और सर्वसम्मति से उन्हें दोबारा जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लिया।

हजारीबाग यूथ विंग ने ट्रैफिक पुलिस जवानों को वितरित किए रेनकोट, सेवा और सम्मान का दिया संदेश

यूथ विंग समाज और जनसेवा के हर अभियान में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाती रहेगी : जायसवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग यूथ विंग सामाजिक सेवा, जनकल्याण और मानवीय मूल्यों के क्षेत्र में लगातार अपनी अलग पहचान बना रही है। निस्वार्थ सेवा और सामाजिक सरोकार को अपना उद्देश्य बनाकर संस्था निरंतर ऐसे कार्य कर रही है, जो समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ-साथ लोगों को सेवा के लिए प्रेरित भी कर रहे हैं। इसी क्रम में शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए धूप, बारिश और हर विपरीत परिस्थिति में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने वाले ट्रैफिक पुलिस जवानों के सम्मान एवं सुरक्षा के उद्देश्य से मंगलवार को सीसीआर प्रांगण में हजारीबाग यूथ विंग द्वारा रेनकोट वितरण कार्यक्रम के दूसरे चरण का आयोजन किया गया कार्यक्रम में 70 से अधिक ट्रैफिक पुलिस जवानों को रेनकोट वितरित किए गए। समारोह के मुख्य अतिथि सीसीआर डीएसपी मो. अरमानुल हक थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि के स्वागत एवं सम्मान के साथ हुआ। मंच का संचालन सेजल सिंह एवं वर्षा डे ने संयुक्त रूप से किया, जबकि संस्था के सचिव रितेश खण्डेलवाल ने स्वागत भाषण देते हुए सभी पुलिस जवानों का अभिनंदन किया। इसके बाद ट्रैफिक पुलिस जवानों को कतारबद्ध तरीके से रेनकोट प्रदान किए गए। लगभग 30 मिनट तक चले इस गरिमामयी कार्यक्रम में सेवा, सम्मान और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली। उपस्थित लोगों की तालियों की गूंज ने ड्यूटी पर तैनात जवानों का उत्साहवर्धन किया, वहीं रेनकोट प्राप्त करने वाले पुलिसकर्मियों ने संस्था के इस प्रयास की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीसीआर डीएसपी मो. अरमानुल हक ने हजारीबाग यूथ विंग के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक संस्थाओं द्वारा पुलिस कर्मियों के सम्मान और सहयोग के लिए किए जा रहे ऐसे कार्य निश्चित रूप से प्रेरणादायी हैं। इससे पुलिस और समाज के बीच विश्वास एवं सहयोग की भावना और मजबूत होती है। उन्होंने संस्था के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को इस सराहनीय पहल के लिए बधाई देते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्य जारी रखने की शुभकामनाएं दी। संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग का उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि समाज के उन लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना है, जो दिन-रात जनसेवा में समर्पित रहते हैं। ट्रैफिक पुलिस जवान हर मौसम में अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाते हैं। उनके सम्मान में किया गया यह प्रयास समाज में सेवा और संवेदना की भावना को मजबूत करेगा। वहीं अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग हमेशा समाज के जरूरतमंदों और कर्तव्यनिष्ठ लोगों के साथ खड़ी रही है ट्रैफिक पुलिस जवान भीषण गर्मी, बारिश और कठिन परिस्थितियों में भी शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य करते हैं।

डेबो विद्यालय में कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों के बीच साइकिलों का हुआ वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़ने और विद्यालय तक उनकी पहुंच आसान बनाने की दिशा में झारखंड सरकार की साइकिल वितरण योजना लगातार कारगर साबित हो रही है। इसी क्रम में प्रखंड की डेबो पंचायत स्थित पीएम श्री उच्च विद्यालय, डेबो में गुरुवार को कक्षा आठवीं के छात्र-छात्राओं के बीच साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए प्रोत्साहित करना तथा उनकी शैक्षणिक यात्रा को सुगम बनाना है। कार्यक्रम में वार्ड सदस्य रामेंद्र यादव ने छात्र-छात्राओं को साइकिलें वितरित करते हुए कहा कि शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित रूप से विद्यालय आने, पूरी लगन के साथ पढ़ाई करने तथा अपने माता-पिता, विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करने का आह्वान किया। इस अवसर पर पंचायत समिति सदस्य द्रोपदी देवी, वार्ड सदस्य प्रमिला देवी, पंचायत प्रतिनिधि मोहन साव, पंचायत समिति प्रतिनिधि बालेश्वर साव, विद्यालय के प्रधानाध्यापक दानिश अली, शिक्षक दिनेश यादव, संतोष कुमार तथा विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अशोक यादव सहित कई जनप्रतिनिधि, शिक्षक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बुढ़वा महादेव मन्दिर में थाना प्रभारी व उपप्रमुख ने क्षेत्रवासियों के सुख, शान्ति एवं समृद्धि को लेकर की पूजा- अर्चना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : प्रखण्ड अंतर्गत के महूदी पहाड़ स्थित बुढ़वा महादेव मन्दिर भगवान शिव का एक अत्यंत प्राचीन और प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता, पहाड़ी वातावरण और सावन मेले के लिए बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के साथ-साथ पूरे झारखण्ड में सुप्रसिद्ध है। श्रावण मास के प्रथम दिन के शुभ अवसर पर बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह एवं उपप्रमुख बचनदेव कुमार ने बुढ़वा महादेव मन्दिर पहुँचकर भोलेनाथ का दर्शन किया साथ ही पूजा-अर्चना व प्रार्थना कर दोनों ने क्षेत्रवासियों को लेकर सुख, शान्ति और समृद्धि की मनोकामना की। इस दरमियान थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने मिलकर क्षेत्र का जायजा लिया। और कहा कि बड़कागाँव का श्रावणी मेला- 2026 पुरे शांतिपूर्ण वातावरण में सौहार्द के साथ मनाया जाएगा।अंतिम सोमवारी के दिन बुढ़वा महादेव सहित कई इलाकों में प्रशासन कि टीम एक्टिव मोड़ में काम करेंगी। चौक-चौराहे में सीसीटीवी कैमरे लगाए जायेंगे। और संगदिग्ध इलाके में विशेष रूप से ड्रॉन कैमरे के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी। श्री सिंह ने श्रावणी मेले में बाधा उत्पन्न होने वाले प्रत्येक समस्याओं को बारीकी से समझते हुए,समस्याओं पर त्वरित कार्यवाही करने एवं कड़ी निगरानी रखने की बात कही है। साथ ही बुढ़वा महादेव शान्ति सह विकास समिति और बुढ़वा महादेव सेवा समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर समन्वय स्थापित करने एवं पूजा व मेला में विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ करने की बात कही है। वहीं बड़कागांव उपप्रमुख बचनदेव कुमार ने कहा कि बुढ़वा महादेव का यह स्थान धार्मिक महत्व के साथ-साथ प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र है।उपप्रमुख ने बुढ़वा महादेव जाने वाले रास्ते के सभी दुकानदारों एवं ठेले लगाने वाले व्यक्ति को रास्ता से कम से कम 5 फिट हटकर दुकान लगाने कि विशेष अपील की है।

सरगम इंटरनेशनल स्कूल बड़कागांव में नीट पास विद्यार्थी को किया गया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव सरगम इंटरनेशनल स्कूल बड़कागांव ने ,मेडिकल एग्जाम नीट की परीक्षा में सफल सम्यंक कुमार सोनी पिता धीरेंद्र कुमार सोनी ग्राम बड़कागांव को किया गया सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सरगम के निदेशक राजेश सोनी ने कहा कि सम्यंक की पढ़ाई हमारे सरगम इंटरनेशनल स्कूल में है हुई है और यह खुशी की बात है कि हमारे स्कूल में पढ़े बच्चे देश के सबसे प्रतिष्ठित एग्जाम में पास करके हमारे स्कूल के साथ-साथ अपने परिवार एवं पूरे बड़कागांव के नाम रौशन किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मुसर्रत परवीन ने कहा कि हमारे विद्यालय में बच्चों को उनकी काबिलियत के अनुसार से तराशा जाता है और एक अच्छे माहौल में हमारे शिक्षकों के द्वारा इनको पढ़ाया जाता है। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंधक द्वारा सम्यंक को फूलों के गुलदस्ता देखकर सम्मानित किया गया एवं उनके आने वाले उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर सम्यंक कुमार सोनी ने बताया बच्चों को अपनी स्कूल से लेकर नीट एग्जाम पास करने की यात्रा के बारे में बताया। बच्चे उनकी बातों को सुनकर प्रेरित हुए। कार्यक्रम का सफल बनाने में स्कूल के अध्यक्ष सहेश्वर दांगी ,सचिव शंकर कुमार कोषाध्यक्ष विनोद कुमार साव उपाध्यक्ष सरोज सोनी उपसचिव शंकर कुमार एवं सभी शिक्षक और बच्चे भी उपस्थित थे।

पांच दिनों बाद रोशन हुआ करमा गांव रेवाली पासवान ने किया नए ट्रांसफार्मर का शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के करमा गांव में पिछले पांच दिनों से बिजली आपूर्ति ठप रहने से ग्रामीणों का जनजीवन प्रभावित हो गया था। लगातार हो रही परेशानी के बाद ग्रामीणों की मांग पर गुरुवार को गांव में 100 केवीए का नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया। ट्रांसफार्मर का उद्घाटन कांग्रेस जिला सचिव रेवाली पासवान ने किया। बिजली बहाल होते ही ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे और पूरे गांव में खुशी का माहौल बन गया। उद्घाटन के अवसर पर रेवाली पासवान ने कहा कि बिजली आज लोगों की बुनियादी जरूरत है और आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की मांग को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया गया, जिससे गांव में फिर से नियमित बिजली आपूर्ति शुरू हो सकी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र की जनता की हर समस्या के समाधान के लिए वे हमेशा सक्रिय रहेंगे। इस अवसर पर हजारीबाग जिला कांग्रेस के महासचिव विकास कुमार गुप्ता सहित देवेंद्र पासवान, पंकज कुमार दास, बाबूलाल तुरी, शमसुल आलम, जमाहिर तुरी, डब्लू दास, पिंटू पासवान, सुनील दास, शामलाल राम, योगेश्वर चंद्रवंशी, विनय केसरी, विजय राम, सुरेंद्र भूइया, रामोतार भुईया, मुकेश दास, मुखदेव तुरी, राहुल राणा, नागो रविदास, रामाधीन दास, विवेक पासवान, जमुना तुरी, चालीतर तुरी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मद प्रिंस खान गैंग के साथ पुलिस की मुठभेड़, पांच अपराधी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : बड़कागांव पुलिस को गुरुवार को बड़ी सफलता मिली। एनटीपीसी पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना के ट्रांसपोर्टिंग कार्य में बड़ी घटना को अंजाम देने को लेकर योजना बना रहे प्रिंस खान गैंग एवं पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में एक अपराधी को गोली लगी। जिससे पुलिस ने घायल अपराधी को गिरफ्तार करने में कामयाब रही। घटना बड़कागांव- हजारीबाग पथ के 13 माइल के निकट बुढ़ना घाटी चक्रवार जंगल में गुरुवार सुबह 4 बजे के आसपास बड़कागांव पुलिस और प्रिंस खान गैंग के अपराधियों के बीच मुठभेड़ में एक अपराधी को लगी गोली, जबकि दो अन्य अपराधी जंगल एवं अंधेरा का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे।पुलिस के अनुसार अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने को लेकर उक्त घाटी में जुटे थे। कि बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह को इसकी सूचना मिली और अपने दल बल के साथ चक्रवार घाटी पहुंचे तो अपराधियों ने पुलिस की टीम पर फायरिंग शुरू कर दी।जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई जिससे एक अपराधी सैय्यद मोहम्मद जीशान को पैर में गोली लगी। जिससे पुलिस ने धर दबोचा। घायल जीशान हजारीबाग स्थित पेलावल का रहने वाला बताया जा रहा है।

एसपी अमन कुमार ने घटना को लेकर कहा

घटनास्थल पर हजारीबाग एसपी अमन कुमार घटना का जायजा लेने पहुंचे। घटनास्थल पर ही पत्रकारों को जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने कहा कि प्रिंस खान गिरोह के सदस्यों द्वारा पुनः किसी बड़ी घटना का अंजाम देने के फिराक में थे। जिसकी सूचना मिलने पर हमारी पुलिस टीम उक्त जंगल को घेराबंदी किया। पुलिस को देखकर अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसकी जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई जिसमें एक अपराधी सैय्यद मोहम्मद जीशान को पैर में गोली लगी। घायल अपराधी जीशान को पुलिस की टीम ने गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने आगे बताया कि जीशान पूर्व में एनटीपीसी में ही चालक के रूप में काम करता था। और वह कंपनी के हर गतिविधि को गिरोह को सूचना देने का कार्य करता था। फिलहाल वह लातेहार जिले में काम कर रहा था।

संक्षिप्त खबरें

महूदी विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन 100% बच्चों को उपस्थिती पर दिया गया जोर

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के कांडतरी पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, महुदी में गुरुवार को विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन लोकतांत्रिक वातावरण में संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया पर्यवेक्षक अरुण कुमार दांगी एवं सुखमणि देवी की अध्यक्षता में संपन्न कराई गई। चुनाव के बाद चंपा कुमारी को विद्यालय प्रबंधन समिति का अध्यक्ष, रूबी कुमारी को उपाध्यक्ष तथा समरीन सबा को संयोजिका निर्वाचित घोषित किया गया। नवगठित पदाधिकारियों का उपस्थित अभिभावकों एवं शिक्षकों ने स्वागत किया तथा विद्यालय के सर्वांगीण विकास में सक्रिय सहयोग देने का भरोसा जताया।
इस अवसर पर अभिभावकों ने विद्यालय में बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने की अपील करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तभी संभव है जब सभी बच्चे नियमित रूप से विद्यालय आएं। उन्होंने शिक्षा के प्रति अभिभावकों की जिम्मेदारी निभाने का भी संकल्प लिया। प्रधानाध्यापक प्रेम कुमार राणा ने कहा कि नवगठित विद्यालय प्रबंधन समिति विद्यालय प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि समिति के सहयोग से विद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन एवं आधारभूत सुविधाओं के विकास को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक प्रेम कुमार राणा, सहायक शिक्षक संतोष कुमार, राज कुमार मेहता, गौतम कुमार सिंह, विजय पासवान, रविकांत कुमार महतो, सफदर हुसैन, असगर अली, अफतर अली, रंजीत ठाकुर, मो. कैशर, रामवृक्ष राम, अशोक कुमार, अरिबल महतो सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

177 मतदान केंद्रों पर सफल रहा एसआईआर अभियान, प्रशासनिक दक्षता का बना उदाहरण

चौपारण : भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के प्रथम चरण में प्रखंड ने निर्धारित समय-सीमा के भीतर लक्ष्य हासिल कर उल्लेखनीय प्रशासनिक दक्षता का परिचय दिया है। अभियान के तहत प्रखंड के 1,41,183 मतदाताओं तक गणना प्रपत्र पहुंचाने का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया। पुराने 170 मतदान केंद्रों के साथ नए केंद्रों को जोड़ते हुए कुल 177 मतदान केंद्रों पर यह प्रक्रिया संपन्न कराई गई। अभियान की सफलता में 170 बीएलओ, 10 बीएलओ सुपरवाइजर, 170 स्वयंसेवकों तथा प्रखंड स्तरीय अधिकारियों और कर्मचारियों की अहम भूमिका रही। पूरी टीम ने समन्वय के साथ कार्य करते हुए घर-घर पहुंचकर गणना प्रपत्रों का वितरण किया। इसके साथ ही ऑनलाइन डेटा एंट्री, मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित, लंबे समय से अनुपस्थित तथा डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान कर उनका विवरण भी तैयार किया गया।बीएलओ और स्वयंसेवकों की सक्रियता, अनुशासन और जिम्मेदारी के कारण प्रथम चरण का कार्य निर्धारित समय पर सफलतापूर्वक पूरा हो सका। इस उपलब्धि पर प्रखंड विकास पदाधिकारी नितेश भास्कर एवं अंचलाधिकारी संजय यादव ने पूरी टीम को बधाई देते हुए आगामी चरणों में भी इसी समर्पण और पारदर्शिता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अगले चरण में पात्र मतदाताओं का नाम त्रुटिरहित मतदाता सूची में सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के सफल संचालन में अंचलाधिकारी संजय यादव और प्रखंड विकास पदाधिकारी नितेश भास्कर की सक्रिय भूमिका रही। वहीं एसआईआर कोषांग में जनार्दन वर्मा, सुरेन्द्र दास, कमलेश कुमार कमल, कैसर आलम, राजा राम रवि तथा मनोज कुमार सहित शिक्षकों ने प्रभावी मॉनिटरिंग कर अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

चोरदाहा के पास तड़के बड़ा सड़क हादसा, ब्रेक फेल होने से मिनी ट्रक ने मारी टक्कर

चौपारण : राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर गुरुवार तड़के एक बार फिर तेज रफ्तार और तकनीकी खराबी के कारण सड़क हादसा हो गया। चौपारण थाना क्षेत्र के चोरदाहा स्थित इंडिया ऑयल पेट्रोल पंप के समीप सुबह करीब 4:30 बजे ब्रेक फेल होने से एक मिनी ट्रक आगे चल रहे ट्रक से जा भिड़ी। हादसे में मिनी ट्रक का उपचालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि चालक बाल-बाल बच गया। जानकारी के अनुसार, यूपी 23 एटी 3317 नंबर की मिनी ट्रक झारखंड से पाइप लोड कर उत्तर प्रदेश जा रही थी। इसी दौरान अचानक ट्रक का ब्रेक फेल हो गया, जिससे वह अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उपचालक लखन कुमार (30), पिता सुरेश यादव, निवासी उत्तर प्रदेश, ट्रक के केबिन में बुरी तरह फंस गए, जबकि चालक को मामूली चोटें आई। घटना की सूचना मिलते ही चोरदाहा पिकेट पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने चेन (सिकड़) की सहायता से क्षतिग्रस्त मिनी ट्रक को दूसरे ट्रक से बांधकर खींचा और काफी मशक्कत के बाद चालक व उपचालक को बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल लखन कुमार को 108 एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चौपारण भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

परसावा में नए ट्रांसफार्मर का मुकुंद साव ने किया उद्घाटन

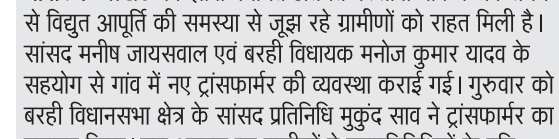

चौपारण : प्रखंड की झापा पंचायत अंतर्गत परसावा गांव में लंबे समय से विद्युत आपूर्ति की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों को राहत मिली है। सांसद मनीष जायसवाल एवं बरही विधायक मनोज कुमार यादव के सहयोग से गांव में नए ट्रांसफार्मर की व्यवस्था कराई गई। गुरुवार को बरही विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव ने ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नए ट्रांसफार्मर के चालू होने से बिजली आपूर्ति में सुधार होगा और लोगों को बार-बार होने वाली बिजली की समस्या से राहत मिलेगी।

एक नजर

आर्सेनिक मुक्त शुद्ध पेयजल बनाने की दिशा में बीआईटी मेसरा का सकारात्मक कदम

रांची : बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी), मेसरा ने साहेबगंज जिले के आर्सेनिक प्रभावित नौ सरकारी विद्यालयों में पांच-स्तरीय आर्सेनिक निष्कासन फिल्टर स्थापित कर तीन हजार से अधिक विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया है। बीआईटी मेसरा के पूर्व छात्र की ओर से स्थापित आशा एंड सज्जन अग्रवाल फाउंडेशन के सहयोग से की गई इस पहल से राज्यभर में आर्सेनिक युक्त लाल पानी से कार्बोनेट तत्व पूरी तरह से खत्म हो सकती है। कई जगहों में पानी साफ किए जा रहे हैं। बीआईटी मेसरा की ओर से गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से यह जानकारी दी गई। इस परियोजना का नेतृत्व इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड प्लानिंग के एसोसिएट डीन डॉ. कीर्ति अभिषेक, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. विशाल एच. शाह तथा शोधार्थी आकाश ने किया। टीम ने फिल्टर स्थापना के बाद पानी की गुणवत्ता की जांच कर इसकी प्रभावशीलता की पुष्टि भी की है। डॉ. कीर्ति अभिषेक ने बताया कि वर्षों से साहेबगंज के कई विद्यालयों में मटमैला और आर्सेनिक युक्त पानी विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ था। नई फिल्ट्रेशन प्रणाली स्थापित होने के बाद राजकीय मध्य विद्यालय फुदकीपुर, स्वामी विवेकानंद उच्च विद्यालय श्रीधर, यूएमएस सरपंच टोला, एमएस किशन प्रसाद, यूपीजी राजकीय मध्य विद्यालय समदा, यूपीजी पीएस शांतिनगर घोघी, यूएचएस श्रीरामचौकी, पीएम श्री नगरपालिका कन्या विद्यालय तथा एक सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में अब स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। बीआईटी मेसरा की ओर से भी कहा गया है कि यह पहल तकनीकी विशेषज्ञता के माध्यम से झारखंड की जमीनी समस्याओं के समाधान और सामाजिक दायित्व निभाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यूएचएस श्रीरामचौकी की शिक्षिका अनिता कुमारी ने बताया कि फिल्टर लगने के बाद पानी की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और सभी विद्यार्थी इसका उपयोग कर रहे हैं।

डीएसपीएमयू की शैक्षणिक अव्यवस्था पर शिक्षामंत्री से मिला आदिवासी छात्र संघ

रांची : आदिवासी छात्र संघ के प्रतिनिधिमंडल ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) में शैक्षणिक और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं के विरोध में गुरुवार को अध्यक्ष विवेक तिर्की के नेतृत्व में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू से मुलाकात कर छह सूत्री मांगपत्र सौंपा। मुलाकात के दौरान विवेक तिर्की ने कहा कि विश्वविद्यालय लंबे समय से शैक्षणिक अव्यवस्था, प्रशासनिक उदासीनता और छात्रों के अधिकारों की अनदेखी का शिकार है, जिससे पढ़ाई, शोध, रोजगार और विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि आदिवासी छात्र संघ छात्रहित, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पारदर्शी प्रशासन के लिए संघर्ष कर रहा है। संघ ने कुड़ुख, संथाली, नागपुरी सहित झारखंडी भाषाओं एवं बीबीए, एमबीए, कंप्यूटर साइंस और कॉमर्स में सीट कटौती वापस लेने, गैर-शैक्षणिक गतिविधियों में संलिप्त शिक्षकों की जांच, बायोमेट्रिक उपस्थिति लागू करने, छात्रों पर दर्ज कथित झूठे मामलों को वापस लेने, एआईसीटीई से संबंधित पाठ्यक्रमों की मान्यता पूरी कराने एवं एक व्यक्ति-एक पद का सिद्धांत लागू करने की मांग की।

महिला उद्यमिता को नई उड़ान देगा झारखंड इनक्यूबेटर प्रोग्राम : दीपिका सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने गुरुवार को रांची के प्रोजेक्ट भवन में झारखंड इनक्यूबेटर प्रोग्राम का शुभारंभ किया। इस मौके पर झारखंड इनक्यूबेटर प्रोग्राम की आधिकारिक वेबसाइट का भी लोकार्पण किया गया। मंत्री ने ठाकुरगंगटी मंडरो सखी सिल्क हैंडलूम वीवर्स की वेबसाइट भी लॉन्च की।

दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि झारखंड अब केवल खनिज संपदा के लिए नहीं, बल्कि महिला उद्यमिता के लिए भी पहचाना जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य की महिलाएं अपनी मेहनत और कौशल से सफल उद्यमी बनने की क्षमता रखती हैं। सरकार का लक्ष्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। महिलाओं के उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम सिर्फ 150 उद्यमों तक सीमित नहीं रहेगा। आने वाले समय में इस पहल का पूरे राज्य में विस्तार किया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि JSLPS से जुड़े 1.54 लाख से अधिक उद्यमों को जोड़ा जाएगा। उन्हें बाजार, प्रशिक्षण, तकनीक और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम JSLPS, NRLM और IIM कलकत्ता इनोवेशन पार्क के सहयोग से संचालित होगा।

पहले चरण में 150 महिला-नेतृत्व वाले ग्रामीण उद्यमों का चयन किया गया है। इन उद्यमों को तीन वर्षों तक मेंटरिंग, प्रशिक्षण और व्यवसायिक सहायता मिलेगी। ब्रांडिंग, ई-कॉमर्स, डिजिटल मार्केटिंग और बाजार से जोड़ने की सुविधा भी दी जाएगी।

रांची में केंद्रीय हब बनाया जाएगा। संभागीय स्तर पर पांच क्षेत्रीय स्पोक भी स्थापित किए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि राज्य में 10 हजार से अधिक महिला उद्यम पहले से बेहतर कार्य कर रहे हैं। पलाश और आजीविका जैसे ब्रांड राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं। सखी सिल्क को मिली नई पहचान मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने सखी सिल्क वेब पोर्टल का भी शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इससे ठाकुरगंगटी के भगैया सिल्क बुनकरों और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को बड़ा बाजार मिलेगा। एफपीओ के माध्यम से उत्पादों की खरीद की जाएगी सखी सिल्क ब्रांड के तहत उनकी ब्रांडिंग होगी। पलाश और अदिवा स्टोर्स के जरिए उत्पादों की बिक्री की जाएगी।

उन्होंने कहा कि अब तक भगैया सिल्क को लोग भागलपुर सिल्क के नाम से जानते थे। जबकि इसके वास्तविक बुनकर झारखंड के गोड्डा और दुमका में हैं। जीआई टैग मिलने के बाद अब बुनकरों को उनकी सही पहचान मिलेगी। मंत्री ने विश्वास जताया कि यह पहल झारखंड की पारंपरिक सिल्क उद्योग और महिला उद्यमियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान दिलाएगी।

लंबे समय से जेल में बंद कैदियों की रिहाई पर हाई कोर्ट में हुई सुनवाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य के जेल में बंद कैदियों/आरोपियों की आधी या एक तिहाई सजा काट लिए जाने वाले कैदियों की रिहाई से जुड़ी जनहित याचिका पर गुरुवार को झारखंड हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में प्रार्थी की ओर से सुझाएं गए 5 बिंदुओं पर बहस हुई। अब मामले में अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी।

सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से लंबे समय से बंद कैदी और अंडर ट्रायल कैदियों के बारे में बताया गया कि कुछ कैदी एक बार भी बेल फाइल नहीं कर पाए हैं, कुछ कैदी एक बार बेल फाइल करने के बाद दुबारा बेल फाइल नहीं कर पाए है। साथ ही बताया गया कि आरोप पत्र फाइल नहीं होने के बावजूद भी कई आरोपी डिफॉल्ट बेल दाखिल नहीं कर पाते हैं। UAPA, CLA, CCA जैसे आरोप वाले आरोपी सही तरीके से बेल नहीं फाइल कर पाते हैं जिससे वह लंबे समय तक जेल में बंद हैं। ट्रायल शुरू होने में देरी के कारण भी कई आरोपी लंबे समय तक जेल में बंद हैं।

राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता मो शहाबुद्दीन ने पक्ष रखते हुए बताया कि ऐसे मामले में कानून में व्यवस्था है। इसके हिसाब से सरकार सीमा में रहते हुए, इन बिंदुओं पर कार्य करती है। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक एवं न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। यहां बता दें कि पूर्व की सुनवाई में राज्य के जेल में बंद आधी सजा या एक तिहाई सजा काट लिए जाने वाले करीब 1000 कैदियों की संख्या से संबंधित रिपोर्ट राज्य सरकार की ओर से पेश की गई थी।

46 लाख वोट काटने की साजिश का आरोप, इरफान बोले- एक भी बांग्लादेशी दिखाकर साबित करे भाजपा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने भाजपा पर मतदाता सूची को लेकर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर लाखों लोगों के नाम काटने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि करीब 46 लाख मतदाताओं के नाम हटाने की साजिश हो रही है, जिनमें गरीब, आदिवासी, दलित और मुस्लिम समुदाय के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं।

इरफान अंसारी ने कहा कि इस मामले में उनकी लगातार जिला उपायुक्तों से बात हो रही है। उन्होंने अधिकारियों से अपील की है कि अगर किसी मतदाता के नाम या दस्तावेज में छोटी-मोटी गलती है, तो उसे सुधारकर नाम बचाया जाए। केवल तकनीकी कारणों से किसी का नाम मतदाता सूची से नहीं हटाया जाए। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे पर जल्द मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी मुलाकात करेंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जामताड़ा जिले में मतदाता सूची की 100 प्रतिशत मैपिंग पूरी कर ली गई है। उन्होंने बताया कि हर बूथ पर उनके कार्यकर्ताओं और बीएलओ ने नजर रखी। उन्हें डर था कि कुछ लोगों के नाम जानबूझकर हटाए जा सकते हैं, लेकिन लगातार निगरानी के कारण ऐसे मामलों में कमी आई।

बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर भाजपा को चुनौती देते हुए इरफान अंसारी ने कहा कि अगर संथाल परगना में एक भी बांग्लादेशी है तो भाजपा उसे सामने लाकर दिखाए। उन्होंने कहा कि जांच भारत सरकार की एजेंसियां और चुनाव आयोग कर रहे हैं। अब तक किसी बांग्लादेशी की पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सिर्फ राजनीति के लिए इस मुद्दे को उठा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के लगातार बयानों की वजह से समाज में भेदभाव का माहौल बन गया है।

भेल प्रबंधन एचईसी कर्मचारियों को कर रहा अनावश्यक परेशान : लालदेव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : हटिया कामगार यूनियन (एटक) के उपाध्यक्ष लालदेव सिंह ने भेल प्रबंधन पर एचईसी कर्मचारियों को अनावश्यक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया है। उन्होंने गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि पिछले छह वर्षों से एचईसी की स्थिति में सुधार की जिम्मेदारी भेल प्रबंधन को सौंपी गई थी, लेकिन हालात बेहतर होने के बजाय लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को मिलने वाली कई सुविधाओं में कटौती के बावजूद एचईसी की देनदारियां लगातार बढ़ रही हैं। लालदेव सिंह ने कहा कि आर्थिक संकट के बावजूद एचईसी के कर्मचारी संयम बनाए रखते हुए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। इसके बावजूद भेल प्रबंधन ने नियमों का हवाला देते हुए कर्मचारियों के लिए वर्ष में केवल तीन बार अर्जित अवकाश (ईएल) लेने की व्यवस्था लागू कर दी है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि सेवा नियमों के अनुसार कर्मचारियों को एक वर्ष में एक माह के अर्जित अवकाश का नगदीकरण कराने का अधिकार है, जिसके बदले निगम को भुगतान करना चाहिए। लेकिन भेल प्रबंधन इस प्रावधान को लागू नहीं कर रहा है। इतना ही नहीं, सैकड़ों कर्मचारियों के पूर्व में अर्जित अवकाश का नगदीकरण कराने के बावजूद अब तक भुगतान नहीं किया गया है। हटिया कामगार यूनियन (एटक) ने भेल प्रबंधन से अविलंब अर्जित अवकाश नगदीकरण की व्यवस्था लागू करने और लंबित भुगतान शीघ्र जारी करने की मांग की है। यूनियन का कहना है कि इससे आर्थिक संकट से जूझ रहे कर्मचारियों को बड़ी राहत मिलेगी।

झारखंड में जेपीएससी विवाद के सूत्रधार हैं बाबूलाल : एम तौसिफ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया संयोजक डॉ एम तौसीफ ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू पर हमला करते हुए कहा है कि जेपीएससी विवाद के सूत्रधार झारखंड के पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी हैं। उन्होंने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि राज्य में सबसे पहले बाबूलाल मरांडी के खिलाफ जांच होनी चाहिए।

उन्होंने अपने कार्यकाल में अपने चहेतों को जेपीएससी का अध्यक्ष और सदस्य बनाया था। पूर्व के जेपीएससी के सदस्यों का बैकग्राउंड किस विचारधारा से था। यह किसी से छिपा नहीं है। उस दौरान जेपीएससी में धांधली कर बाबूलाल के चाहने वालों को नौकरियां रेवड़ी की तरह बांटी गईं। काफी विरोध भी हुआ और हजारों छात्र सड़क पर उतरे। लेकिन दबाव के कारण जेपीएससी के पहले और दूसरे बैच को लेकर मुकदमा हुआ और मामला कोर्ट में गया। इससे यह प्रतीत होता है कि भाजपा ने सरकार में आने के साथ ही शिक्षा व्यवस्था को बिल्कुल ध्वस्त कर दिया।

उन्होंने कहा कि झारखंड में यह सिलसिला चलता रहा है। इसके बाद भी भाजपा के कई मुख्यमंत्री आये लेकिन किसी ने भी इस ओर ध्यान नहीं दिया। झारखंड के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। कांग्रेस पार्टी का मानना है कि देश भर में हुए नीट पेपर लीक की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि निष्पक्ष जांच केंद्र सरकार नहीं करा सकती। उसका मुख्य कारण भाजपा की ओर से एक खास विचारधारा के लोगों को पूरे देश के एजुकेशन सिस्टम पर बैठाना है।

सरला बिरला यूनिवर्सिटी में वर्ल्ड फोटोग्राफी डे पर 'पिक्सल स्पंदन' इवेंट का आयोजन, पोस्टर लॉन्च

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सरला बिरला यूनिवर्सिटी के फैकल्टी ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन और 'शटरबग क्लब' द्वारा वर्ल्ड फोटोग्राफी डे 2026 के अवसर पर दो दिवसीय विशेष इवेंट 'पिक्सल स्पंदन' का आयोजन होने जा रहा है। इस इवेंट को लेकर आधिकारिक पोस्टर लॉन्च किया गया। आइज बिहाइंड द लेंस, हार्ट बिहाइंड द शटर' थीम पर आधारित यह मुख्य यू इवेंट आगामी 19 और 20 अगस्त 2026 को आयोजित किया जाएगा।

इस पोस्टर का विमोचन यूनिवर्सिटी केमहानिदेशक प्रो गोपाल पाठक और कुलपति प्रो सी. जगनाथन के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर रजिस्ट्रार एसबी डांडिन, फैकल्टी ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन के डीन अजय कुमार, विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर कुमार, प्रोफेसर ऑफ प्रेक्टिस अजय कुकरेती, असिस्टेंट प्रोफेसर डा. नंदिनी सिन्हा समेत यूनिवर्सिटी के विभिन्न विभागों के डीन, डिप्टी रजिस्ट्रार और फैकल्टी मेंबर्स मुख्य रूप से मौजूद रहे। इवेंट के दौरान इंडस्ट्री के अनुभवी फोटोग्राफर्स के द्वारा सेमिनार का आयोजन होगा, जहां छात्रों को प्रेस फोटोग्राफी, प्रोफेशनल फोटोग्राफी और फ्रीलांस फोटोग्राफी के गुर सीखने और प्रैक्टिकल अनुभव प्राप्त करने का सुनहरा मौका मिलेगा।

फोटोग्राफी कॉम्पिटिशन के थीम्स:

इस इवेंट के तहत एक फोटोग्राफी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रतिभागी निम्नलिखित तीन विषयों पर अपनी रचनात्मकता दिखा सकते हैं: नेचर (प्रकृति), ट्राइबल कल्चर (जनजातीय संस्कृति) और अपनी रांची। प्रतियोगिता के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की लाइनें 1 अगस्त 2026 से खुलेंगी। रजिस्ट्रेशन करने की अंतिम तिथि 16 अगस्त 2026 (शाम 5:00 बजे तक) है। खींची गई तस्वीरों की हार्डकॉपी 17 अगस्त 2026 (शाम 4:30 बजे तक) जमा करनी होगी। हार्डकॉपी सबमिशन के लिए फोटो का साइज अनिवार्य रूप से A4 होना चाहिये। प्रतियोगिता में केवल 1 अगस्त से 17 अगस्त 2026 के बीच खींची गई ओरिजिनल और जियोटैग तस्वीरें ही स्वीकार की जाएंगी। सरला बिरला विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान एवं राज्यसभा सांसद सह निदेशक प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने पिक्सल स्पंदन के आयोजन की तैयारियों पर हर्ष व्यक्त किया है।

संक्षिप्त खबरें

सामान्य बारिश की ओर बढ़ रहा झारखंड

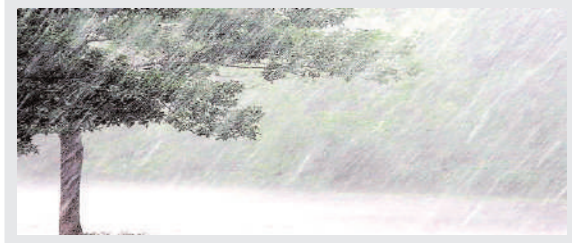

रांची : राज्य धीरे-धीरे सामान्य बारिश की ओर बढ़ रहा है। जून महीने में जहां झारखंड में सामान्य से 45 प्रतिशत बारिश का विचलन (कमी) था। वहीं अब यह घटकर 25 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यह जानकारी मौसम विभाग ने गुरुवार को दी। राज्य में 01 जून से 30 जुलाई तक 499.3 मिलीमीटर की तुलना में 372.6 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई है। इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम जिले के तांतनगर में 37.2 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। वहीं इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान सरायकेला में 33.5 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान रांची के कांके में 20.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे जबकि दोपहर बाद मौसम साफ हुआ और बीच-बीच में धूप खिली रही। इससे गर्मी और उमस महसूस किया गया। वहीं, गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री और न्यूनतम 22.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 32.1 डिग्री और न्यूनतम 25.7 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 32.2 और न्यूनतम 24.9 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 31.2 डिग्री और न्यूनतम 25.5 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

रिम्स की अधिग्रहीत जमीन पर अतिक्रमण मामले में बिल्डर की जमानत याचिका खारिज

रांची : रिम्स की अधिग्रहीत जमीन का अतिक्रमण मामले के आरोपी बिल्डर शुभम साबू की जमानत याचिका एसीबी की विशेष कोर्ट ने खारिज कर दी। 28 जून को एसीबी ने शुभम साबू को गिरफ्तार किया था, ये लकी कंस्ट्रक्शन से जुड़े है। लकी कंस्ट्रक्शन ने मोरहाबादी और कोकर मौजा के इस विवादित जमीन पर आलीशान अपार्टमेंट बनाया था। अवैध निर्माण में करीब 14 करोड़ रुपए की निवेश की गई थी। झारखंड हाई कोर्ट के आदेश के बाद एसीबी ने 5 जनवरी 2026 को प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया है। इसी मामले में 7 अप्रैल को एसीबी ने 4 आरोपी राजकिशोर बड़ाइक, कार्तिक बड़ाइक, राजेश झा और चेतन कुमार को गिरफ्तार किया था। आरोपियों ने मिलीभगत कर रिम्स की अधिग्रहीत जमीन को निजी संपत्ति दिखाने के लिए फर्जी वंशावली तैयार की थी। यह मामला 1964-65 में रिम्स की अधिग्रहीत करीब 9.65 एकड़ जमीन से जुड़ा है।

आईआईआईटी रांची में विकसित भारत@2047 पर मंथन, एनईपी 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

रांची : भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) रांची ने गवर्नमेंट टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज (जीटीटीसी) के सहयोग से अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2026 के तहत "एनईपी 2020 : एजुकेशन फॉर विकसित भारत@2047" विषय पर एक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के निदेशक प्रो. राजीव श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में हुआ, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विजन, उसके प्रभावी क्रियान्वयन और विकसित भारत@2047 के लक्ष्य को साकार करने में शिक्षा की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में आईआईआईटी रांची के संकाय सदस्यों डॉ. गौरव सुंदरम, डॉ. राजेश द्विवेदी, डॉ. अंकिता कुमारी, डॉ. नूपुर और डॉ. एन. किशोर बाबू ने एनईपी 2020 के प्रमुख सुधारों पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने बहुविषयक शिक्षा, नवाचार, अनुसंधान, कौशल विकास और उच्च शिक्षण संस्थानों की बदलती भूमिका को विकसित भारत के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर प्रो. राजीव श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 समावेशी, बहुविषयक और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा व्यवस्था विकसित करने का एक परिवर्तनकारी ढांचा प्रस्तुत करती है। उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों से नवाचार, सहयोग और सतत सीखने की भावना के साथ विकसित भारत@2047 के लक्ष्य को साकार करने में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में शिक्षकों, शैक्षणिक विशेषज्ञों, हितधारकों और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान शिक्षा के माध्यम से विकसित भारत@2047 के विजन को साकार करने में उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका पर सार्थक विचार-विमर्श किया गया।

14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा रद्द करने की मांग पर सत्याग्रह जारी, 6 अगस्त को विधानसभा घेराव का एलान

रांची : रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी न्याय मंच के बैनर तले चल रहा "जेपीएससी-जेएसएससी भ्रष्टाचार मुक्त भर्ती अभियान" गुरुवार को छठे दिन भी जारी रहा। अनिश्चितकालीन सत्याग्रह आंदोलन में राज्य के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में अभ्यर्थी शामिल हुए और आंदोलन को लगातार समर्थन मिलता रहा। मंच के अध्यक्ष दीनबंधु मंडल ने आरोप लगाया कि 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा, बैकलॉग सिविल सेवा परीक्षा, जेएसएससी संयुक्त स्नातक स्तरीय (सीजीएल) परीक्षा तथा टीडीपीएल एजेंसी द्वारा आयोजित अन्य परीक्षाओं में व्यापक अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। उन्होंने इन सभी मामलों की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। मंच के महासचिव रामअवतार महतो ने कहा कि जब तक 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा रद्द नहीं की जाती, कथित अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई नहीं होती और जवाबदेही तय नहीं की जाती, तब तक सत्याग्रह आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन राज्य के लाखों अभ्यर्थियों के न्याय, पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त भर्ती प्रक्रिया की मांग से जुड़ा है और इसे किसी भी परिस्थिति में कमजोर नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि 6 अगस्त 2026 को झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान विधानसभा घेराव किया जाएगा, जिसमें पूरे राज्य से हजारों छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। साथ ही सभी अभ्यर्थियों और युवाओं से लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से इस आंदोलन में भाग लेकर अपने अधिकारों की आवाज बुलंद करने की अपील की गई।

एक नजर

माकपा नेता महेन्द्र तुरी का निधन

कोडरमा : कोडरमा जिला के जानें माने मजदूर नेता, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जिला कमिटी सदस्य, सीटू के जिला उपाध्यक्ष और माइका वर्कर्स यूनियन व विद्यालय रसोईया यूनियन के नेता और कर्मठ सामाजिक कार्यकर्ता 55 वर्षीय महेन्द्र तुरी का गुरूवार को ब्रेन हेमरेज के कारण निधन हो गया। उनके निधन से जिला के सामाजिक व राजनीतिक कार्यकर्ता स्तब्ध हैं।

रेड क्रॉस के रक्तदान शिविर में जुटे सीसीएल कर्मी व समाजसेवी, 28 यूनिट रक्त संग्रहित

टंडवा (चतरा) : टंडवा प्रखंड अंतर्गत सीसीएल के आम्रपाली-चंद्रगुप्त क्षेत्र स्थित प्रशिक्षण कार्यालय में गुरुवार को रेड क्रॉस सोसायटी के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन सीसीएल के महाप्रबंधक संजीव कुमार एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक संजीव कुमार ने स्वयं रक्तदान कर लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ी मानवीय सेवा है और किसी जरूरतमंद की जान बचाने से बड़ा कोई पुण्य नहीं हो सकता। रेड क्रॉस सोसायटी के सचिव धर्मेंद्र पाठक ने कहा कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित अंतराल पर रक्तदान करना चाहिए।

शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ विद्यालय प्रबंधन समिति का चुनाव

हंटरगंज (चतरा) : हंटरगंज प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय पाण्डेयपुरा में विद्यालय प्रबंधन समिति के गठन को लेकर चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। चुनाव की अध्यक्षता पंचायत की मुखिया रेणु देवी ने की। इस दौरान बड़ी संख्या में अभिभावकों एवं ग्रामीणों ने भाग लेकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी सहभागिता निभाई। विद्यालय के सचिव कपिलदेव प्रसाद एवं पर्यवेक्षक विभीषण यादव की देखरेख में चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ हुई। अध्यक्ष पद के लिए अर्मेंद्र यादव, रामकुमार भुइयां, धनंजय कुमार एवं विनोद यादव ने अपनी दावेदारी पेश की।

डीएवी शिक्षादीप स्कूल में गुरुजनों का हुआ पूजन-सत्कार

चतरा : लावालौंग प्रखंड मुख्यालय स्थित डीएवी शिक्षादीप स्कूल में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों का पूजन-सत्कार कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। बच्चों की गुरु भक्ति और भारतीय संस्कारों से ओत-प्रोत प्रस्तुति ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के निदेशक अमित कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों को गुरु पूर्णिमा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है।

36 दुकानों का होगा अगस्त माह में शुभारंभ

सवा 8 करोड़ की लागत से बनने वाले जिला परिषद के कार्यालय का होगा शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : अगस्त माह में जिला परिषद कई उपलब्धियों कि सौगात देगा । इसमें झुमरी तिलैया के सीएच स्कूल रोड़ में बनीं 36 दुकानों का होगा शुभारंभ 1 करौड़ तीस लाख कि लागत से बनीं ये दुकानें दुकानदारों के लिए एक नया द्वार रोजगार खोलेगा। साथ ही कोडरमा में एसडीओ कार्यालय के निकट एवं पूर्व में डीसी संचालित कार्यालय को जिला परिषद के कार्यालय में विकसित करने को स्वीकृति मिल चुकी है। 8 करोड़ अठारह लाख से बनने वाले इस भवन का कि आधार शिला अगस्त माह में कि जायेगी। जिला परिषद के अध्यक्ष रामधन यादव ने बातचीत करते हुए कहा कि विगत चार वर्षों के कार्यकाल में केन्द्र और राज्य प्रयोजित लगभग 70 करोड़ कि योजनाओं से कोडरमा जिले कि 105 पंचायतों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल,रोड़,नाली,हाट, बाजार, पंचायत भवन जैसे विकास के कार्य से रोशनी पहुंचाने का कार्य किए हैं। ग्रामीण इलाकों के लोगों का जीवन स्तर को बेहतर करने में जिला परिषद के प्रतिनिधियों के साथ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष में कोडरमा जिला को उत्कृष्ट एडवार्ड मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने जिप अध्यक्ष रामधन यादव, एवं डीडीसी रवि जैन को 20 लाख कि प्रोत्साहन राशि दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 80 पंचायत भवन में रंग रोगन और बेहतर बनाया एवं 7 करोड़ कि राशी खर्च किए। वहीं मरकच्चो के दो,पंचायत डोमचांच का एक, कोडरमा का एक, और चंदवारा का एक नये पंचायत भवन को एक एक करोड़ कि लागत से निर्माण कराया गया। उन्होंने आगे बताया कि सिंचाई योजना में जिला परिषद के 12 सदस्यों के जरिए लगभग 50 लाख के सोलर पंप सिंचाई के लिए उपलब्ध करायें गये।26 उप-स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण चालु वित्तीय वर्ष में 55 -55 लाख कि राशी से कराया जा रहा है। जिसमें 11 पूर्ण हो चुकें हैं। और 15 पर कार्य हो रहे हैं।36 हाई मास्क लाइट 8 -8 लाख कि लागत से लगाये जा रहें हैं। 5 हार्ट बाजार को पांच करोड़ कि राशी से जयनगर, मरकच्चो,बासोडिह में सोंद्रीयकरण किया गया है। झुमरीतिलैया में तिलैया थाना के सामने साढ़े 3 करौड़ कि लागत से मार्केट काम्प्लेक्स बनाया जा रहा है। ज़िप अध्यक्ष रामधन यादव ने बताया कि चंदवारा प्रखंड में जमीन उपलब्ध होने के बाद 1 करोड़ कि लागत से विवाह भवन का निर्माण कराया जाएगा। वहीं नवलशाही में 30 दुकानें लगभग डेढ़ करोड़ कि लागत से बनाये जाएंगे, वही बगड़ो में 70 दुकानों का निर्माण लगभग चार करोड़ कि राशी से कराया जाएगा। साथ ही कोडरमा जिला में नागरिक सुविधा के तहत रोड़,नाली, फाइबर ब्लोक, तालाब का जिर्णोद्धार एवं निर्माण जैसे कार्य कराया जाएगा। गांव कि सरकार शहर में भी बिकास की नई गाथा लिख रहा है।

कोडरमा में शिक्षा बचाओ आंदोलन तेज, विधायक को सौंपा गया मांग पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : शिक्षा व शैक्षणिक संस्थानों को बचाने तथा छात्रों-नौजवानों के भविष्य की रक्षा के उद्देश्य से जे जे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति, कोडरमा द्वारा चलाए जा रहे चरणबद्ध आंदोलन के तहत गुरुवार को समिति के प्रतिनिधिमंडल ने कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव को मांग पत्र सौंपकर जिले के सभी डिग्री कॉलेजों को श्इव हजारीबाग से गिरिडीह स्थानांतरित किए जाने के निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की। संरक्षक सुरेश प्रसाद यादव के नेतृत्व में विधायक से मिलने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में समिति के अध्यक्ष धरतीपुत्र महेश भारती, सचिव देवेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष तौफीक हुसैन, उपाध्यक्ष मो. अली शाद, सुरेन्द्र भाई मोदी, कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रकाश रजक ,राजद जिला प्रवक्ता विजय यादव, पूर्व सांसद प्रतिनिधि महेंद्र शर्मा, पूर्व मुखिया महादेव दास, अविभावक संघ जिला अध्यक्ष संजय साजन,विजय पंडित एवं महेश यादव शामिल थे। मांग पत्र सौंपने के बाद ॐ साईं फैमिली कैंटीन एंड रेस्टोरेंट, कोडरमा में समिति की कोर कमिटी की आपात बैठक संरक्षक सुरेश प्रसाद यादव की देखरेख एवं अध्यक्ष धरतीपुत्र महेश भारती की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आंदोलन के अगले चरण की घोषणा करते हुए निर्णय लिया गया कि 9 अगस्त (रविवार) को कोडरमा प्रखंड कार्यालय परिसर में सर्वदलीय आम बैठक आयोजित की जाएगी तथा शाम में मशाल जुलूस निकाला जाएगा। इसके बाद भी मांगें पूरी नहीं होने पर 10 अगस्त से पूरे कोडरमा जिले में अनिश्चितकालीन छात्र हड़ताल के साथ जे जे कॉलेज में तालाबंदी की जाएगी। वही समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि यह आंदोलन किसी एक कॉलेज का नहीं, बल्कि पूरे कोडरमा जिले के छात्रों एवं युवाओं के भविष्य की लड़ाई है। उन्होंने जिले के छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, सामाजिक संगठनों, बुद्धिजीवियों एवं सभी राजनीतिक दलों से आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने और शिक्षा बचाओ अभियान को सफल बनाने की अपील की।

वीर शासन जयंती पर ध्वजारोहण एवं प्रवचनों से गुंजायमान हुआ जैन मंदिर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : जैन मंदिर में शुक्रवार को वीर शासन जयंती एवं ध्वजारोहण समारोह जैन संत सुयश सागर जी के सानिध्य में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातःकाल भव्य नगर शोभायात्रा से हुई, जिसमें बैंड-बाजा, घोड़ा-गाड़ी और बग्गी के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। महिलाएं सिर पर मंगल कलश एवं हाथों में जैन ध्वज लेकर शोभायात्रा में शामिल हुईं।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिष्ठाचार्य संजय भैया मुक्तगिरि एवं पंडित अभिषेक शास्त्री ने विधि-विधान के साथ ध्वजारोहण संपन्न कराया। विरागोदय वर्षा योग 2026 के संयोजक शैलेश छाबड़ा, रौनक कासलीवाल एवं सिद्धांत सेठी ने मंच संचालन किया।

समारोह में कोलकाता के सर्वेश, दिनेश एवं अखिलेश पाटनी परिवार ने ध्वजारोहण एवं मंच उद्घाटन किया, जबकि गुवाहाटी के रतनमणि देवीझसुरेंद्र जैन परिवार द्वारा अखंड दीप प्रज्वलित किया गया।

इस अवसर पर विभिन्न परिवारों द्वारा धार्मिक कलश स्थापित किए गए। विरागोदय वर्षा योग कलश सौरभझसुधा पटौदी परिवार (हजारीबाग), सम्यक दर्शन कलश बीना देवीझगौरव कुमार परिवार (भाटापारा, छत्तीसगढ़), सम्यक ज्ञान कलश सुयश एग्रो फार्म मनी भक्त परिवार (तामसा, महाराष्ट्र), सम्यक चारित्र कलश राजकलाझआतिश काला परिवार (तामसा, महाराष्ट्र) तथा विशुद्ध कलश सुशील पाटनी परिवार (हजारीबाग) द्वारा मंदिर में स्थापित किए गए।

अपने अमृतमय प्रवचन में संत सुयश सागर जी ने कहा कि भगवान महावीर का शासन आज के ही शुभ दिन प्रारंभ हुआ था और उनकी प्रथम देशना भी इसी दिन हुई थी।

खाद्य सुरक्षा जांच : अखाद्य रंग से बने खाद्य पदार्थ और मिलावटी हल्दी नष्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : डोमचांच बाजार में खाद्य सुरक्षा एवं तंबाकू नियंत्रण को लेकर गुरुवार को संयुक्त जांच अभियान चलाया गया। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी और टोबैको कंट्रोल सेल की टीम ने करीब 25 खाद्य प्रतिष्ठानों और फूड स्टॉल्स का निरीक्षण किया। इस दौरान अखाद्य रंग से तैयार खाद्य पदार्थ, मिलावटी हल्दी और तंबाकू नियमों के उल्लंघन के मामले सामने आए।

जांच के दौरान फूड स्टॉल्स पर चाट, छोले और चटनी में इस्तेमाल किए जा रहे रंग की जांच की गई। कई दुकानों में कपड़ा रंगने में उपयोग होने वाले कैंसरकारक औद्योगिक अखाद्य रंग का इस्तेमाल पाया गया। इसके बाद संबंधित छोले और चटनी को मौके पर ही नष्ट कराया गया।

वहीं किराना दुकानों में जांच के दौरान डिब्बाबंद लड्डू और बर्फी में भी अखाद्य रंग पाया गया। करीब 10 किलोग्राम मिलावटी मिठाइयों को नष्ट कराया गया। इसके अलावा एक दुकान से लगभग 50 किलोग्राम मिलावटी हल्दी जब्त कर नष्ट कराई गई।

जांच टीम ने खुले तंबाकू पदार्थों की बिक्री करने वाले 10 प्रतिष्ठानों से कुल 3,200 रुपये जुमार्ना वसूला। दुकानदारों को 21 वर्ष से कम उम्र के लोगों को तंबाकू उत्पाद नहीं बेचने और बिक्री स्थल पर चेतावनी बोर्ड लगाने का निर्देश दिया गया।

टीम ने खाद्य कारोबारियों को पैकेज्ड खाद्य सामग्री पर एफएसएसएआई लाइसेंस नंबर, निर्माण तिथि, उपयोग अवधि और निमार्ता का पता अंकित होना सुनिश्चित करने को कहा।

जीपीडीपी 2026-27 अंतर्गत जीपीएफटी टीम का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : ग्राम पंचायत विकास योजना 2026-27 के प्रभावी एवं सहभागी निर्माण के उद्देश्य से ग्राम पंचायत फैसिलिटेशन टीम का दो दिवसीय बैचवार प्रशिक्षण दिनांक 29 जुलाई 2026 से 30 जुलाई 2026 तक प्रखंड सभागार, मरकच्चो में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का संचालन ब्लॉक रिसोर्स टीम द्वारा किया गया। टीम में शशि कुमार यादव (प्रखंड समन्वयक, मरकच्चो), बादल दास विधाता (सहायक अभियंता) तथा नीता कुमारी (मुखिया मास्टर ट्रेनर) शामिल थे।इस बैच में जामू, चोपनाडीह, पूरनानगर, दशारोखुर्द, सिमरिया, पपलो, महूगांय एवं तेलोडीह ग्राम पंचायतों के ग्राम पंचायत फैसिलिटेशन टीम के सदस्यों ने भाग लिया।प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने की चरणबद्ध प्रक्रिया, 16 वें वित्त आयोग के दिशा-निर्देश, ग्राम सभा की भूमिका, सहभागी योजना निर्माण, पंचायत उन्नति सूचकांक, विकास स्थिति रिपोर्ट, संसाधन मानचित्रण, विभिन्न विभागीय योजनाओं के अभिसरण, ई-ग्रामस्वराज पोर्टल पर योजना प्रविष्टि तथा समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण योजना निर्माण से संबंधित विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

ब्लॉक रिसोर्स टीम द्वारा व्यावहारिक अभ्यास, समूह चर्चा एवं प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया तथा पंचायत स्तर पर स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप समावेशी एवं सुदृढ़ ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सभी जीपीएफटी सदस्यों से अपने-अपने पंचायत क्षेत्रों में ग्राम सभाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने का आह्वान किया गया।

इस अवसर पर प्रखंड एवं पंचायत स्तर के संबंधित पदाधिकारी, कर्मी तथा ग्राम पंचायत फैसिलिटेशन टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

डोमचांच गायत्री चेतना केन्द्र के द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर 12 घंटे का अखंड जप पांच कुंडली यज्ञ एवं मेधावी छात्रों का सम्मान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

डोमचांच/कोडरमा : गुरुदेव के विचारों को जीवन में उतारने का लिया संकल्प, संस्कार, साधना, सम्मान और पर्यावरण संरक्षण का अद्भुत संगम पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी के संदेशों के अनुरूप श्रद्धा, साधना और सेवा का भव्य आयोजन किया गया। गुरुदेव कहा करते थे, गुरु कोई शरीर नहीं, एक दिव्य चेतना है। जो अपने जीवन को आदर्शों के अनुरूप ढालता है, वही गुरु कृपा का वास्तविक अधिकारी बनता है। इसी भावना से कल प्रातः से 12 घंटे का अखण्ड गायत्री मंत्र जप संपन्न हुआ। इसके पश्चात व्यास पूजन तथा पंचकुण्डीय हवन यज्ञ अनेक पालियों में संपन्न कराया गया। साथ ही नामकरण संस्कार, अन्नप्राशन संस्कार एवं दीक्षा संस्कार वैदिक रीति-रिवाजों के साथ सम्पन्न हुए। सामूहिक संकल्प के साथ पुष्पांजलि अर्पित किया गया इस अवसर पर नीट परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त करने वाले दो मेधावी बेटियों का सम्मान किया गया। सृष्टि सजल (पिताझसंतोष बर्णवाल) ने 611 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक 6867 तथा श्रेया कन्धवे (पिताझसंजय कन्धवे) ने 568 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक 24812 हासिल की। दोनों विद्यार्थियों को मंत्र दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ के साथ गायत्री मंत्र दुपट्टा देकर सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन में गायत्री परिवार के कार्यकताओं ने गुरुदेव के विचारों का स्मरण कराते हुए कहा कि युग निर्माण का सबसे बड़ा साधन विचार क्रांति है। आज सोशल मीडिया पर रील बनाने की होड़ लगी हुई है, लेकिन यदि युवा अपने माध्यमों का उपयोग संस्कार, नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्र निर्माण और मानवीय मूल्यों के प्रचार-प्रसार के लिए करें, तो वही सच्ची गुरु भक्ति होगी। इस प्रेरणा को स्वीकार करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित चार बहनों को मंत्र पट्टा प्रदान कर सम्मानित किया गया और निवेदन किया गया कि आगे से मिशन के उद्देश्य को जिससे जन समाज को सकारात्मक परिणाम दिखेगा उस तरह की प्रेरणाप्रद रील बनाई जाय जिससे भावी पीढ़ी को जीवन का उद्देश्य पूर्ण जीने में उपयोगी हो सके। मौके पर पधारे रांची से सुरेंद्र पाण्डेय जी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि विश्वास, समर्पण और नियमित साधना ही गुरु कृपा प्राप्त करने का सर्वोत्तम मार्ग है। उन्होंने कहा कि जो साधक निष्ठापूर्वक गुरु के बताए मार्ग पर चलता है, उसके जीवन में आत्मबल, शांति और सफलता स्वतः आती है। उनके प्रेरक मार्गदर्शन के लिए उन्हें भी मंत्र दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।पूर्णाहुति के उपरांत पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए इस माह के चौथी बार 70 पौधों का वितरण सभी कार्यकर्ता को दिया गया। गुरुदेव का संदेश एक व्यक्तिझएक वृक्ष, एक परिवारझएक उपवन को आगे बढ़ाते हुए सभी से पौधे लगाने एवं उनका संरक्षण करने का संकल्प दिलाया गया, ताकि धरती हरित रहे और बढ़ते तापमान को नियंत्रित करने में जनसहभागिता सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने गुरुदेव के वाक्य हम बदलेंगे, युग बदलेगा; हम सुधरेंगे, युग सुधरेगा को आत्मसात करते हुए जीवन में साधना, स्वाध्याय, सेवा और संस्कार को अपनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

संक्षिप्त खबरें

शिक्षा व्यवस्था में लापरवाही पर उपायुक्त सख्त स्पष्टीकरण व मानदेय रोकने के निर्देश

चतरा : उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में शिक्षा विभाग की सभी इकाइयों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यालयों की शैक्षणिक गतिविधियों, छात्र उपस्थिति, अनुश्रवण, आधार नामांकन, स्प्लिट सिलेबस, नवाचार गतिविधियों तथा आवासीय विद्यालयों के संचालन की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान कई मामलों में लापरवाही पाए जाने पर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। उपायुक्त ने सभी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारियों (बीपीओ) को प्रत्येक माह अपने प्रखंड के कम से कम 10 विद्यालयों का नियमित निरीक्षण कर निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही संकुल एवं प्रखंड साधनसेवियों द्वारा किए जा रहे अनुश्रवण की विद्यालयवार समीक्षा कर समेकित प्रतिवेदन जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा। ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर छात्र उपस्थिति दर्ज करने में खराब प्रदर्शन पाए जाने पर प्रतापपुर के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी अजय कुमार दास से स्पष्टीकरण मांगा गया। वहीं कुंदा, प्रतापपुर एवं गिद्धौर के सीआरपी का कार्य असंतोषजनक पाए जाने पर उनका मानदेय स्थगित करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा गिद्धौर के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी को कड़ी फटकार लगाते हुए स्पष्टीकरण एवं मानदेय स्थगित करने की कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। बैठक में टंडवा, इटखोरी, कुंदा एवं पत्थलगड़ा के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारियों द्वारा समय पर स्प्लिट सिलेबस पूर्ण नहीं किए जाने पर उपायुक्त ने नाराजगी जताई। उन्होंने दो दिनों के भीतर कार्य पूरा करने का निर्देश देते हुए चेतावनी दी कि निर्धारित अवधि में कार्य पूरा नहीं होने पर स्पष्टीकरण के साथ मानदेय भी रोका जाएगा। प्रखंड संसाधन केंद्रों में आधार नामांकन का कार्य कर रही एम.के.एस. कंपनी की धीमी प्रगति पर भी उपायुक्त ने असंतोष व्यक्त करते हुए राज्य परियोजना कार्यालय को कंपनी के विरुद्ध पत्र भेजने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने प्रत्येक माह प्रखंड संसाधन केंद्र स्तर पर इनोवेशन चौलेंज की समीक्षा बैठक आयोजित करने तथा विद्यालयों में छात्राओं के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के लिए सिविल सर्जन को पत्र भेजने का निर्देश भी दिया। बैठक में उपस्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय एवं जेबीएवी की वार्डन-सह-शिक्षिकाओं को छात्राओं को बार-बार घर भेजने की परिपाटी में सुधार लाने, अभिभावकों से मुलाकात के लिए सप्ताह में एक दिन निर्धारित करने तथा इसकी सूचना सभी अभिभावकों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त रवि आनंद ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा विद्यालयों को उपलब्ध कराए गए सभी संसाधनों का विद्यार्थियों के हित में नियमित एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि उपलब्ध सामग्री केवल शोभा की वस्तु बनकर न रह जाए। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी कंचन कुमारी, जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी शैलेन्द्र कुमार, परियोजना कर्मी, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की वार्डेन उपस्थित थीं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर उपायुक्त ने की समीक्षा

चतरा : उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला स्तरीय सभी विभागों के वरीय पदाधिकारी एवं कार्यालयाध्यक्ष उपस्थित रहे। इस दौरान समारोह के सफल, गरिमामय एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर विभिन्न व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने बताया कि मुख्य समारोह का आयोजन जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, चतरा में होगा, जहां प्रातः 9रू05 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। समारोह में राष्ट्रगान, सलामी परेड, मार्च पास्ट एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई, रंग-रोगन, मंच निर्माण, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, ध्वनि विस्तारक यंत्र, बैठक व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, अग्निशमन, सुरक्षा व्यवस्था सहित सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में समाहरणालय परिसर, फांसी तालाब शहीद स्मारक, पोस्ट ऑफिस चौक स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा एवं रेड क्रॉस भवन में आयोजित होने वाले ध्वजारोहण एवं माल्यार्पण कार्यक्रमों की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समयानुसार कार्यक्रमों का सफल संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। परेड की तैयारियों पर विशेष जोर देते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि 8 अगस्त से प्रतिदिन सुबह 9रू00 बजे जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में परेड का पूर्वाभ्यास शुरू किया जाए तथा 13 अगस्त को सुबह 9:00 बजे फुल ड्रेस रिहर्सल आयोजित कर सभी व्यवस्थाओं का अंतिम परीक्षण किया जाए। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों एवं उनके परिजनों के सम्मान, अतिथियों के स्वागत, यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था, मीडिया समन्वय तथा विधि-व्यवस्था से जुड़ी सभी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के उपरांत दोपहर 1:00 बजे से 3:00 बजे तक जिला प्रशासन एवं पत्रकार एकादश के बीच मैत्रीपूर्ण फुटबॉल मैच का आयोजन किया जाएगा। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी (उत्तरी) राहुल मीणा, अपर समाहर्ता अरविंद, अनुमंडल पदाधिकारी (चतरा एवं सिमरिया), जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं संबंधित विभागों के कार्यालयाध्यक्ष उपस्थित थे।

विद्यालय प्रबंधन समिति का चुनाव तो हो गया, अब जिम्मेदारियां निभाने की बारी

प्रतापपुर (चतरा) : शिक्षा विभाग के निदेर्शानुसार प्रतापपुर प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में विद्यालय प्रबंधन समिति का चुनाव अधिकांश विद्यालयों में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। कुछ विद्यालयों में मामूली विवाद जरूर देखने को मिले, लेकिन चुनाव प्रक्रिया पर्यवेक्षकों की देखरेख में अभिभावकों की भारी उपस्थिति के बीच पूरी हुई। चुनाव के दौरान अध्यक्ष और सदस्य बनने की होड़ देखकर ऐसा प्रतीत हुआ मानो सरकारी विद्यालयों की बदहाली और बच्चों के भविष्य को लेकर समाज में व्यापक जागरूकता आ गई हो। लेकिन चुनाव समाप्त होते ही एक बड़ा सवाल खड़ा हो जाता है कि क्या यह जागरूकता केवल चुनाव तक ही सीमित रहेगी, या फिर विद्यालय के विकास में भी दिखाई देगी? विद्यालय प्रबंधन समिति की वास्तविक जिम्मेदारी चुनाव के बाद शुरू होती है। बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता पर निगरानी रखना, विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण करना, पठन-पाठन की व्यवस्था को बेहतर बनाना तथा विद्यालय की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाकर उनका समाधान कराना समिति के प्रमुख दायित्व हैं। विडंबना यह है कि चुनाव के दिन विद्यालय परिसर अभिभावकों से खचाखच भरा रहता है, लेकिन उसके बाद महीनों तक वही विद्यालय उनकी राह देखता रह जाता है।

एक नजर

बोड़ाम में रक्तदान शिविर लगाने को लेकर बैठक आयोजित

पटमदा : बोड़ाम पंचायत मंडप में पूर्व मुखिया किरीटी महतो की अध्यक्षता में के आवश्यक बैठक की गई ।बैठक में एससी एसटी ओबीसी माइनोरिटी वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा आगामी 11 अक्टूबर को एमजीएम मेडिकल हॉस्पिटल के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। बैठक में आशुतोष महतो, मिहिर महतो, हिमांशु महतो, मनोज रजक, बबलू स्वर्णकार, गणेश महतो, पंचायत समिति महापद सिंह, नीलकमल महतो,बुद्धेश्वर रु,विजय सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

एआईएमआईएम के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष मोहम्मद शामसाद आलम का भव्य स्वागत, संगठन विस्तार का लिया संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के जिला कार्यालय में गुरुवार को नवनियुक्त जिलाध्यक्ष मोहम्मद शामसाद आलम के सम्मान में भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पूर्व पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ, माल्यार्पण एवं शॉल ओढ़ाकर उनका अभिनंदन किया और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह की शुरूआत झारखंड प्रदेश महासचिव डॉ. नसीम अंसारी द्वारा बुके भेंट कर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का स्वागत करने के साथ हुई। इसके बाद पूर्व पाकुड़ जिला प्रधान

सचिव मीथिलेश ठाकुर, पूर्व साहिबगंज जिला सचिव मोहम्मद सायबान, पूर्व जिला कोषाध्यक्ष यफोस अली, पूर्व पाकुड़ प्रखंड अध्यक्ष रफीक अहमद, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष सैबुर रहमान सहित अन्य नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर उनके पिता अब्दुल लतीफ ने भी माला पहनाकर पुत्र को आशीर्वाद दिया। मीडिया से बातचीत में मोहम्मद शामसाद आलम ने कहा कि वह सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं को साथ लेकर पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर पर संगठन को और मजबूत बनाने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व को और मजबूती प्रदान करने के लिए संगठन को जमीनी स्तर तक विस्तार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम जिले में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, बिजली, पेयजल समेत अन्य बुनियादी जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाएगी और उनके समाधान के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करेगी। उनका कहना था कि पार्टी का उद्देश्य आम लोगों की आवाज को मजबूती से उठाना और उन्हें न्याय दिलाना है। कार्यक्रम में पूर्व पाकुड़ विधानसभा अध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी नासीरुद्दीन शेख नासिर, पूर्व पाकुड़ प्रखंड सचिव फिरोज आलम, पूर्व जिला मीडिया प्रभारी सामसी आलम, शेख इमरान, पूर्व महेशपुर विधानसभा अध्यक्ष सैहीदुल शेख, कमरुद्दीन, रामीज शेख, एनी रोज मुर्मू, शालिनी बेलिंगम, रंजना देवी, मोहम्मद अहमदुल्लाह, महाफीजुर रहमान, मोसाराफ हुसैन, सद्दाम हुसैन, मोताफीजुर रहमान, साहाबाज आलम, असीम अकरम, हैदर अली सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। समारोह के अंत में पार्टी नेताओं ने विश्वास जताया कि मोहम्मद शामसाद आलम के नेतृत्व में पाकुड़ जिले में संगठन को नई मजबूती मिलेगी और जनहित के मुद्दों पर पार्टी पहले से अधिक सक्रिय भूमिका निभाएगी। मजबूती मिलेगी और जनहित के मुद्दों पर पार्टी पहले से अधिक सक्रिय भूमिका निभाएगी।

संक्षिप्त खबरें

डीएवी पब्लिक स्कूल, बरही में उत्साहपूर्वक मनाया गया ग्रीन डे

बरही: डीएवी पब्लिक स्कूल, बरही में एलकेजी से द्वितीय कक्षा तक के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों के लिए ग्रीन डे का आयोजन बड़े उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को हरियाली, पर्यावरण संरक्षण तथा प्रकृति के महत्व से परिचित कराना था।
इस अवसर पर सभी बच्चे हरे रंग की आकर्षक वेशभूषा पहनकर विद्यालय पहुँचे। कक्षाओं को हरे रंग के गुब्बारों, पौधों एवं विभिन्न शिक्षण सामग्री से सजाया गया। विद्यार्थियों ने पौधों, फलों, सब्जियों तथा प्रकृति से संबंधित गतिविधियों में भाग लेकर अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। शिक्षकों ने बच्चों को वृक्षारोपण, स्वच्छ पर्यावरण और हरियाली के महत्व के बारे में सरल एवं रोचक तरीके से जानकारी दी।
कार्यक्रम के दौरान गीत, कविता, रंग-पहचान, चित्रकला तथा मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। विद्यालय के प्राचार्य पुष्प कुमार झा ने सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम, पर्यावरण संरक्षण की भावना तथा सकारात्मक सोच का विकास करते हैं। इडडीपी की शिक्षिकाओं ने पौधा देकर प्राचार्य का स्वागत किया। कार्यक्रम का समापन बच्चों को पर्यावरण की रक्षा करने तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश देकर किया गया।

यूरिया और डीएपी खाद मूल्य से अधिक दर पर बेचने की शिकायत पर किया औचक निरीक्षण

बरही : यूरिया और डीएपी खाद मूल्य से अधिक दर पर बेचने की शिकायत पर बीडीओ जयपाल महतो ने बरही के विभिन्न उर्वरक विक्रेता के दुकानों का औचक निरीक्षण किया। उनके साथ बीटीएम राकेश कुमार, सुरेन्द्र कुमार और उपेन्द्र कुमार दास शामिल थे। एक खाद दुकान से डीएपी खरीदकर बेंदगी गांव के किसान राजदेव यादव जा रहे थे। बीडीओ जयपाल महतो ने उनसे खाद खरीद के संबंध में पुछताछ की तो उन्होंने बताया कि 2000 में एक बैग डीएपी खाद कृषि केंद्र से खरीदी है। बीडीओ ने कृषि केंद्र के संचालक को चेतावनी देते हुए लिए गए अधिक मूल्य 650 रुपये वापस कराया। बरही के खाद विक्रेताओं ने बीडीओ को बताया कि यूरिया 266 रुपये और डीएपी 1350 रुपये में बेचीं जाती है। उर्वरक आपूर्तिकर्ता प्रतिष्ठान द्वारा अनिवार्य रूप से प्रति बैग यूरिया एवं डीएपी के क्रय पर 500 एमएल नैनो यूरिया एवं तरल डीएपी का विक्रय अनिवार्य किया गया है। इसलिए कीमत में बढ़ोतरी हो जा रही है। बीडीओ जयपाल महतो ने विभिन्न खाद दुकानों के औचक निरीक्षण की रिपोर्ट उपायुक्त को भेज दी है।

मुंडारी-हिन्दी गीत-संग्रह 'ओमोन-मुंडारी साइती पुथी' का विमोचन, स्थानीय भाषा-संस्कृति संरक्षण की पहल

पटमदा : समाहरणालय स्थित जिला भू अर्जन कार्यालय में कार्यरत बोधा मुंडा द्वारा रचित मुंडारी-हिन्दी द्विभाषी गीत-संग्रह पुस्तक ₹ओमोन- मुंडारी साइती पुथी₹ का समाहरणालय में उपायुक्त राजीव रंजन द्वारा विमोचन किया गया। इस अवसर पर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी एवं कार्यालय कर्मियों की उपस्थिति रही। अपर उपायुक्त ने भी पुस्तक की प्रति प्राप्त कर बोधा मुंडा को इस महत्वपूर्ण साहित्यिक उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उपायुक्त ने कहा कि स्थानीय भाषा एवं संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में ऐसे प्रयास अत्यंत प्रेरणादायी हैं। उल्लेखनीय है कि यह पुस्तक अधिसूचित क्षेत्र समिति, जमशेदपुर द्वारा संचालित डीएम लाइब्रेरी, साकची में भी उपलब्ध रहेगा। मुंडारी और स्थानीय संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन तथा नई पीढ़ी तक इसके साहित्यिक स्वरूप को पहुँचाने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल है ।

माँ विन्ध्यवासिनी कॉलेज में मूल्य शिक्षा पर संगोष्ठी, नैतिक मूल्यों पर दिया गया जोर

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

पदमा : बदलते सामाजिक परिवेश में नैतिक एवं मानवीय मूल्यों को शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बनाने के उद्देश्य से प्रखंड स्थित माँ विन्ध्यवासिनी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में गुरुवार को मूल्य शिक्षा विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य भावी शिक्षकों एवं प्रशिक्षुओं में नैतिक, सामाजिक और मानवीय मूल्यों के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा उन्हें जिम्मेदार शिक्षक एवं नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके उपरांत महाविद्यालय प्रबंधन एवं प्राचार्य ने मुख्य अतिथि को पौधा और शॉल भेंटकर सम्मानित किया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के शिक्षा

विभागाध्यक्ष डॉ. तनवीर यूनुस उपस्थित रहे। अपने संबोधन में डॉ. तनवीर यूनुस ने कहा कि वर्तमान आधुनिक और तकनीकी युग में केवल पुस्तकीय ज्ञान पर्याप्त नहीं है। वास्तविक शिक्षा वही है जो व्यक्ति के चरित्र का निर्माण कर उसे एक जिम्मेदार एवं संवेदनशील नागरिक बनाए। उन्होंने कहा कि मूल्य शिक्षा जीवन की आधारशिला है, जो सही और गलत के बीच अंतर करना सिखाती है। शिक्षकों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों से भी समृद्ध करें।

बाइक दुर्घटना में तीन युवक घायल एक रेफर

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बरहेट थाना क्षेत्र अंतर्गत गुरुवार देर शाम लोगाई के समीप दूसरी बाइक को बचाने के प्रयास में एक बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें तीन लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार अनिल कर्मकार, सुंदर मंडल एवं बबलू हांसदा एक ही बाइक पर सवार होकर बोरियो से अपने घर लोगाई लौट रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही एक बाइक से उनकी टक्कर हो गई। हादसे में तीनों बाइक सवार घायल हो गए, जबकि दूसरी बाइक का चालक

मौके से फरार हो गया। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायलों को तत्काल बरहेट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां मौजूद चिकित्सकों ने सभी का प्राथमिक उपचार किया। गंभीर रूप से घायल अनिल कर्मकार की स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

नगर परिषद के जेई, विद्युत जेई, सहायक, विधि सहायक, राजस्व निरीक्षक का तबादला

साहिबगंज : नगरीय प्रशासन निदेशालय नगर विकास एवं आवास विभाग ने गुरुवार को कार्यालय आदेश जारी करते हुए कनीय अभियंता यांत्रिक असैनिक विद्युत, राजस्व निरीक्षक, सेनेटरी सुपरवाइजर, सेनेटरी एंड फूड इंस्पेक्टर, विधि सहायक, सहायक सहित अन्य का तबादला किया है। जिसमे साहिबगंज नगर परिषद का कनीय अभियंता असैनिक पिंटू कुमार को बनाया गया, इससे पहले पिंटू बासुकिनाथ नगर पंचायत में थे। बरहरवा नगर पंचायत में विद्युत कनीय अभियंता पंकज मरांडी को बनाया गया।

बेरासि-सिरुम पंचायत के ग्राम प्रधान एवं शिक्षक सुषेन कुमार महतो का निधन, क्षेत्र में शोक

कुकड़ू : सरायकेला-खरसावां जिले के कुकड़ू प्रखंड अंतर्गत बेरासि-सिरुम पंचायत के ग्राम प्रधान एवं शिक्षक सुषेन कुमार महतो का गुरुवार सुबह निधन हो गया। उनके निधन की खबर फैलते ही पूरे पंचायत क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उनके निधन को क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया ।स्वर्गीय सुषेन कुमार महतो अपने सरल, मिलनसार एवं सेवाभावी व्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे। ग्राम प्रधान के रूप में उन्होंने पंचायत के विकास, सामाजिक समरसता तथा ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, शिक्षक के रूप में उन्होंने वर्षों तक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर उनके भविष्य निर्माण में उल्लेखनीय योगदान दिया। उनके निधन पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों, शिक्षकों तथा ग्रामीणों ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस दु:ख की घड़ी में संबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग उनके आवास पहुंचे और नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय एवं वृद्धाश्रम का औचक निरीक्षण

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमंत सती एवं अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, हजारीबाग डॉ. शशि जायसवाल के निदेशानुसार गुरुवार को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मो. मंजर हुसैन ने खाद्य सुरक्षा टीम के साथ इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय, हजारीबाग एवं ओल्ड एज होम (वृद्धाश्रम) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों संस्थानों में खाद्य सामग्री की गुणवत्ता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का जायजा लिया गया। इस क्रम में इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय से उसना चावल, अरहर दाल, आटा, हल्दी पाउडर, नमक एवं सूजी के नमूने संग्रहित किए गए। वहीं ओल्ड एज होम से आटा, सरसों तेल, हल्दी पाउडर एवं नमक के नमूने लिए गए। संग्रहित सभी नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य जांच प्रयोगशाला, नामकुम (रांची) भेजा जाएगा। जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के उपरांत यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान संस्थान प्रबंधन को निर्देश दिया गया कि रसोईघर की प्रतिदिन समुचित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। भोजन तैयार करने एवं परोसने के दौरान रसोइयों द्वारा एप्रन एवं टोपी का अनिवार्य रूप से उपयोग किया जाए। साथ ही रसोईघर को चूहे, मक्खी, छिपकली एवं अन्य कीटों से पूर्णतः मुक्त रखते हुए स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण दल में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, हजारीबाग-03 डॉ. नवेद अंजुम, शशि भूषण मुंडा, सूरज कुमार एवं धनेश्वर प्रसाद कुशवाहा सहित खाद्य सुरक्षा विभाग के अन्य कर्मी उपस्थित थे।

कन्या मध्य विद्यालय पहुंचीं मुखिया पिंकी देवी, स्वच्छता और मिड डे मील की जांच की

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : चौपारण पंचायत की मुखिया पिंकी देवी ने गुरुवार को कन्या मध्य विद्यालय, चौपारण का औचक निरीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक एवं आधारभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विशेष रूप से मध्याह्न भोजन (मिड डे मील) योजना की गुणवत्ता, स्वच्छता और भोजन तैयार करने की प्रक्रिया का गहन निरीक्षण किया। मुखिया ने रसोईघर का अवलोकन करते हुए भोजन की गुणवत्ता, स्वाद और साफ-सफाई की जांच की। उन्होंने स्वयं भोजन का निरीक्षण कर संतोष जताया तथा कहा कि बच्चों को पौष्टिक, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन और रसोइयों को निर्देश दिया कि भोजन तैयार करने

और परोसने के दौरान स्वच्छता के सभी मानकों का सख्ती से पालन किया जाए तथा निर्धारित मेन्यू के अनुसार ही बच्चों को संतुलित एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। निरीक्षण के दौरान मुखिया ने छात्राओं से भी बातचीत कर भोजन की गुणवत्ता, नियमितता और विद्यालय में मिलने वाली अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। छात्राओं ने विद्यालय में मिलने वाले भोजन और व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि मध्याह्न भोजन योजना का नियमित संचालन किया जा रहा है तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप बच्चों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

साइबर फ्रॉड से बचें, नशे से दूर रहें और तेज रफ्तार से वाहन न चलाएं : थाना प्रभारी

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : मध्य विद्यालय माचा-बिड़रा में पटमदा थाना प्रभारी विष्णु चरण भोगता ने पहुंचकर छात्र-छात्राओं को साइबर फ्रॉड, नशा मुक्ति एवं सड़क सुरक्षा सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया। कार्यक्रम में पंचायत के उपमुखिया गोपाल गोराई भी उपस्थित रहे। थाना प्रभारी विष्णु चरण भोगता ने बच्चों को साइबर फ्रॉड से बचाव के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि अनजान व्यक्ति के फोन कॉल, संदिग्ध लिंक, ओटीपी, पासवर्ड अथवा अन्य गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करनी चाहिए। थोड़ी सी सावधानी बरतकर साइबर ठगी से बचा जा सकता है। उन्होंने

बच्चों से कहा कि किसी भी संदिग्ध घटना की जानकारी अपने अभिभावकों एवं पुलिस को तुरंत दें ।उन्होंने नशा मुक्ति पर भी विशेष जोर देते हुए कहा कि नशा युवा पीढ़ी के भविष्य को प्रभावित करता है। बच्चों और युवाओं को नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेलकूद एवं सकारात्मक गतिविधियों में अपना समय लगाना चाहिए। सड़क सुरक्षा के संबंध में थाना प्रभारी ने कहा कि आए दिन युवा वर्ग द्वारा तेज रफ्तार एवं लापरवाही से बाइक चलाने के कारण सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। ऐसी दुर्घटनाओं में वाहन चालक के साथ-साथ सड़क पर चलने वाले बेकसूर लोगों की जान भी खतरे में पड़ जाती है। उन्होंने बच्चों को यातायात नियमों का पालन करने और अपने परिवार तथा आसपास के युवाओं को भी सुरक्षित वाहन चलाने के लिए प्रेरित करने की बात कही ।कार्यक्रम में उपस्थित पंचायत के उपमुखिया गोपाल गोराई ने भी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए यही समय शिक्षा और पढ़ाई-लिखाई का है। यह समय अगर निकल गया तो बाद में पछताने के सिवाय कुछ नहीं रहेगा। इसलिए सभी बच्चे मन लगाकर पढ़ाई करें, अपने लक्ष्य को निर्धारित करें और अपने माता-पिता एवं विद्यालय का नाम रोशन करें ।थाना प्रभारी विष्णु चरण भोगता ने बच्चों और विद्यालय परिवार को भरोसा दिलाते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन आम जनता की सुरक्षा और सहयोग के लिए है। पुलिस से डरने की आवश्यकता नहीं है। किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की परेशानी हो तो वह बेझिझक पुलिस को इसकी जानकारी दे सकता है। समस्या के समाधान के लिए प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में थाना प्रभारी ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं से मुलाकात की और उनका उत्साह बढ़ाते हुए सभी को धन्यवाद दिया। विद्यालय परिवार की ओर से भी छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण थाना प्रभारी के जागरूकता कार्यक्रम की सराहना की गई।

जिला अभियंता का कार्यालय, जिला परिषद, खूँटी

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

संख्या – 05/2026–27

1. विज्ञापन दाता का नाम : जिला अभियंता, जिला परिषद, खूँटी।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि : दिनांक 08.08.2026 (अपराह्न 03:00 बजे तक)
3. निविदा प्राप्त करने की तिथि : दिनांक 10.08.2026 को (अपराह्न 03:00 बजे तक)
4. निविदा खोलने की तिथि : दिनांक 11.08.2026 को (04:00 बजे अपराह्न तक)
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : जिला अभियंता, जिला परिषद, खूँटी का कार्यालय।
6. निविदा प्राप्त करने एवं खोलने का स्थान : जिला अभियंता, जिला परिषद, खूँटी का कार्यालय
7. कार्यो का विस्तृत विवरणी :

क्र.	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्रा० राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	मुरहू	हस्सा पंचायत अन्तर्गत ग्राम माहिल में (गायचूर रास्ता से गढ़ा खेत तक) 700 फीट पी0सी0सी0 पथ एवं गार्डवाल निर्माण।	2489000.00	50000.00	5000.00	02 माह
2	तोरपा	अम्मा पंचायत अन्तर्गत खूँटी–सिमडेगा मुख्य पथ से लेटेर जाने वाले पथ में 1000 फीट पी0सी0सी0 पथ का निर्माण कार्य।	1568700.00	31500.00	5000.00	02 माह
3	तोरपा	अम्मा पंचायत अन्तर्गत खूँटी–सिमडेगा मुख्य पथ से मुण्डा पकनाटोली तक 1000 फीट पी0सी0सी0 पथ का निर्माण कार्य।	1568700.00	31500.00	5000.00	02 माह
4	रनियाँ	डाहु पंचायत अन्तर्गत ग्राम लोवा चुन्दका टोली सबन कन्डुलना के घर से सोहराई कन्डुलना के घर तक 1000 फीट पी0सी0सी0 पथ का निर्माण कार्य।	1670850.00	34000.00	5000.00	02 माह
5	अड़की	सरगेया पंचायत अन्तर्गत ग्राम मैपा के ग्राम स्थल (पूजा धान) से बलदेव पातर के घर तक 800 फीट पी0सी0सी0 पथ का निर्माण कार्य।	1250000.00	25000.00	2500.00	02 माह
6	अड़की	उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, कुदादा में 02 अद्द अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	2165600.00	44000.00	5000.00	04 माह
7	अड़की	राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बनतेया में 02 अद्द अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	2165600.00	44000.00	5000.00	04 माह
8	अड़की	राजकीय प्राथमिक विद्यालय, जोजोडीह में 02 अद्द अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	2165600.00	44000.00	5000.00	04 माह
9	अड़की	राजकीय प्राथमिक विद्यालय, सिंजुड़ी में 02 अद्द अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	2165600.00	44000.00	5000.00	04 माह
10	अड़की	राजकीय प्राथमिक विद्यालय, तुबिद में 02 अद्द अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	2165600.00	44000.00	5000.00	04 माह
11	अड़की	उत्क्रमित राजकीय मध्य विद्यालय, लेबेद में 02 अद्द अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	2165600.00	44000.00	5000.00	04 माह
12	अड़की	उत्क्रमित राजकीय मध्य विद्यालय, साके में 02 अद्दअतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	2165600.00	44000.00	5000.00	04 माह
13	अड़की	उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, पीड़ीडीह में 02 अद्द अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	2165600.00	44000.00	5000.00	04 माह
14	अड़की	उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, पोरोमाईल में 02 अद्द अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	2165600.00	44000.00	5000.00	04 माह
15	अड़की	उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, पोटोबेड़ा में 02 अद्द अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	2165600.00	44000.00	5000.00	04 माह
16	अड़की	उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, रूरूंगडीह में 02 अद्द अतिरिक्त क्लासरूम का निर्माण कार्य।	2165600.00	44000.00	5000.00	04 माह

15नोट :– विस्तृत निविदा सूचना एवं शर्ते कार्यालय सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

1. उपरोक्त निविदा का निष्पादन **Double Bid System** के अनुसार किया जायेगा।
2. जिला परिषद, खूँटी अन्तर्गत वैसे संवेदक जिनका कार्य Work Program के अनुसार नहीं चल रहा है। वे इस निविदा में भाग लेने हेतु अयोग्य समझें जायेगे।
3. निविदा डालते समय पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड राँची के संकल्प संख्या 2146 (एस) दिनांक 09.09.2024 में निहित प्रावधान के आलोक में संवेदक द्वारा 10 प्रतिशत से कम दर Quote करने Additional Performance Security की राशि निम्नवत जमा करनी होगी।
4. (i) 10 से 20 प्रतिशित Below की राशि का 20 प्रतिशत तथा
   (ii) 20 प्रतिशत से अधिक Below की राशि का 30 प्रतिशत अतिरिक्त जमानत का प्रावधान लागू होगा।
5. जिला परिषद, खूँटी के समुचित श्रेणी का निबंधन ही मान्य होगा एवं निविदा लेने समय F.D. GST, Registration Copy, Pan Card देना अनिवार्य होगा तभी B.O.Q दिया जायेगा।
6. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है। तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।

ह०/–
जिला अभियंता, जिला परिषद, खूँटी।

PR 386237 District(26-27)D

डिजिटल संप्रभुता में सीधा हस्तक्षेप

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नीट पेपर लीक को लेकर जेन-जी को संबोधित करते हुए जो पहला सेल्फी वीडियो अपलोड किया था, उसे मेटा ने हटा दिया था। यही वीडियो इंस्टाग्राम पर 24 घंटे के भीतर 300 मिलियन से अधिक बार देखा गया था। बाद में जब इस पर हंगामा हुआ, तब कंपनी ने सफाई देते हुए कहा कि वीडियो को जानबूझकर नहीं हटाया गया बल्कि यह एक तकनीकी खामी थी। इतनी बड़ी कंपनी का तकनीकी खामी का तर्क आसानी से गले नहीं उतरता। समर्थकों का आरोप है कि यह एक सोची-समझी साजिश है ताकि सरकार की बात करोड़ों युवाओं तक पहुंचने से रोका जा सके। फिलहाल यह मामला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की नीतियों, कंटेंट मॉडरेशन और डिजिटल जवाबदेही को लेकर नई बहस का विषय बन गया है। वास्तव में, मेटा द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के वीडियो सेंसर करना भारतीय लोकतंत्र और डिजिटल संप्रभुता में सीधा हस्तक्षेप है। यह कोई सामान्य कंटेंट मॉडरेशन नहीं है बल्कि एक विदेशी प्लेटफॉर्म द्वारा यह तय करने की तानाशाही कोशिश है कि भारतीय नागरिक क्या देख सकते हैं। अमेरिकी सोशल मीडिया कंपनियां दुनियाभर में नैरेटिव तय करके सरकारें बदलने का खेल खेलती रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी की पोस्ट पर रोक लगाना इस बात का प्रमाण है कि उपभोक्ता जो देख रहे हैं, वह कंपनियां तय करती हैं। सोशल मीडिया ने आम आदमी को बहुत बड़ी ताकत दी है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म के जरिए लोग बिना किसी रोक-टोक अपनी बात तुरंत लाखों लोगों तक पहुंचाते हैं। लेकिन दुर्भाग्य से संगठित रूप से निगेटिव चीजों को प्रचारित करने का प्रयास हो रहा है। सोशल मीडिया ने कई देशों में सरकारों के खिलाफ जन-आंदोलनों को संगठित करने में अहम भूमिका निभाई है। अरब क्रांति, श्रीलंका और बांग्लादेश के हालिया उदाहरण इसके बड़े प्रमाण हैं, जहां डिजिटल प्लेटफॉर्म ने जनता को एकजुट किया। पिछले एक दशक में देश में विपक्ष और विभिन्न संगठनों द्वारा जितने भी आंदोलन हुए हैं, उनमें निगेटिव, फर्जी और भड़काऊ सामग्री प्रचारित-प्रसारित करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म का जमकर प्रयोग हुआ। हालिया कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन में सोशल मीडिया ने बड़ी भूमिका निभाई। सोशल मीडिया पर बनी एक पार्टी के रातोंरात करोड़ों फॉलोअर बन गए। इसके आंदोलन के दौरान सुनियोजित सोशल मीडिया कैंपेन चलाए गए। जनता के बीच अपनी पैठ बनाने के लिए सीजेपी ने उस वामपंथी सोशल मीडिया तंत्र की शरण ली है जो लंबे समय से राष्ट्रवादी आवाजों को दबाने के मिशन में जुटा है। भारत में सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर देश की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता को बिगाड़ने के प्रयास पिछले एक दशक से जारी हैं। फेक न्यूज, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जनित डीपफेक और सीमा पार से संचालित होने वाले फर्जी अकाउंट्स के जरिए सुनियोजित ढंग से भ्रम और तनाव पैदा किया जा रहा है। सीएए विरोध प्रदर्शन और किसान आंदोलन दोनों ही प्रमुख घटनाओं के दौरान सोशल मीडिया के दुरुपयोग के कई गंभीर मामले सामने आए थे। इन आंदोलनों के दौरान डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल न केवल सूचना साझा करने के लिए हुआ बल्कि इसके जरिए भारी मात्रा में भ्रामक जानकारियां, अफवाह और नफरत फैलाने वाले कंटेंट प्रसारित किए गए। ये खुला तथ्य है कि वामपंथी और लिबरल इकोसिस्टम ने इन प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर राष्ट्रवादी आवाजों को दबाने और अपनी सहूलियत का नैरेटिव गढ़ने का प्रयास किया, जिसके जवाब में भारत सरकार ने समय-समय पर राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के तहत कड़े कदम उठाए। सोशल मीडिया खासकर इंस्टाग्राम पर कॉक्रोच जनता पार्टी के प्रदर्शन और सोनम वांगचुक को उसके समर्थन के लिए जो ज्वार अचानक उठा था, अब उस विद्रूप और उच्छृंखल सुनामी लहरों का थमना शुरू हो गया है। इंस्टाग्राम पर उनके लिए समर्थन पूरी तरह से फर्जी और प्रायोजित था। इसके लिए तीन प्रोफेशनल एजेंसियों ने पैसे देकर वृहद स्तर पर प्रचार अभियान चलाया।

सूडोकु नवताल- 7872

★★★★☆ कठिन

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7871 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

युगद्रष्टा और उपन्यास सम्राटः आज के दौर में मुंशी प्रेमचंद की

वरुण कुमार

समाज का दर्पण होता है, लेकिन जब साहित्यकार स्वयं समाज की धड़कन बन जाए, तो वह कालजयी हो जाता है। हिंदी और उर्दू साहित्य के आकाश में 'उपन्यास सम्राट' के नाम से जगमगाने वाले मुंशी प्रेमचंद एक ऐसे ही विरल साहित्यकार थे। ३१ जुलाई १८८० को वाराणसी के लमही गाँव में जन्मे धनपत राय श्रीवास्तव, जो बाद में 'नवाब राय' और फिर 'प्रेमचंद' बने, ने भारतीय साहित्य को महलों के ऐश्वर्य और परियों की काल्पनिक दुनिया से निकालकर खेतों, खलिहानों और मटमैले आँचलों की कड़वी सच्चाई से जोड़ा। आज जब हम २१वीं सदी के तीसरे दशक में जी रहे हैं, तब यह सवाल बेहद मौजूं है कि क्या प्रेमचंद आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने वे अपनी रचनाओं के सृजनकाल में थे? इसका सीधा और स्पष्ट उत्तर है– हाँ। प्रेमचंद कल भी सच थे, आज भी सच हैं और आने वाले कल में भी सच रहेंगे। अभावों से तपकर कुंदन बना एक व्यक्तित्वप्रेमचंद का जीवन स्वयं किसी त्रासदी और संघर्ष के उपन्यास जैसा था। जब वे मात्र सात वर्ष के थे, तब उनकी माता आनंदी देवी का निधन हो गया। पिता अजायब लाल ने दूसरा विवाह किया, जिससे प्रेमचंद को बचपन में ही सौतेली माँ के उपेक्षापूर्ण व्यवहार का सामना करना पड़ा। अभी वे ठीक से संभल भी नहीं पाए थे कि १५ वर्ष की आयु में उनका विवाह कर दिया गया, जो पूरी तरह असफल रहा। इसके तुरंत बाद, जब वे १६ वर्ष के थे, उनके पिता का भी देहांत हो गया। इस कम उम्र में पूरे परिवार का बोझ उनके नन्हे कंधों पर आ गया। पाँच रुपये मासिक की ट्यूशन से अपनी आजीविका शुरू करने वाले प्रेमचंद ने मैट्रिक की परीक्षा पास की और बाद में शिक्षा विभाग में सब-डिप्टी इंस्पेक्टर ऑफ स्कूल्स के पद तक पहुँचे। लेकिन उनके भीतर एक संवेदनशील लेखक और सजग नागरिक सांस ले रहा था।

जब महात्मा गांधी ने देश में असहयोग आंदोलन का शंखनाद किया, तो गांधी जी के भाषण से प्रभावित होकर प्रेमचंद ने अपनी २० साल की सुरक्षित सरकारी नौकरी को एक झटके में त्याग दिया। यह उनके भीतर के उस राष्ट्रभक्त का उदय था, जिसने तय कर लिया था कि अब वे कलम के माध्यम से देश की आजादी और सामाजिक सुधार की लड़ाई लड़ेंगे।नवाब राय से प्रेमचंद बनने का ऐतिहासिक सफरशुरूआत में प्रेमचंद ने उर्दू में 'नवाब राय' के नाम से लिखना शुरू किया। वर्ष १९०८ में उनका पहला कहानी संग्रह 'सोजे-वतन' (देश का दर्द) प्रकाशित हुआ। इस संग्रह की कहानियों में देशभक्ति की ऐसी तीखी गूंज थी कि तत्कालीन ब्रिटिश हुक्मरान कांप उठे। हमीरपुर के अंग्रेज कलेक्टर ने नवाब राय को तलब किया और उन पर राजद्रोह का आरोप लगाते हुए 'सोजे-वतन' की सभी प्रतियों को जब्त कर सरेआम जलवा दिया। अंग्रेज सरकार ने उन पर बिना अनुमति लिखने पर पाबंदी लगा दी।लेखन जिसका जीवन हो, उसे भला कोई सरकारी फरमान कैसे रोक सकता था? उनके मित्र मुंशी दयानारायण निगम ने उन्हें एक नया नाम सुझाया–'प्रेमचंद'। इसके बाद धनपत राय हमेशा के लिए 'मुंशी प्रेमचंद' हो गए और हिंदी साहित्य को एक नया मसीहा मिल गया। मुंशी शब्द उनके नाम के साथ सम्मानवश जुड़ा, क्योंकि वे बाद में 'हंस' और 'जागरण' जैसे पत्र-पत्रिकाओं के संपादक भी रहे। शोषितों और वंचितों की आवाजप्रेमचंद ने लगभग एक दर्जन उपन्यास और ३०० से अधिक कहानियाँ लिखीं। उनकी कहानियाँ 'मानसरोवर' के आठ भागों में संकलित हैं। प्रेमचंद के लेखन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उन्होंने अपने पात्रों को राजा-महाराजाओं या तिलिस्मी ताकतों के बीच से नहीं चुना। उनके पात्र हमारे और आपके बीच के आम लोग थे–जैसे होरी, धनिया, गोबर, हामिद, घीसू, माधव, बूढ़ी काकी और सूरदास। जीवन का महाकाव्यवर्ष १९३६ में प्रकाशित 'गोदान' प्रेमचंद का अंतिम और सर्वश्रेष्ठ उपन्यास माना जाता है। यह केवल एक उपन्यास नहीं, बल्कि भारतीय किसान के जीवन की त्रासद महागाथा है। होरी, जो इस उपन्यास का केंद्रीय पात्र है, जीवनभर एक गाय की लालसा में जीता है। वह सामंती व्यवस्था, महाजनों (दातादीन, झिंगुरी सिंह) के कर्ज. और समाज के ठेकेदारों के शोषण के चक्रव्यूह में ऐसा फंसता है कि अंततः मजदूरी करते-करते लू लगने से उसकी मृत्यु हो जाती है। आज भी जब हम अखबारों में विदर्भ या देश के अन्य हिस्सों के किसानों की आत्महत्या की खबरें पढ़ते हैं, तो हमें लगता है कि 'गोदान' का होरी आज भी मरा नहीं है, वह आज भी हर रोज देश के किसी न किसी कोने में दम तोड़ रहा है। 'गबन' और मध्यमवर्गीय विडंबनाउपन्यास 'गबन' में प्रेमचंद ने मध्यमवर्गीय समाज की खोखली शान-शौकत, दिखावे की प्रवृत्ति और महिलाओं के आभूषण-प्रेम को केंद्र में रखा है। रमानाथ अपनी पत्नी जालपा के गहनों की चाहत को पूरा करने के लिए सरकारी पैसों का गबन कर बैठता है। यह उपन्यास आज के दौर के उस उपभोक्तावादी समाज पर सटीक चोट करता है, जहाँ लोग अपनी आय से अधिक खर्च करके और दिखावे के चक्कर में भ्रष्टाचार के दलदल में धंस जाते हैं। प्रहारदहेज प्रथा और अनमेल विवाह पर लिखा गया उपन्यास 'निर्मला' एक ऐसी युवा लड़की की कहानी है, जिसका विवाह उसकी उम्र से दुगुने अधेड़ उम्र के वकील तोताराम से कर दिया जाता है। इसके कारण न केवल निर्मला का जीवन नरक बन जाता है, बल्कि पूरे परिवार का विनाश हो जाता है। आज भले ही कानून कड़े हो गए हों, लेकिन समाज से दहेज का दानव और महिलाओं के प्रति संकीर्ण सोच पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है।

अमर कहानियाँ और बाल-मनोविज्ञानप्रेमचंद जितने बड़े उपन्यासकार थे, उतने ही बेजोड़ कहानीकार भी थे। उनकी प्रत्येक कहानी समाज के किसी न किसी अनछुए पहलू को उजागर करती है। चार-पाँच साल का अनाथ बच्चा हामिद, जिसके पास ईद के मेले में खर्च करने के लिए सिर्फ तीन पैसे हैं। जहाँ दूसरे बच्चे खिलौने और मिठाइयाँ खरीदते हैं, वहीं हामिद अपनी दादी अमीना के लिए एक चिमटा खरीदता है ताकि रोटी सेकते समय उसकी उंगलियाँ न जलें। यह कहानी दशार्ती है कि गरीबी किस तरह बचपन में ही बच्चे को उम्र से पहले समझदार और संवेदनशील बना देती है। घीसू और माधव नामक दो अकर्मण्य और अत्यंत गरीब पात्रों की यह कहानी मानवीय संवेदनाओं के पूरी तरह मर जाने का वीभत्स चित्र पेश करती है। वे माधव की पत्नी बुधिया की प्रसव पीड़ा से मौत के बाद उसके कफन के लिए चंदे में मिले पैसों से शराबखाने में जाकर पूड़ियाँ और शराब पीते हैं। यह कहानी समाज की उस चरम दरिद्रता और व्यवस्था पर सवाल उठाती है जो इंसान को पशु से भी बदतर बना देती है। मुंशी वंशीधर की यह कहानी आज के भ्रष्ट प्रशासनिक तंत्र के बीच ईमानदारी की प्रासंगिकता को रेखांकित करती है। पंडित अलोपीदीन धन के बल पर सबको खरीदने का दंभ रखता है, लेकिन वंशीधर अपने कर्तव्य पर अडिग रहता है। अंत में धन को धर्म के आगे झुकना ही पड़ता है। यह कहानी भारतीय किसान की उस बेबसी को दिखाती है, जहाँ हल्कू कड़कड़ाती ठंड में अपने खेत की रखवाली करता है, लेकिन ठंड के कारण वह उठ नहीं पाता और नीलगाएँ उसका पूरा खेत चर जाती हैं। इसके बावजूद वह खुश होता है कि अब उसे इस जानलेवा ठंड में रात को खेत में सोना तो नहीं पड़ेगा। साम्प्रदायिकता और राष्ट्रवादप्रेमचंद केवल कहानियाँ गढ़ने वाले लेखक नहीं थे, वे एक गंभीर विचारक और द्रष्टा थे। वर्ष १९३६ में लखनऊ में प्रगतिशील लेखक संघ के प्रथम अधिवेशन के अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने कहा था: "साहित्य केवल मनोरंजन की वस्तु नहीं है, वह राजनीति के आगे चलने वाली मशाल है।" प्रेमचंद साम्प्रदायिकता के धुर विरोधी थे। उन्होंने अपने लेख 'साम्प्रदायिकता और संस्कृति' में लिखा था कि साम्प्रदायिकता हमेशा संस्कृति का मुखौटा पहनकर आती है। जब हिंदू या मुस्लिम साम्प्रदायिकता सर उठाती है, तो वह वास्तव में कुछ निहित स्वार्थी तत्वों के आर्थिक और राजनीतिक लाभ के लिए होती है, जिसका आम जनता से कोई सरोकार नहीं होता। आज के दौर में जब सोशल मीडिया और मुख्यधारा की राजनीति में धर्म और जाति के नाम पर नफरत फैलाई जा रही है, प्रेमचंद के ये विचार किसी कड़वी दवाई की तरह हमें सचेत करते हैं। उन्होंने हमेशा हिंदू-मुस्लिम एकता की वकालत की।

प्रेमचंद की रचनाएं सदैव दबे कुचले वर्गों के संघर्ष करती रहेंगी

विजय केसरी

कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की रचनाएं सदैव दबे कुचले वर्गों के लोगों के लिए संघर्ष करती रहेंगी। उनकी कहानियों के पात्र आज भी बदलते सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य में उसी तरह संघर्ष रत हैं। सत्ता के शीर्ष पर बैठे हुकुमरानो से प्रेमचंद की कहानियों के पात्र उसी तरह सामाजिक बदलाव के लिए आंदोलन रत हैं। यह बड़ा सवाल है। इतना कुछ बदल जाने के बावजूद आज भी उनकी कहानियों के पात्र उसी तरह लाचार, बेबस और निसहाय क्यों हैं? हम सब विकास और आधुनिकता की जितनी भी बातें कर लें, लेकिन गांवों और कस्बों की सूरत अभी तक नहीं बदल पाई है। इन्हीं गांवों और कस्बों की सूरत को बदलने के लिए मुंशी प्रेमचंद लगातार अपने पात्रों के माध्यम से समाज को आईना और संघर्ष के लिए उठ खड़े होने की प्रेरणा देते रहे थे। इनकी कृतियां हर कालखंड में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करती रही थीं, रही हैं और रहेंगी। प्रेमचंद हिंदी साहित्य के एक ऐसे लेखक बनकर उभरे, जिन्होंने अपनी कलम और सोच की बदौलत प्रचलित कहानियों की धारा को ही बदल कर रख दी थी। उन्होंने, समकालीन व पूर्व के लेखकों को कहानी रचना कर्म की एक नई धारा से परिचित कराया था। उस कालखंड में यह बात प्रचलित थी कि हिंदी कहानियों में तिलस्म और ऐय्यारी का ही बोलबाला था। प्रेमचंद ने इस तिलस्म और ऐय्यारी को ध्वस्त कर रख दिया था।

समाज में नित क्या घटनाएं घट रही हैं? समाज किस ओर जा रहा है? समाज में रहने वाले लोगों की स्थिति क्या है? पुरुषों और स्त्रियों की दशा क्या है? उनका जीवन स्तर क्या है? वे किस तरह जीवन निर्वाह कर रहे हैं? समाज में बच्चों की स्थिति क्या है? लड़कियों और बहुओं की स्थिति क्या है? समाज में गरीबी और अमीरी की इतनी खाई क्यों है? समाज में परिवारों के बीच तालमेल कैसा है? लोगों का दांपत्य जीवन का कैसा है? मेहनतकश मजदूरों की स्थिति कैसी है? खून पसीना बहा कर खेती करने वाले कृषकों की स्थिति कैसी है? ये तमाम महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दे हमारी प्रचलित कहानियों से दूर थे।

प्रेमचंद ने कहानियों के महत्व को समझा और अपनी कहानियों के माध्यम से समाज में एक बड़ा परिवर्तन लाने का सार्थक प्रयास किया था। प्रेमचंद ने अपनी कहानियों के माध्यम से समाज के सच से लोगों को परिचित कराया। उनकी कहानियों का भारतीय जनमानस पर बहुत ही गहरा प्रभाव पड़ा। उन्होंने लगभग तीन सौ कहानियां और बारह उपन्यास लिखा। इन कहानियों और उपन्यासों को पढ़ने से प्रतीत होता है कि उनकी तमाम कृतियां समाजिक यथार्थ से जुड़ी हुई हैं। उनकी कृतियां सामाजिक मुद्दे पर समाज में एक नई चेतना लाना चाहती हैं। उनकी कृतियां समाज में एक नई बहस कराना चाहती हैं, जिसका उद्देश्य सिर्फ सामाजिक परिवर्तन है।

उनकी कहानियां समाज के दर्पण के रूप में भी जाना जाता है। उनके ही जीवन काल में जब उनकी कहानियां पत्रिकाओं में छप कर आती थीं, देखते ही देखते पाठकों के बीच लोकप्रिय हो जाया करती थी। उनकी कहानियां समाज में एक नई चेतना विकसित करने का काम किया है। समाज में जागृति लाने का काम किया है। प्रेमचंद जिस कालखंड में अपनी कहानियों को दर्ज कर रहे थे। गुलामी का दौर था। देश के स्वाधीनता सेनानी, देश को गुलामी से मुक्त कराने के लिए आंदोलनरत थे। तब भला प्रेमचंद इस आंदोलन से कैसे अलग रह सकते थे? उन्होंने 1921 में महात्मा गांधी के आह्वान पर सरकारी इंस्पेक्टर पद की नौकरी से त्यागपत्र दे दिया और आजीवन स्वतंत्र रूप से लेखन करने का संकल्प लिया था। वे इस संकल्प के साथ पूर्णरूपेण लेखन से जुड़े रहे थे। फिर उन्होंने कभी भी सरकारी नौकरी की ओर मुख नहीं किया था। यह बात लिखने के पीछे उद्देश्य है कि उन्होंने अपनी कहानियों में जिन मूल्यों और सिद्धांतों को प्रस्तुत किया था। वे आजीवन उन्हीं मूल्यों और सिद्धांतों पर चलते भी रहे थे।

वे एक कहानीकार के साथ एक संवेदनशील इंसान भी थी। उनमें अन्य लोगों की अपेक्षा संवेदना ज्यादा थी । यह संवेदना उनकी कहानियों में दिखती है। उनकी एक लोकप्रिय कहानी 'कफन' है,जो तत्कालीन समय, समाज और देश की आर्थिक दशा को प्रस्तुत करती है। गरीबी और भूख क्या होती है? इस बात को भी प्रस्तुत करती है। जब आदमी भूखा होता है, तब उसकी मानसिक अवस्था कैसी हो जाती है? भूख आदमी को कितना नृशंस बना देती है? इसकी भी तस्वीर कफन कहानी में उभर कर सामने आती है । इसके साथ ही मनुष्य जब मनुष्यता का त्याग कर देता है, तब वही मनुष्य, राक्षस के रूप में कैसे तब्दील हो जाता है। एक मनुष्य को दूसरे लाचार मनुष्य की पीड़ा भी सुनाई नहीं पड़ती है। कफन कहानी में प्रसव पीड़ा से कराह रही एक स्त्री की पीड़ा भी मनुष्य सुनाई नहीं पड़ती है। मनुष्य इतना नृशंस कैसे हो सकता है? प्रसव पीड़ा से कराह रही एक स्त्री की पीड़ा तक उसे सुनाई नहीं देती है। क्या हमारे समाज का सच यही है? सुबह, प्रसव पीड़ा से कराह रही स्त्री के मरणोपरांत, उसके दाह संस्कार के लिए मिले कुछ पैसे को, वे दोनों मनुष्य कैसे दुरुपयोग करते हैं। प्रेमचंद ने इस नृशंसता की तस्वीर बहुत ही जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कफन कहानी के माध्यम से लेखक ने समाज के बदलते स्वरूप पर प्रहार किया। मनुष्य जब अपनी मनुष्यता छोड़ देता है, तब उसका रूप कितना नृशंस हो जाता है। इस कहानी को पढ़ने वाले किसी भी संवेदनशील पाठक की आंखें नम हो जाती हैं।

प्रेमचंद के जमाने में गरीबी, बेरोजगारी और भुखमरी अपनी पराकाष्ठा पर थी। आम आदमी का जीवन स्तर बहुत ही निम्न कोटि का बन चुका था। वहीं शासक और? जमींदार वर्ग बहुत ही शानदार जीवन जी रहे थे । उन्होंने समाज के इस दोहरे जीवन पर जमकर प्रहार किया है। एक ओर गरीबी, भुखमरी और लाचारी है, तो दूसरी ओर बड़े-बड़े आलीशान भवनों में रात में पार्टियां चल रही थीं।

प्रेमचंद ने अपने आप को कभी भी यह नहीं कहा कि मैं कलम का बादशाह हूं, कलम का जादूगर हूं बल्कि उन्होंने यह दर्ज किया कि मैं कलम का एक सिपाही हूं। अर्थात वे कलम के माध्यम से समाज की चौकीदारी करते हुए नजर आते हैं। आज भी उनकी कहानियां समाज में घटित हो रही घटनाओं की ही चौकीदारी करती नजर आती हैं। उन्होंने स्वयं को कलम का एक मजदूर कहा। इस कथन के पीछे एक बहुत बड़ी बात छुपी हुई है। एक मजदूर जो अपने खून पसीने बहाकर एक इमारत को रूप आकार प्रदान करता है। उस मजदूर का वास्तविक जीवन कैसा होता है? यह भी विचार करने की जरूरत है। मजदूरों के जीवन पर उन्होंने बहुत कुछ लिखा है। उन्होंने मजदूरों के खून पसीने पर समाज का ध्यान आकृष्ट किया है।

उन्होंने समाज में व्याप्त जात पात पर जोरदार प्रहार किया है। 'सवा सेर गेहूं' कहानी के माध्यम से उन्होंने ब्राह्मणवाद व्यवस्था पर जबरदस्त प्रहार किया है ?। प्रेमचंद का मानना है कि समाज में रहने वाले हर जाति, धर्म ,वर्ग और वर्ण के लोग एक हैं। सबों को ईश्वर ने बनाया है । तब जाति , धर्म, वर्ग ,वर्ण के नाम पर अलग-अलग क्यों हैं? जात पात के नाम पर कितनी नृशंसता बढ़ती हैं? किस तरह दलितों, वंचितों को समाज में दबाकर रखा जाता है। सवा सेर गेहूं के माध्यम से कहानीकार प्रेमचंद ने एक हरिजन की पीड़ा और बेबसी को पाठकों के बीच रखा है। उन्होंने अपनी कहानियों के माध्यम से एक नव जागृति लाने का काम किया है। उन्होंने समाज के सभी वर्ग के लोगों को मिलजुल कर रहने का संदेश दिया है। 'नमक का दरोगा' 'दो बैलों की कथा' 'पंच परमेश्वर' आदि कहानियां समाज के उसी यथार्थ पर बुनी गई हैं। बस जरूरत है, उसे समझने की।

भारत की असली जेन जी : 38 करोड़ सपनों की वह पीढ़ी, जो विकसित भारत का भविष्य लिख रही

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

आज के दौर में यदि किसी देश की सबसे बड़ी ताकत का प्रश्न पूछा जाए तो उत्तर न तो उसके प्राकृतिक संसाधन होंगे और न ही उसकी सैन्य शक्ति। किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसके युवा होते हैं। भारत इस दृष्टि से विश्व का सबसे सौभाग्यशाली देश है। लगभग 38 करोड़ युवाओं वाली भारतीय जेनजी (त्र्ील्ली१ं३ङ्गल्ल) वह जीवंत ऊर्जा है जो आने वाले भारत की दिशा और दशा दोनों तय करेगी, किंतु इन सभी जेनजी के बीच कभी-कभी कुछ सौ या कुछ हजार युवाओं की नकारात्मक गतिविधियां पूरे युवा समाज को बदनाम कर देती हैं।

वस्तुतः सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले कुछ दृश्य यह भ्रम पैदा कर देते हैं कि पूरी पीढ़ी दिशाहीन हो गई है, जबकि वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। भारत की असली जेनजी वह है जो सीमाओं पर देश की रक्षा कर रही है, प्रयोगशालाओं में नई तकनीक विकसित कर रही है, खेल मैदानों में तिरंगा लहरा रही है, स्टार्टअप के माध्यम से रोजगार सृजित कर रही है, गांवों में नवाचार कर रही है और समाज सेवा से लेकर पर्यावरण संरक्षण तक हर क्षेत्र में देश का भविष्य गढ़ रही है। यदि हम आज विकसित भारत-2047 के सपने को साकार करने की बात करें तो यही युवा शक्ति उसका आधार बनेगी।

यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बार-बार युवाओं को ₹अमृत पीढ़ी₹ कहकर संबोधित करते हैं। उनका विश्वास है कि विकसित भारत का संकल्प सरकारी योजनाओं के साथ इन सभी करोड़ों युवाओं की प्रतिभा, परिश्रम और नवाचार से पूरा होगा। ऐसे में कुछ प्रतियोगी परीक्षाओं या आंदोलनों के दौरान सामने आए अनुशासनहीन दृश्यों को देखकर पूरी जेनजी को कटघरे में खड़ा करना वास्तव में उन करोड़ों युवाओं के साथ अन्याय है जोकि प्रतिदिन राष्ट्रनिर्माण में लगे हुए हैं। यदि 38 करोड़ युवाओं में से कुछ हजार गलत दिशा में चले जाते हैं, तो उससे पूरी पीढ़ी का चरित्र निर्धारित नहीं किया जा सकता। समाज की परिपक्वता इसी में है कि वह विकृतियों का उपचार करे।

यदि भारत की जेनजी का वास्तविक चेहरा देखना हो तो सोशल मीडिया से बाहर निकलकर देश की सीमाओं की ओर देखना चाहिए। अग्निपथ योजना के माध्यम से हर वर्ष हजारों युवा भारतीय सेना में भर्ती होकर राष्ट्ररक्षा का दायित्व संभाल रहे हैं। भारतीय सेना, नौसेना, वायुसेना, केंद्रीय अर्धसैनिक बलों और राज्य पुलिस में लाखों युवा दिन-रात देश की सुरक्षा में लगे हैं।

भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों के पीछे भी आज यही युवा शक्ति खड़ी है। देश में करोड़ों विद्यार्थी विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। लाखों युवा शोधकर्ता कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, अंतरिक्ष विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, रक्षा अनुसंधान और चिकित्सा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। विश्व का सबसे हल्का उपग्रह 'कलामसैट' विकसित करने वाले रिफत शारूक हों, मातृ स्वास्थ्य के लिए अभिनव उपकरण तैयार करने वाले युवा शोधकर्ता हों, पार्किंसंस रोगियों के लिए नई तकनीक विकसित करने वाली वैज्ञानिक हों या फिर 'द अर्थ प्राइज' जैसे वैश्विक मंचों पर भारत का नाम रोशन करने वाले किशोर वैज्ञानिक; ये सभी इस बात के प्रमाण हैं कि भारतीय युवा भविष्य की तकनीक के निमार्ता बन रहे हैं।

खेल जगत में भारत की नई पहचान भी इसी पीढ़ी ने गढ़ी है। कभी क्रिकेट तक सीमित समझे जाने वाले भारत ने अब एथलेटिक्स, शतरंज, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, निशानेबाजी, तीरंदाजी, कुश्ती और हॉकी जैसे खेलों में विश्व स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में चल रहे राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के लिए मीराबाई चानू दिलीप गावित, ऋषिकांता सिंह चानंबम, मुरली श्रीशंकर मोहम्मद बासिल, झंडू कुमार राजा मुथु पांडे स्वर्ण से लेकर अन्य पदक जीत चुके हैं। अन्य खिलाड़ी भी पदक जीतने के लिए तैयार हैं। नीरज चोपड़ा, मनु भाकर, डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानानंद, अमन सहरावत, शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और अनेक युवा खिलाड़ियों ने यह सिद्ध किया है कि भारतीय युवा विश्व विजेता बनने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था की नई कहानी भी युवाओं के हाथों लिखी जा रही है। आज भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फिनटेक, एग्रीटेक, हेल्थटेक, डीप टेक और क्विक कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में हजारों युवा उद्यमी नई कंपनियां स्थापित कर रहे हैं। आदित पालिचा, कैवल्य वोहरा, शाश्वत नाकराणी और अनेक युवा उद्यमियों ने यह साबित किया है कि आज का भारतीय युवा नौकरी खोजने के स्थान पर रोजगार सृजित करने वाला बन चुका है। यही परिवर्तन आत्मनिर्भर भारत की सबसे बड़ी शक्ति है।

देश की इस नई पीढ़ी को हम तकनीक और उद्योग के साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर, नेहरू युवा केंद्र और विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों से जुड़कर सेवा कार्य करते हुए भी देख सकते हैं। लाखों युवा शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्तदान, आपदा राहत, महिला सशक्तीकरण और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में निस्वार्थ भाव से कार्य कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी भारत की युवा पीढ़ी उल्लेखनीय भूमिका निभा रही है। जल संरक्षण, वृक्षारोपण, प्लास्टिक मुक्त अभियान, जैव विविधता संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने वाले हजारों युवा आज सामाजिक परिवर्तन के वाहक बने हुए हैं।

दैनिक पंचांग

31 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.48 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कन्या	09.00 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	11.11 बजे से
बुध	मिथुन में	वृश्चिक	13.25 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	15.41 बजे से
शुक्र	सिंह में	मकर	17.46 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.33 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.06 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.36 बजे से
		वृष	00.16 बजे से
		मिथुन	02.14 बजे से
		कर्क	04.28 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2026 वर्ष का 212 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि द्वितीया 22.32 बजे को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 19.27 बजे को समाप्त।
योग सौभाग्य 23.54 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 10.05 बजे तदनन्तर गर 22.32 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 16.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18° 19'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872787
जूलियन दिन 2461252.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448 **महीना** सफर
तारीख 16 **विशेष** मुंशी प्रेमचंद जयंती, उधमसिंह शहीद दिवस, मोहम्मद रफी पुण्यतिथि।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

अज्ञात व्यक्ति के द्वारा गर्म पानी शरीर पर फेकने से झुलसे उमाकांत, इलाज के दौरान मौत

साहिबगंज: जिले के मिजाचौकी थाना क्षेत्र के उत्तरी महादेवरण गांव निवासी उमाकांत मिश्रा की इलाज के दौरान भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (मायागंज) में मौत हो गई। चिकित्सकों के अनुसार उनका शरीर करीब 90 प्रतिशत तक झुलस चुका था, जिसके कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका। जानकारी के अनुसार गत गुरुवार को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उन पर गर्म पानी फेंक दिया गया था, जिससे वे गंभीर रूप से जल गए थे। घटना के बाद परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था। परिजनों ने बताया कि उमाकांत मिश्रा मानसिक रूप से अस्वस्थ थे, इसलिए वे घटना के संबंध में स्पष्ट रूप से यह नहीं बता सके कि उन पर गर्म पानी किसने फेंका। घटना की सूचना परिजनों ने मिजाचौकी थाना पुलिस को दी थी। मामले को लेकर मिजाचौकी पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक जानकारी जुटाने में लगी हुई है। इधर, पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद परिजनों ने भागलपुर के बरारी गंगा घाट पर उनका अंतिम संस्कार कर दिया। घटना से गांव में शोक का माहौल है। उमाकांत मिश्रा के निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

गलती से जहरीले पदार्थ खाने से युवती मूर्छित

साहिबगंज: जिले के राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत मंगलहाट, ढेरगामा गांव में गुरुवार को गलती से एक 17 वर्षीय युवती ने घर पर रखा जहरीली पदार्थ खा लेने से मुर्छित हो गया। परिजनों ने बताया कि दवा समझ कर गलती से खा ली थी। हालांकि परिजनों को तुरंत पता चलते ही आनन-फानन में इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां ड्यूटी में मौजूद डॉक्टर कुमार सौरभ के द्वारा इलाज किया जा रहा था। मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस को दे दी गई थी।

दिशोम गुरु की प्रतिमा अनावरण की तैयारियों को ले झामुमो की बैठक

पाकुड़ : जिले में झारखंड मुक्ति मोर्चा पाकुड़ प्रखंड समिति की बैठक गुरुवार को धनुषपूजा स्थित पार्टी कार्यालय में प्रखंड अध्यक्ष मुस्लेउद्दीन शेख की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 4 अगस्त को पुराना डीसी चौक पर होने वाले दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष अजीजुल इस्लाम ने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया।

शिवगादी स्थित बाबा गाजेश्वरनाथ धाम में श्रावणी मेला का विधिवत उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : श्रावण माह के प्रथम दिन गुरुवार को बरहेट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत शिवगादी स्थित बाबा गाजेश्वरनाथ धाम में श्रावणी मेला का डीसी दीपक कुमार दुबे, एसपी अमित कुमार सिंह, एसडीओ सदर अमर जॉन आइंद, झामुमो केंद्रीय सचिव पंकज मिश्रा, सांसद प्रतिनिधि संजीव सामू हेंब्रम सहित अन्य ने वैदिक मंत्रोचारण के साथ पूजन करके नारियल फोड़कर फीता काटकर मेला का उद्घाटन किया। वही डीसी दीपक दुबे ने श्रावण माह का बधाई देते हुए कहा कि हर सोमवार व नागपंचमी के दिन आस पास ओर अन्य प्रदेशों से श्रद्धालु आते है। कावरिया ओर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा जिला प्रशासन देगी। पूजन व जलार्पण बेहतर से हो। मोतीझारना स्थित मोतीनाथ धाम ओर शिवगादी धाम में सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधा बेहतर है। स्वास्थ्य मोबाइल यूनिट की स्थापना कावरिया पथ में की गई है। रविवार ओर सोमवार को पुलिस बल व मजिस्ट्रेड की तैनाती रहेगी। श्रवण माह में एक महीना बेहतर तरीके से ड्यूटी करे, लापरवाही बरतने वाले कर्मी के ऊपर कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्पेशल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा, बरहेट बाजार से शिवगादी तक ओर बहरवा से शिवगादी तक स्पेशल मोबाइल यूनिट का अलग से व्यवस्था की गई है। वही एसपी अमित कुमार सिंह ने भी श्रावण मास का बधाई देते हुए कहा कि इस बार व्यवस्था बेहतर है, महिला पुरुष पुलिस बल की तैनाती की गई है। श्रद्धालु को कोई तकलीफ न हो, कतारबद्ध होकर दर्शन पूजन करे। नया 15 वाहन ओर 100 बाइक से पुलिस पेट्रोलिंग करेगी, मेला तक 15 वाहन मेला क्षेत्र में पेट्रोलिंग करेगी। मोतीझरना मोनिनाथधाम में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहेगी।

जल्द ही हेलीपैड ओर रोपवे बनेगा, देश विदेश के श्रद्धालुओं कर सकेंगे दर्शन पूजन

झामुमो केंद्रीय सचिव पंकज मिश्रा ने श्रावणी मेला ओर श्रावण माह का बधाई देते हुए कहा कि शिवगादी धाम राजमहल ओर सदर अनुमंडल ओर तालझारी व बरहेट प्रखंड क्षेत्र में विभाजित है। भोलेबाबा राजमहल अनुमंडल क्षेत्र में है, तालझारी प्रखंड क्षेत्र में पड़ता है। पहाड़ के ऊपर से सालों भर भोले बाबा पर पानी गिरते रहता है, यहां का विकास यहां के विधायक सह सीएम हेमंत सोरेन कर रहे है। झारखंड के देवघर के बाद दूसरा श्रावणी मेला यहां लगता है। क्षेत्र का विकास हो रहा है, सूबे के मुखिया ने मंदिर परिसर से बरहेट चौक तक सोलर लाइट लगाकर चकाचक कर दिया है। इसी साल रोपवे लगाने का अनुशंसा हो जाएगा। एक हेलीपैड भी यहां बनेगा। शिवगादी धाम के विकास में यहां के ग्रामीण लोग सहयोग करे, दूर दराज से श्रद्धालु हेलीकॉप्टर से आकर दर्शन कर सकेंगे। सावन के बाद ग्रामीणों के साथ अधिकारी बैठक करके हेलीपैड बनवाए। मेला में पहले से बेहतर व्यवस्था है। श्रद्धालुओं को ठहरने का व्यवस्था भी बेहतर है। बरहेट शिवगदी रास्ते में चलंत शौचालय की व्यवस्था होगी, मेडिकल डॉक्टर की दो तीन टीम रहे।

ओवरहेड बिजली लाइन की चपेट में आने से हाइवा में लगी आग, चालक सुरक्षित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

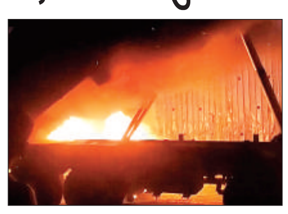

साहिबगंज : जिले के पतना प्रखंड स्थित विंध्यवासिनी मंदिर के पीछे गिट्टी प्लॉट मे एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। गिट्टी खाली करने के दौरान एक हाईवा वाहन का डंपर ऊपर से गुजर रही ओवरहेड बिजली लाइन की चपेट में आ गया, जिससे वाहन में अचानक आग लग गई। हालांकि स्थानीय लोगों की सूझबूझ और त्वरित प्रयास से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हाईवा चालक गिट्टी खाली करने के लिए डंपर को ऊपर उठा रहा था। इसी दौरान डंपर का ऊपरी हिस्सा ओवरहेड विद्युत लाइन के संपर्क में आ गया। बिजली लाइन के संपर्क में आते ही तेज चिंगारी निकली और देखते ही देखते वाहन के ऊपरी हिस्से में आग लग गई। आग की लपटें उठते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने बिना समय गंवाए पानी एवं उपलब्ध संसाधनों की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। लोगों की तत्परता के कारण आग कुछ ही देर में नियंत्रित कर ली गई। यदि आग समय पर नहीं बुझाई जाती तो आसपास खड़े अन्य वाहनों और गिट्टी प्लॉट में मौजूद लोगों के लिए भी बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता था। राहत की बात यह रही कि हाईवा चालक पूरी तरह सुरक्षित है और इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और राहगीर जमा हो गए। कुछ देर तक क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

साहिबगंज में 1.27 लाख से अधिक संदिग्ध मतदाता चिह्नित, 5 अगस्त को जारी होगी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का प्रथम चरण पूरा कर लिया गया। बीएलओ द्वारा वितरित किए गए गणना प्रपत्रों को एकत्र कर उन्हें वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया। साहिबगंज जिले में करीब एक लाख 27 हजार 851 मतदाता संदिग्ध मिले हैं। संदिग्ध मतदाताओं में मृत, शिफ्ट, डुप्लीकेट, अबसेंट तथा गणना प्रपत्र न लेने वाले मतदाता शामिल हैं। इसमें सबसे अधिक बोरियो में हैं। अब पांच अगस्त को ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद जिन लोगों का नाम मतदाता सूची में नहीं होगा वह दावा आपत्ति कर सकेंगे। निर्धारित दस्तावेज देने पर उनका नाम पुनः मतदाता सूची में जोड़ दिया जाएगा। बोरियो विधान सभा क्षेत्र में 53 हजार 565 संदिग्ध मतदाता मिले हैं। इनमें 10859 की मौत हो चुकी है। 20155 अबसेंट मिले। 16537 शिफ्ट हो गए। 71 ने गणना प्रपत्र नहीं लिया जबकि 5943 दूसरी जगह के मतदाता हैं। इस विधानसभा क्षेत्र में कुल 81.32 प्रतिशत मतदाताओं के गणना प्रपत्र डिजिटाइज हो चुके हैं। 18.68 प्रतिशत शेष रह गए हैं। उधर, राजमहल विधानसभा क्षेत्र में 39 हजार 809 एवं बरहेट विधानसभा क्षेत्र में 34 हजार 477 मतदाता संदिग्ध मिले हैं। पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र में आने वाले बरहरवा में 8152 मतदाता संदिग्ध मिले हैं। राजमहल के 8659 मतदाताओं की मौत हो चुकी है। 12768 अबसेंट मिले। 14240 शिफ्ट हो चुके हैं। 3877 मतदाताओं का नाम दो जगह है। 265 ने गणना प्रपत्र नहीं लिया। इसी तरह बरहेट में 8868 मतदाताओं की मौत हो चुकी है। 7049 अबसेंट मिले। 13982 शिफ्ट हो चुके हैं। 4384 का नाम दो जगह है। 194 ने गणना प्रपत्र नहीं लिया।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रतिमा का 4 अगस्त को होगा अनावरण, विधायक ने किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक एवं पद्म भूषण से सम्मानित दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रस्तावित आदमकद प्रतिमा के निर्माण कार्य का गुरुवार को लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू ने निरीक्षण किया। पुराना डीसी चौक पर निमार्णाधीन प्रतिमा स्थल का जायजा लेते हुए उन्होंने कार्य की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित लोगों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विधायक हेमलाल मुर्मू ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने झारखंड और यहां के लोगों के हक, अधिकार एवं पहचान के लिए अपना पूरा जीवन संघर्ष में समर्पित कर दिया। उनके योगदान को राज्यवासी कभी नहीं भूल सकते। उन्होंने बताया कि पुराना डीसी चौक पर शिबू सोरेन की करीब 14 फीट ऊंची आदमकद प्रतिमा स्थापित की जा रही है, जिसकी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। उन्होंने जानकारी दी कि 4 अगस्त को दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया जाएगा। इसे लेकर निर्माण कार्य तेजी से कराया जा रहा है ताकि निर्धारित समय पर कार्यक्रम संपन्न हो सके। विधायक ने कहा कि यह प्रतिमा केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को झारखंड आंदोलन के इतिहास, संघर्ष और दिशोम गुरु के योगदान की याद दिलाने का प्रतीक बनेगी। निरीक्षण के दौरान सांसद प्रतिनिधि सह झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य श्याम यादव, केंद्रीय समिति सदस्य मिथिलेश घोष, नगर अध्यक्ष मुकेश सिंह, अमड़ापाड़ा प्रखंड सचिव जहीरुद्दीन मियां, लिट्टीपाड़ा प्रखंड उपाध्यक्ष रंजन साहा सहित कई पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 420 ग्राम गांजा बरामद; एक गिरफ्तार, दूसरा फरार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में नशे के कारोबार पर लगातार कार्रवाई कर रही पाकुड़ पुलिस को एक और सफलता मिली है। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के तिलभिट्टा मार्केट स्थित दो दुकानों में छापेमारी कर पुलिस ने 420 ग्राम गांजा बरामद किया है। कार्रवाई के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया, जबकि दूसरे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह को 29 जुलाई को सूचना मिली थी कि तिलभिट्टा मार्केट के समीप एक गली में स्थित अफसर शेख और गुलाब शेख की दुकानों से अवैध रूप से गांजा और ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना मिलते ही एसपी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। दंडाधिकारी की मौजूदगी में गठित टीम ने दोनों दुकानों पर छापेमारी की। पुलिस को देखते ही आसपास मौजूद लोग भागने लगे। इस दौरान अफसर शेख को मौके से पकड़ लिया गया। विधिवत तलाशी लेने पर उसकी दुकान से 107 ग्राम गांजा, गांजा काटने में प्रयुक्त एक कैंची और एक लोहे की कटनी बरामद हुई। पूछताछ में अफसर शेख की निशानदेही पर पुलिस ने पास स्थित गुलाब शेख की दुकान की तलाशी ली, जहां से 313 ग्राम गांजा, एक कैंची एवं एक लोहे की कटनी बरामद की गई। इस तरह दोनों दुकानों से कुल 420 ग्राम गांजा, दो कैंची और दो लोहे की कटनी जब्त की गई।

संक्षिप्त खबरें

उर्वरक दुकान का औचक निरीक्षण, कालाबाजारी व जमाखोरी पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

साहिबगंज: जिले के बरहरवा प्रखंड में किसानों को निर्धारित दर पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने और कालाबाजारी पर रोक लगाने के उद्देश्य से संयुक्त कृषि निदेशक, संथाल परगना, दुमका सत्यप्रकाश एवं जिला कृषि पदाधिकारी, साहिबगंज प्रमोद एक्का ने संयुक्त रूप से मैसर्स भगत फर्टिलाइजर दुकान का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने दुकान में उपलब्ध उर्वरकों के भंडार, स्टॉक रजिस्टर तथा उपलब्धता की जांच की। इस दौरान दुकानदार को सरकार द्वारा निर्धारित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर ही किसानों को उर्वरक बेचने का सख्त निर्देश दिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री या किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने आने पर संबंधित उर्वरक विक्रेता के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी एवं डायवर्जन पर भी कड़ी चेतावनी दी गई। अधिकारियों ने निर्देश दिया कि उर्वरकों की बिक्री केवल कृषि कार्य के लिए ही की जाए तथा गैर-कृषि उपयोग के लिए किसी भी स्थिति में उर्वरक की बिक्री नहीं की जाए। इस मौके पर जांच दल में प्रखंड कृषि पदाधिकारी बरहरवा, प्रखंड कृषि पदाधिकारी पतना सहित जिला कृषि विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मी भी मौजूद रहे। कृषि विभाग ने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए जिले में उर्वरक दुकानों का औचक निरीक्षण आगे भी लगातार जारी रहेगा।

आजसू पार्टी युवा मोर्चा का मिलन समारोह में दर्जनों युवक ने सदस्यता ग्रहण किया

साहिबगंज: आजसू पार्टी युवा मोर्चा का मिलन समारोह मंडरो श्रीरामचौकी में आयोजित किया गया। मिलन समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा आजसू के जिला अध्यक्ष अंकेश कुमार यादव ने किया, समारोह का संचालन जिला उपाध्यक्ष मणिकांत मिश्रा ने किया, समारोह में युवा मोर्चा के सैंकड़ो युवाओं ने आजसू की नीति सिद्धांत को मानते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया समारोह में शामिल होकर सभी सदस्यों को आजसू युवा सम्मेलन जो दिनांक 7 एवं 8 अगस्त 2026 को जमशेदपुर में आयोजित किया गया है, शामिल होने का निर्णय भी सर्व समिति से लिया गया। मिलन समारोह में मुख्य रूप से पार्टी के जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडे, विकास कुमार शाह, गोविंद पासवान, राजेश राय, एवं नवनियुक्त आजसू युवा मोर्चा के सदस्य गण अजीत कुमार यादव, चंदन कुमार दास, किशोर कुमार मंडल, विनय कुमार मंडल, मिथुन कुमार राय, राजेश कुमार राय, बृजेश कुमार दास, छोटेलाल हसदा, दीपक हसदा, किशोर कुमार मंडल, जय महतो, पीयूष सिंह, संतोष सिंह, लाल बिहारी यादव, मोहम्मद, जावेद मोहम्मद शाहरुख, आदि युवा कार्यकर्ता आजसू पार्टी में शामिल हुए।

322 छात्र-छात्राओं के बीच नि:शुल्क साइकिलों का हुआ वितरण

अमड़ापाड़ा : पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड के मॉडल विद्यालय परिसर में गुरुवार को झारखंड सरकार की नि:शुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत छात्र-छात्राओं के बीच साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता ने लाभुक विद्यार्थियों को साइकिल प्रदान कर उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने तथा साइकिल का सुरक्षित उपयोग करने की सलाह दी। बीडीओ ने कहा कि सरकार की यह योजना दूरदराज के गांवों से आने वाले विद्यार्थियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। साइकिल मिलने से विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी, जिससे उनकी उपस्थिति बढ़ेगी और पढ़ाई भी प्रभावित नहीं होगी। प्रखंड में कुल 680 साइकिलों की मांग भेजी गई थी, जिसके विरुद्ध अब तक 462 साइकिलें प्राप्त हुई हैं। इनमें से गुरुवार को 166 छात्राओं एवं 156 छात्रों, कुल 322 विद्यार्थियों के बीच नि:शुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। शेष प्राप्त साइकिलों का वितरण भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान लाभुक विद्यालय एवं प्रखंड संसाधन केंद्र के शिक्षक एवं कर्मी मौजूद रहे।

मानव तस्करी के खिलाफ जागरूक हुए 200 छात्र-छात्राएं, सुरक्षित बचपन का लिया संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अमड़ापाड़ा : पाकुड़ जिले में विश्व मानव तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर गुरुवार को झारखंड विकास परिषद (खश्ढ) की ओर से "सुरक्षित बचपन के लिए दामिन" परियोजना के तहत अमड़ापाड़ा प्रखण्ड के डुमरचीर +2 हाई स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को मानव तस्करी के बढ़ते खतरे, उसके कारणों और बचाव के उपायों की जानकारी देकर उन्हें जागरूक एवं सतर्क बनाना था। कार्यक्रम में विद्यालय के करीब 200 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मानव तस्करी के खिलाफ जागरूक रहने तथा दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुई। विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने अतिथियों का स्वागत करते हुए ऐसे जागरूकता अभियानों को समय की आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों को सही समय पर सही जानकारी मिलना ही उन्हें अपराधियों के जाल में फंसने से बचा सकता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परियोजना समन्वयक मनोरंजन सिंह ने विश्व मानव तस्करी विरोधी दिवस के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हर वर्ष 30 जुलाई को पूरी दुनिया में मानव तस्करी के खिलाफ लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से यह दिवस मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी और जागरूकता की कमी का फायदा उठाकर तस्कर बच्चों और महिलाओं को नौकरी, शिक्षा, शादी अथवा बेहतर जीवन का झांसा देकर अपने जाल में फंसा लेते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि किसी भी अनजान व्यक्ति के बहकावे में न आएं तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 या स्थानीय पुलिस को दें। विद्यालय के शिक्षक हेमंत कुमार ने मानव तस्करी की रोकथाम पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि अपराधी अक्सर गांवों में जाकर लोगों को बड़े शहरों में रोजगार और अधिक कमाई का लालच देते हैं। ऐसे मामलों में परिवार और समुदाय की सतर्कता बेहद जरूरी है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों के बाहर जाने से पहले पूरी जानकारी रखें तथा उनकी गतिविधियों पर नजर बनाए रखें। उन्होंने कहा कि जागरूकता और सतर्कता ही इस अपराध के खिलाफ सबसे प्रभावी हथियार है। वहीं शिक्षक संदीप महतो ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षित समाज ही मानव तस्करी जैसी सामाजिक बुराई को जड़ से समाप्त कर सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित रूप से विद्यालय आने, अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और किसी भी प्रकार के लालच में न आने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षा बच्चों को आत्मनिर्भर और जागरूक बनाती है, जिससे वे गलत रास्तों पर जाने से बचते हैं। कार्यक्रम की सबसे प्रभावशाली कड़ी सामुदायिक कार्यकर्ता लक्ष्मी हेंब्रम का संबोधन रहा। उन्होंने गांवों में मानव तस्करी के वास्तविक स्वरूप और तस्करों के तौर-तरीकों की जानकारी साझा की।

बिना त्रिपाल ढके कोयला ढुलाई पड़ी भारी, 16 डंपरों पर जुर्माना

▶ अचानक हुई कार्रवाई से ट्रांसपोर्टरों में हड़कंप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अमड़ापाड़ा : पाकुड़ जिले में कोयला परिवहन में सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले वाहनों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। परिवहन विभाग के निर्देश पर गुरुवार को अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र के पीपीएल मोड़ पर विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान कोयला लोड कर बिना त्रिपाल ढके परिवहन कर रहे 16 डंपर एवं ट्रेलरों को रोककर जांच की गई। सभी वाहनों पर जुमार्ना लगाया गया और भविष्य में नियमों का पालन करने की कड़ी चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) के निर्देश पर चलाए गए अभियान में अमड़ापाड़ा थाना प्रभारी अनूप रोशन भेंगरा के निर्देशन में पुलिस अवर निरीक्षक पप्पू कुमार ने वाहनों की जांच की। जांच के दौरान पाया गया कि कई डंपर कोयला लोड कर खुले रूप में परिवहन कर रहे थे, जिससे सड़क पर कोयला गिरने के साथ-साथ धूल प्रदूषण और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इसे मोटर वाहन नियमों एवं पर्यावरण संबंधी मानकों का उल्लंघन मानते हुए कार्रवाई की गई। जांच के दौरान जिन वाहनों को पकड़ा गया उनमें जेएच-16जे-3362, जेएच-04एजी-6595, जेएच-04एडी-2060, जेएच-16के-7465, जेएच-04एएच-7646, जेएच-16जे-6290, जेएच-04एसी-2614, जेएच-16के-6965, जेएच-04एजी-4632, जेएच-16जे-6671, जेएच-16जेई-8710, जेएच-16जे-4129, जेएच-16जे-8549, जेएच-04एडी-1434, जेएच-04एएफ-8657 तथा जेएच-04एडी-7861 शामिल हैं। पुलिस ने सभी वाहनों की जांच संबंधी रिपोर्ट जिला परिवहन पदाधिकारी को भेज दी है। बताया जा रहा है कि परिवहन विभाग स्तर से इन वाहनों पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई भी की जाएगी। अचानक हुई इस कार्रवाई से कोयला परिवहन से जुड़े ट्रांसपोर्टरों में हड़कंप मच गया। इसके बाद कई ट्रांसपोर्टरों ने अपने चालकों को स्पष्ट निर्देश जारी किए कि बिना त्रिपाल ढके किसी भी हालत में कोयला लेकर सड़क पर वाहन नहीं चलाया जाए। प्रशासन ने भी चेतावनी दी है कि भविष्य में नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने वाले वाहनों के खिलाफ और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि बिना त्रिपाल ढके कोयला परिवहन से सड़क पर कोयला गिरने, धूल प्रदूषण फैलने और सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है।

एक नजर

हर शुक्रवार सुबह 10 बजे लगेगा थाना दिवस

सिमरिया (चतरा) : आम जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से सिमरिया थाना में शुक्रवार को सुबह 10:00 बजे थाना दिवस का आयोजन किया जाएगा। इसकी जानकारी थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया कि थाना दिवस के दौरान भूमि विवाद, आपसी विवाद, कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों सहित अन्य समस्याओं से संबंधित आवेदन आम नागरिकों से प्राप्त किए जाएंगे तथा उनके निष्पादन के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी ने बताया कि अब से प्रत्येक शुक्रवार सुबह 10:00 बजे नियमित रूप से थाना दिवस आयोजित किया जाएगा, ताकि क्षेत्र के लोग बिना किसी भय या संकोच के अपनी समस्याएं सीधे पुलिस प्रशासन के समक्ष रख सकें। उन्होंने क्षेत्र के सभी ग्रामीणों एवं आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में थाना दिवस में उपस्थित होकर इस जनहितकारी व्यवस्था का लाभ उठाने की अपील की। यह पहल पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर संवाद एवं त्वरित समस्या समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

वज्रपात की चपेट में आकर गर्भवती भैंस की मौत

प्रतापपुर (चतरा) : प्रतापपुर थाना क्षेत्र के जोगियारा पंचायत अंतर्गत लीदीक गांव निवासी महावीर यादव (पिता- बंगाली यादव) की गर्भवती भैंस की बुधवार शाम वज्रपात की चपेट में आने से मौत हो गई। इस घटना के बाद पशुपालक परिवार के सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। जानकारी के अनुसार, मृत भैंस गर्भवती थी और परिवार की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार थी। उसके दूध उत्पादन और भावी बछड़े से परिवार को आर्थिक सहारा मिलने की उम्मीद थी। लेकिन अचानक हुई प्राकृतिक आपदा ने परिवार को गहरा आर्थिक नुकसान पहुंचाया है। पीड़ित महावीर यादव ने प्रशासन एवं राज्य सरकार से घटना को गंभीरता से लेते हुए उचित एवं सम्मानजनक मुआवजा देने की मांग की है।

प्रोजेक्ट जीविका के तहत ईएसएल स्टील ने किया हितधारक कार्यशाला का आयोजन

महिला उद्यमियों को मिला व्यवसाय विस्तार का मार्गदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता एवं सतत आजीविका को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए ईएसएल स्टील लिमिटेड ने अपने प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम प्रोजेक्ट जीविका के तहत जीविका सृजन शक्ति प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (ओएफपीओ) के 31 सदस्यों के लिए ईएसएल स्किल स्कूल में हितधारक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य महिला उद्यमियों को सरकारी योजनाओं, संस्थागत सहयोग तथा व्यवसाय विस्तार के विभिन्न अवसरों की जानकारी प्रदान कर उनके उद्यम को सशक्त बनाना था।

कार्यक्रम में श्री आनंद राज, बीपीएम, जेएसएलपीएस-चास; श्री किशोर कुमार रजक, जिला समन्वयक, जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी); श्री आनंद कुमार, आरसेटी; श्री नरेंद्र कुमार, प्रखंड समन्वयक, डीआईसी-चंदनकियारी; तथा श्री रामपद रबीदास, जिला परिषद प्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर ईएसएल स्टील के सीएसआर परियोजना समन्वयक श्री वेद प्रकाश सिंह (प्रोजेक्ट हअउक्क), श्री शिवजी कुमार (ईएसएल स्किल स्कूल) एवं श्री कामेश्वर गोस्वामी (प्रोजेक्ट आरोग्य)सहित सीएसआर टीम के सदस्य भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत प्रोजेक्ट जीविका एवं प्रोड्यूसर कंपनी के भावी रोडमैप की प्रस्तुति से हुई। इसके पश्चात विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों ने उद्यमिता विकास, सरकारी योजनाओं, कौशल प्रशिक्षण, वित्तीय एवं संस्थागत सहयोग, व्यवसाय विस्तार, मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण, ब्रांडिंग, विपणन तथा उभरते आजीविका अवसरों पर विस्तृत जानकारी साझा की। प्रतिभागियों ने झारखंड की सफल ग्रामीण महिला उद्यमियों के अनुभवों से भी प्रेरणा प्राप्त की तथा अपने उद्यम को अधिक सशक्त एवं टिकाऊ बनाने के उपायों को समझा।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने उत्पादक स्वामित्व वाली संस्थाओं, सामूहिक उद्यमिता, बाजारोन्मुख उत्पादन तथा प्रभावी ब्रांडिंग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए महिलाओं को उपलब्ध सरकारी एवं संस्थागत सहयोग का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का समापन जीविका सृजन शक्ति प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती बसंती देवी के संबोधन तथा प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने व्यवसाय से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों से संवाद कर भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की।

इस अवसर पर ईएसएल स्टील लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक श्री रवीश शर्मा ने कहा, महिलाओं को उद्यमिता के माध्यम से सशक्त बनाना समावेशी एवं सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ईएसएल स्टील में हमारा प्रयास केवल आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि महिलाओं को ज्ञान, कौशल, बाजार और संस्थागत सहयोग से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर उद्यमी के रूप में स्थापित करना है। प्रोजेक्ट जीविका के माध्यम से हम सामुदायिक सहभागिता और सामूहिक उद्यमिता को बढ़ावा देते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

यह हितधारक कार्यशाला विभिन्न सरकारी संस्थानों एवं महिला उद्यमियों के बीच समन्वय स्थापित करने, उपलब्ध सहायता तंत्र के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई। यह आयोजन महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के प्रति ईएसएल स्टील लिमिटेड की निरंतर प्रतिबद्धता को भी दशार्ता है।

11 हजार वोल्ट लाइन पर मौत का जाल गिलोय की बेल दे रही है बड़े हादसे को निमंत्रण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो के चंद्रपुरा प्रखंड अंतरगत दुग्दा थाना के पीछे 11 हजार वोल्ट लाइन पर मौत का जाल गिलोय की बेल दे रही हैं बड़े हादसे को निमंत्रण।

बताते चले की बोकारो जिले के दुग्दा थाना के पीछे से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन इन दिनों गंभीर खतरे का कारण बनी हुई है। क्योंकी इनके नीचे काफी लोग आवास बना कर रह रहे हैं जिससे इन लोगों में भय व्यापत रहता हैं। बिजली के पोल और तारों पर गिलोय की मोटी-मोटी बेलें पूरी तरह फैल चुकी हैं, लेकिन बिजली विभाग की ओर से इन्हें हटाने की दिशा में अब तक कोई पहल नहीं की गई है। जो बड़े हदसे का निमंत्रण डे रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के मौसम में पेड़-पौधों और बेलों में नमी बढ़ जाती है, जिससे हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आने पर शॉर्ट सर्किट, स्पार्किंग और करंट फैलने जैसी घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। यदि समय रहते इन बेलों को नहीं हटाया गया, तो आसपास के घरों तक हाई वोल्टेज करंट पहुंचने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। क्षेत्र के लोगों ने बताया कि कई बार इस समस्या की जानकारी संबंधित विभाग को दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। लोगों में इस बात को लेकर डर बना हुआ है कि यदि तेज बारिश या आंधी के दौरान कोई हादसा हुआ, तो उसकी कीमत आम लोगों को अपनी जान और माल से चुकानी पड़ सकती है।

स्थानीय नागरिकों ने बिजली विभाग से तत्काल 11 हजार वोल्ट लाइन और पोल पर फैली गिलोय की बेलों को हटाने, पूरे क्षेत्र का निरीक्षण कराने तथा संभावित दुर्घटना से बचाव के लिए आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की है।

अब देखना यह होगा कि बिजली विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार करता है या समय रहते चेतकर इस गंभीर खतरे को दूर करता है।

समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर मेंस कांग्रेस ने एडीइएन से मुलाकात की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस बोकारो सचिव राजन उपाध्याय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने एडीइएन से मुलाकात की। इस क्रम में रेलवे कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर एडीइएन का ध्यान आकृष्ट करना गया। सभी विषयों पर सकारात्मक आश्वासन देते हुए समस्याओं के समाधान एवं आवश्यक सुधार कार्यों को यथाशीघ्र कराए जाने की बात कही। वहीं, रेलवे कॉलोनी में नए सड़क निर्माण एवं कर्मचारियों के हित में किए जा रहे प्रयासों के लिए राजन कुमार उपाध्याय ने रेलवे कर्मचारियों की ओर से एडीइएन को बधाई दी। बैठक में मुख्य रूप से रेलवे इंस्टिट्यूट के सचिव सुब्रत शाह, प्रदीप कुमार भोमिक, जीतेन गोराई, संदीप कुमार, अभिषेक कुमार, अविनाश कुमार इत्यादि मौजूद थे।

कर्मचारियों के लफसंबंधी मामलों का रेलवे नियमों के अनुरूप यथाशीघ्र निपटारा किया जाए। कर्मचारियों द्वारा रेलवे क्वार्टरों से संबंधित दी जाने वाली शिकायतों का कम-से-कम समय में समाधान सुनिश्चित किया जाए। रेलवे कॉलोनी में नए सड़क निर्माण के साथ-साथ कॉलोनी के अंदर बने स्पीड ब्रेकर/ठोकरों पर सफेद पट्टी की जाए, ताकि दुर्घटनाओं से बचाव हो सके तथा कर्मचारियों के अन्य ज्वलंत समस्याओं एवं जनहित के मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत तीन परिवारों को मिली छह लाख की सहायता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गिद्धौर (चतरा) : झारखंड ग्रामीण बैंक, पितीज शाखा द्वारा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत तीन मृत खाताधारकों के नामांकित परिजनों को कुल 6 लाख रुपये की बीमा दावा राशि का चेक प्रदान किया गया। योजना के तहत प्रत्येक लाभुक को 2-2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई। शाखा परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्वर्गीय संजय दांगी निवासी पितीज की पत्नी अंशु देवी को दो लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। वहीं स्वर्गीय कौशल्या देवी निवासी पितीज के नामांकित पुत्र जुगेश्वर यादव तथा स्वर्गीय शांति देवी निवासी सिंदवारी कला के नामांकित पुत्र उमेश यादव को भी दो-दो लाख रुपये की बीमा दावा राशि का चेक सौंपा गया। इस अवसर पर गिद्धौर प्रखंड उपप्रमुख प्रीतम कुमार यादव, झारखंड ग्रामीण बैंक, पितीज शाखा के शाखा प्रबंधक मंटू कुमार, कैशियर बिरेंद्र कुमार, पितीज पंचायत के मुखिया रामदेव यादव सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपप्रमुख प्रीतम कुमार यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजना है। उन्होंने कहा कि परिवार के कमाऊ सदस्य की असामयिक मृत्यु की स्थिति में यह योजना नामांकित परिजनों को आर्थिक संबल प्रदान करती है। उन्होंने अधिक से अधिक पात्र लोगों से इस योजना सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने झारखंड ग्रामीण बैंक, पितीज शाखा द्वारा बीमा दावा राशि के त्वरित भुगतान की सराहना करते हुए इसे जरूरतमंद परिवारों के लिए राहतकारी और सराहनीय पहल बताया।

विस्थापित महाविद्यालय में नशा के दुष्प्रभाव संगोष्ठीः नशा मुक्ति के बिना बेहतर समाज, राज्य और राष्ट्र का निर्माण असंभव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : विस्थापित महाविद्यालय में गुरुवार को मनोविज्ञान एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में युवाओं पर नशा का प्रभाव को लेकर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की प्रभारी प्राचार्य डॉ प्रिया कुमारी तथा संचालन प्रो जे एन राम ने किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मनोविज्ञान के विभागध्यक्ष डॉ विजय कुमार सिंह तथा अर्थशास्त्र के व्याख्याता डॉ एन एन महतो ने पीपीटी के माध्यम से बताया कि अधिकांश बच्चे किशोरावस्था में 12-18 के बीच नशे की जद में आ जाते है, अधिकतम 40 वर्ष के बीच नशा के गिरफ्त में आने की संभवना अधिक होती है। नशा शराब, तम्बाकु, ड्रग्स, गांजा, भांग का हो या जुआ, गेम, मोबाइल या अन्य ऐसी चीजों का। नशा मस्तिष्क के अनुमस्तिष्क व हिप्पोकेम्पस को बुरी तरह प्रभावित करता है। अनुमस्तिष्क शरीर को नियंत्रित करने का काम करती है, और दूसरा हिप्पो केम्पस नई यादों को लंबे समय तक याद रखने में मददगार साबित होता है, जो नशा के कारण पूरी तरह काम नहीं कर पाता है। उन्होंने कहा कि न सिर्फ मानसिक बल्कि शारीरिक तथा कानूनी दुष्परिणाम भी भुगतना पड़ता है।

गोष्ठी में समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो जगदम्ब लाल सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने कहा कि भारत में हर वर्ष ड्रग्स के कारण दो लाख लोगों की मृत्यु हो जाती हैं, वहीं तम्बाकू सेवान से होने वाली बीमारियों के कारण इलाज के दौरान या इसके अभाव में करीब 50 लाख लोग मौत के मुंह में समा जाते है। नशा के कारण युवा पीढी ही नहीं बल्कि उस युवा के पूरे परिवार को मानसिक, आर्थिक, परिवारिक, सामाजिक प्रताड़ना से गुजरने को विवश हो जाते है। समाज एवं नये जनरेशन को नशा से बचाने की जरूरत है। यह हम सबों की जिम्मेदारी है, कि युवाओं को नशामुक्ति रखने व करने के लिए हर प्रभावी कदम उठाएं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी प्राचार्य डॉ प्रिया कुमारी ने कहा कि 27 जुलाई से हर दिन कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन हो रहा है, जो 1 अगस्त तक होना है। हर दिन नये मुद्दों पर महाविद्यालय परिवार के सदस्य और छात्र-छात्राएं खुलकर विचार रखते हैं। इससे विद्यार्थियों को नई-नई जानकारियां के साथ उनकी झिझक आत्मविश्वास में बदलने का अवसर मिलता है।

कार्यक्रम में डॉ मीना कुमारी, डॉ नीता रानी, रश्मी रेणु बाला कुजूर, प्रो जनार्दन प्रसाद सिंह, प्रो नईम अंसारी, प्रो अरविन्द कुमार चौधरी सहित कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने अपने विचार रखें।

समूहगान में दिखी विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक छटा, तो आर्केस्ट्रा में बॉलीवुड धुनों की रही धूम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में चल रहे सांस्कृतिक सप्ताह - धरोहर के क्रम में गुरुवार को अंतर-सदन ऑर्केस्ट्रा प्रतियोगिता आयोजित की गई। समसामयिक बॉलीवुड संगीत पर आधारित इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी छह सदनों के प्रतिभागियों ने सदाबहार धुनों की ऐसी झड़ी लगाई कि पूरा वातावरण तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। तबला, गिटार, क्लैप बॉक्स, की-बोर्ड, बांसुरी, ड्रम व कोंगो सहित भांति-भांति के वाद्ययंत्रों पर उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुति उनकी कलात्मक प्रतिभा बिखेर रही थी। इनमें बेटियां भी किसी से कम नहीं रहीं। कार्यक्रम की शुरूआत रावी हाउस की ऊजार्वान टीम ने आजा-आजा..., कोई मिल गया..., बचना ऐ हसीनों... की धुनों का सुंदर सम्मिश्रण प्रस्तुत किया। इसके पश्चात क्रमशः चेनाब सदन की टीम ने डॉन, वो लड़की... बदतमीज दिल, काली-काली आंखें..., सतलज के प्रतिभागियों ने चांद मेरा दिल, बिन तेरे सनम, वो मेरा खुदा, पठान, धूम, जमुना हाउस के दल ने जनम-जनम..., तुमको पाया..., मितवा..., ये रात में जो..., झेलम टीम ने अजीब दास्तां..., दम मारो दम..., जाने-जां..., एक हसीना थी... तथा अंत में गंगा सदन के बच्चों ने ये रातें ये मौसम..., सांसों की माला... दिलवर मेरे..., भीगी-भीगी... गीतों की धुनें बजाकर समां बांध दिया। इस प्रतियोगिता में बतौर निर्णायक अंजलि कुमारी, प्रणति दास एवं मयंक कुमार भक्ता मौजूद रहे।

इसके पूर्व, अंतर-सदन समूहगान प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अलग-अलग राज्यों के पारंपरिक गीतों की सुरीली झड़ी लगाकर देश की सांस्कृतिक विविधता का जीवंत प्रदर्शन किया। चेनाब सदन के प्रतिभागियों ने राजस्थानी रुणिचे रा धणिया... से इस कड़ी की शुरूआत की। इसके बाद जमुना हाउस के विद्यार्थियों ने रंगबत्ती रे... गाकर ओडिशा की संस्कृति को दशार्या, वहीं रावी हाउस के छात्र-छात्राओं ने झूला तो पड़ गए अमुआ की डाल पर... गाकर उत्तर प्रदेश की परंपरा के रंग बिखेरे। इसी प्रकार, सतलज सदन के दल ने तोमाय हृदय माझे राखिबो... की प्रस्तुति से पश्चिम बंगाल की परंपरा को प्रदर्शित किया, तो गंगा सदन की टीम ने में कत्तां प्रीतां नाल... गाकर पंजाबी कला-संस्कृति के उल्लास को प्रदर्शित किया। अंत में झेलम हाउस के विद्यार्थियों ने मोर छोटानागपुर... झारखंड प्रदेश की सांस्कृतिक संपन्नता को बखूबी प्रदर्शित किया। समूहगान प्रतियोगिता में प्राइमरी विंग के शिक्षक जय प्रकाश सिन्हा, प्रियंका एवं स्वीटी अनिल कुमार ने निर्णायकों की भूमिका निभाई। दोनों प्रतियोगिताओं के परिणामों की घोषणा बाद में की जाएगी।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने विद्यार्थियों की इस कलात्मक प्रतिभा को सराहते हुए संगीत को आत्मिक और मानसिक शांति का सबसे सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि भारत विविधताओं का देश है। यहां की संस्कृति यहां की धरोहर है, जिसे बच्चों ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से न केवल प्रदर्शित किया, बल्कि अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखने का संदेश भी दिया। कार्यक्रम के दौरान मंच-सज्जा और रंग-बिरंगे परिधानों में आए प्रतिभागियों की रूप-सज्जा भी देखते ही बन रही थी। इस दौरान निर्णायकों ने भी अपने विचार रखे तथा विद्यालय के संगीत शिक्षकों ने भी अपनी प्रस्तुतियों से खूब समां बांधा।

संक्षिप्त खबरें

50 लाख रुपये के अवैध डोडा तस्करी मामले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

सिमरिया (चतरा) : पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए करीब 50 लाख रुपये मूल्य के 324 किलोग्राम अवैध डोडा (अफीम) की तस्करी मामले के मुख्य आरोपी एवं वाहन मालिक मोहम्मद अब्दुल्ला को हजारीबाग से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी लावालौंग थाना क्षेत्र के कोची गांव का रहने वाला है। जानकारी के अनुसार, 21 मई 2026 की रात सिमरिया थाना कांड संख्या 94/2026 के तहत एसडीपीओ नागरगोजे शुभम भाऊ साहेब के नेतृत्व में चतरा-सिमरिया मुख्य मार्ग स्थित देल्हो घाटी में वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। पुलिस को देखते ही दो कारों के चालक और तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की ओर फरार हो गए। पुलिस ने मौके से एक मारुति अर्टिगा और एक होंडा अमेज कार को जब्त किया। तलाशी के दौरान अर्टिगा से 169 किलोग्राम तथा होंडा अमेज से 155 किलोग्राम, कुल 324 किलोग्राम अवैध डोडा बरामद किया गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत करीब 50 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस के अनुसार यह खेप हजारीबाग भेजी जा रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ नागरगोजे शुभम भाऊ साहेब के निर्देशन में विशेष जांच टीम गठित की गई। तकनीकी साक्ष्यों एवं गुप्त सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने तस्करी नेटवर्क की कड़ियां जोड़ते हुए मुख्य आरोपी मोहम्मद अब्दुल्ला की पहचान की। इसके बाद थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस टीम ने हजारीबाग में छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई के बाद एसडीपीओ नागरगोजे शुभम भाऊ साहेब ने कहा कि युवाओं को नशे के जाल से बचाना और पूरे चतरा जिले को नशामुक्त बनाना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अवैध मादक पदार्थों के कारोबार में शामिल किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की कि अपने आसपास होने वाली किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार की सूचना तत्काल पुलिस को दें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

माता भद्रकाली मंदिर में निःशुल्क कांवड़िया सेवा शिविर का शुभारंभ

इटखोरी (चतरा) : चतरा जिले के प्रसिद्ध तीर्थस्थल माता भद्रकाली मंदिर, इटखोरी परिसर में माँ भद्रकाली सेवा संस्था की ओर से सावन माह में आने वाले श्रद्धालु कांवड़ियों की सेवा के लिए निःशुल्क कांवड़िया सेवा शिविर का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झामुमो जिलाध्यक्ष निलेश ज्ञासेन उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथियों में जिला परिषद सदस्य सरिता देवी, उपप्रमुख संजय गुप्ता, भाजपा जिला महामंत्री डॉ. मृत्युंजय सिंह, मुखिया संघ अध्यक्ष रंजय भारती, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष बबलू केसरी, भद्रकाली मंदिर न्यास समिति के योगेंद्र सिंह, रतन शर्मा, श्याम प्रसाद सिंह, अमित सिंह, बद्री यादव, विजय चौरसिया, पंचायत समिति सदस्य रूबी देवी, प्रीति कुमारी ठाकुर, उर्मिला देवी, मुखिया किरण देवी, रीता देवी एवं आरती देवी सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर सभी अतिथियों को चुनरी एवं श्रीमद्भगवद्गीता भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि निलेश ज्ञासेन ने कहा कि माँ भद्रकाली सेवा संस्था द्वारा कांवड़ियों की सेवा के लिए किया जा रहा कार्य अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सेवा सबसे बड़ा पुण्य है और इस प्रकार के सेवा शिविर समाज में सेवा, सहयोग और धार्मिक आस्था की भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के मुख्य सलाहकार संतोष केसरी, अध्यक्ष सूरज सिंह, उपाध्यक्ष आदित्य पासवान, कोषाध्यक्ष धीरज चंद्रवंशी, उपकोषाध्यक्ष रोहित पासवान, सचिव निर्भय पांडे (मंच कलाकार), संरक्षक कुंदन पासवान एवं रोहित सिंह सहित सभी सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पेट्रोल पंप के पास भीषण सड़क हादसा चार घायल,दो की हालत गंभीर, रेफर

मयूरहंड (चतरा) : चतरा जिले के मयूरहंड थाना क्षेत्र अंतर्गत करमा पेट्रोल पंप के समीप गुरुवार को हुए भीषण सड़क हादसे में घायल लोगों में से दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें हजारीबाग रेफर किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, तेज रफ्तार ट्रेलर को बचाने के प्रयास में विपरीत दिशा से आ रही अपाची और होंडा शाइन मोटरसाइकिल आमने-सामने टकरा गई। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार कुल चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में सुंदरडीहा (मधनिया) निवासी मिनाज अंसारी की हालत गंभीर होने पर उन्हें हजारीबाग रेफर किया गया है। वहीं सहीना खातून भी गंभीर रूप से घायल हैं और उनका इलाज हजारीबाग में चल रहा है। अन्य दो घायलों का उपचार नजदीकी अस्पताल में जारी है। उनकी पहचान समाचार लिखे जाने तक नहीं हो सकी थी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया और मानवता की मिसाल पेश की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना की जांच शुरू कर दी। दुर्घटना के बाद ट्रेलर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

इको पार्क में पर्यटकों को मिलेगी ई-कार्ट सुविधा जिला प्रशासन और एनटीपीसी के बीच एमओए

चतरा/टंडवा : समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में उपायुक्त रवि आनंद की उपस्थिति में जिला प्रशासन एवं एनटीपीसी, नॉर्थ कर्णपुरा सुपर थर्मल पावर परियोजना, टंडवा के बीच चतरा इको पार्क में पर्यटकों की सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत लगभग 13 लाख रुपये की लागत से 12-12 सीट क्षमता वाले दो ई-कार्ट उपलब्ध कराए जाएंगे। समझौता ज्ञापन पर जिला प्रशासन की ओर से जिला खनन पदाधिकारी मनोज कुमार टोप्पो तथा एनटीपीसी की ओर से प्रमंडलीय महाप्रबंधक (एचआर) निखिल गुप्ता ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर उपायुक्त रवि आनंद ने कहा कि चतरा इको पार्क जिले का प्रमुख पर्यटन स्थल बनकर उभर रहा है। पर्यटकों की सुविधा एवं सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए ई-कार्ट की व्यवस्था एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों एवं दिव्यांगजनों सहित सभी आगंतुकों को पार्क भ्रमण में सुविधा मिलेगी तथा जिले में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के क्रियान्वयन से इको पार्क आने वाले पर्यटक पार्क परिसर का अधिक सहज एवं सुविधाजनक तरीके से भ्रमण कर सकेंगे। साथ ही यह पहल जिले में पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को प्रोत्साहित करने और पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगी। इस मौके पर जिला खनन पदाधिकारी मनोज कुमार टोप्पो, प्रशिक्षु सह संलग्न पदाधिकारी (दक्षिणी वन प्रमंडल) श्वेताभ सुमन, एनटीपीसी के प्रमंडलीय महाप्रबंधक (एचआर) निखिल गुप्ता, सहायक महाप्रबंधक (एचआर) नीरज कुमार रॉय सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

बिहार के इन 12 जिलों में बारिश का येलो अलर्ट, 26 जिलों में उमस करेगी परेशान, जानिए आपके जिले का हाल

पटना (एजेंसी) बिहार में गुरुवार को मौसम मिला-जुला रहने की संभावना है. 12 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है, जहां बारिश की उम्मीद है. वहीं, बाकी जिलों में गर्मी और उमस परेशान करेगी. बिहार में गुरुवार को मौसम का मिजाज मिला-जुला रहेगा. मौसम विभाग ने राज्य के 12 जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है. वहीं, बाकी 26 जिलों में मौसम सामान्य रहने का अनुमान है. इन इलाकों में आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश की संभावना कम है. ऐसे में लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिलने के आसार नहीं हैं. इन 12 जिलों में येलो अलर्ट मौसम विभाग ने पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, अररिया, पूर्णिया, किशनगंज और कटिहार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है. कहां होगी बारिश, कहां चलेगी तेज हवा पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, सीवान, सारण और गोपालगंज में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है. इन जिलों में 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की भी संभावना है. मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है. पिछले 24 घंटे में कैसा रहा मौसम बीते 24 घंटे के दौरान खगड़िया में बारिश दर्ज की गई. वहीं, पटना समेत कई जिलों में हल्की हवा चली. हालांकि दिनभर तेज धूप और उमस के कारण लोगों को काफी परेशानी हुई. बिहार में अब तक 41% कम हुई बारिश इस मानसून सीजन में बिहार में अब तक सामान्य से काफी कम बारिश हुई है. आंकड़ों के अनुसार, इस समय तक राज्य में 485.4 मिमी बारिश होनी चाहिए थी. लेकिन केवल 285.1 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई. यानी अब तक सामान्य से 41 फीसदी कम बारिश हुई है. आखिर कमजोर क्यों पड़ा मानसून मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, फिलहाल मानसून कमजोर बना हुआ है. इसकी मुख्य वजह मानसून ट्रफ लाइन का अपनी सामान्य स्थिति से हट जाना है. साथ ही बंगाल की खाड़ी में अभी कोई मजबूत कम दबाव का क्षेत्र विकसित नहीं हुआ है. इसी कारण बिहार तक पर्याप्त नमी नहीं पहुंच रही है. जब तक खाड़ी में नया वेदर सिस्टम सक्रिय नहीं होगा, तब तक राज्य में व्यापक और अच्छी बारिश की संभावना कम रहेगी. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें दिन में गर्मी, शाम को बारिश... ऐसा क्यों हो रहा है? विशेषज्ञों का कहना है कि तेज धूप और उमस के कारण दिन में वातावरण काफी गर्म हो जाता है. गर्म हवा ऊपर उठकर नमी के संपर्क में आती है. इससे कुछ इलाकों में अचानक बादल बनते हैं और हल्की या मध्यम बारिश हो जाती है. यही वजह है कि कई जगह दिनभर गर्मी रहती है, लेकिन शाम या रात में बारिश हो जाती है. कई बार एक जिले में बारिश होती है, जबकि आसपास के जिले पूरी तरह सूखे रह जाते हैं. पटना का मौसम कैसा रहेगा? पटना में गुरुवार को मौसम सामान्य रहने का अनुमान है. दिनभर बादलों की आवाजाही बनी रहेगी. हालांकि तेज बारिश की संभावना नहीं है. धूप निकलने से उमस लोगों को परेशान कर सकती है. शाम के समय हल्के बादल छाने से मौसम में थोड़ी राहत महसूस हो सकती है.

बिहार में 32,388 पदों पर होगी चौथे चरण की शिक्षक बहाली, बांका में शिक्षा मंत्री ने बताया पूरा प्लान

पटना (एजेंसी) बिहार में 32,388 शिक्षक पदों पर चौथे चरण की बहाली की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी. शिक्षा मंत्री ने बांका में इसकी घोषणा करते हुए कहा कि अधियाचना को भेज दी गई है. राज्य में कोटा जैसी कोचिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी.बांका जिले के प्रसिद्ध मंदार में विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना करने पहुंचे बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने शिक्षक नियुक्ति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर सरकार की योजनाओं का खुलासा किया. पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि चौथे चरण की शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर अधियाचना बिहार लोक सेवा आयोग को भेज दी गयी है. 32,388 पदों पर होगी चौथे चरण की नियुक्ति शिक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों से शिक्षक नियुक्ति की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी भर्ती प्रक्रिया में देरी को

लेकर चिंतित थे. कई विद्यालयों में शिक्षकों की संख्या अधिक थी, जबकि कई स्कूलों में शिक्षकों की कमी थी. इस समस्या को दूर करने के लिए विद्यालयों का युक्तिकरण (रैशनलाइजेशन) किया गया. उन्होंने बताया कि सभी विद्यालयों से रिक्त पदों की जानकारी लेने के बाद करीब 32,388 पदों पर नियुक्ति की अधियाचना तैयार कर बीपीएससी को भेज दी गयी है. आरक्षण रोस्टर और भर्ती का पूरा शेड्यूल भी तैयार किया जा चुका है. अब नियुक्ति प्रक्रिया का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है. अभ्यर्थियों से परीक्षा की तैयारी में जुटने की अपील शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने शिक्षक अभ्यर्थियों से पूरी मेहनत और लगन के साथ परीक्षा की तैयारी करने की अपील की. उन्होंने कहा कि सरकार समय पर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने की दिशा में आगे बढ़ रही है, जिससे राज्य के विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता बेहतर होगी. बिहार में ही मिलेगी कोटा जैसी तैयारी की सुविधा शिक्षा मंत्री ने राज्य में शुरू होने वाली इवनिंग क्लास और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर सरकार की महत्वाकांक्षी योजना की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि अब बिहार के छात्रों को जेईई, नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोटा या मुंबई जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी. सरकार राज्य के छात्रों को उच्चस्तरीय स्टडी मैटेरियल, विशेषज्ञ शिक्षकों की लाइव क्लास और 24 घंटे उपलब्ध डिजिटल प्लेटफॉर्म की सुविधा उपलब्ध कराएगी. इसके लिए एक विशेष ऐप भी तैयार किया गया है. 551 आदर्श विद्यालयों के बाद खुलेंगे 142 नए स्कूल शिक्षा मंत्री ने बताया कि वर्तमान में राज्य में 551 आदर्श विद्यालय संचालित हो रहे हैं. जल्द ही 142 नए आदर्श विद्यालय शुरू किए जाएंगे. इन विद्यालयों में जेईई और नीट जैसी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को विशेष मार्गदर्शन दिया जाएगा. उन्होंने विश्वास जताया कि इन योजनाओं से बिहार के छात्र राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करेंगे और निजी कोचिंग संस्थानों पर उनकी निर्भरता कम होगी. मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे.

'प्रशांत किशोर बांकीपुर की 5 गलियों के नाम बताएं', वोट डालने के बाद रामकृपाल यादव बोले- पीके नौटंकीबाज और सौदेबाज हैं

पटना (एजेंसी) बांकीपुर उपचुनाव में मतदान करने पहुंचे बिहार सरकार के मंत्री रामकृपाल यादव ने कहा कि प्रशांत किशोर का बांकीपुर से कोई जुड़ाव नहीं है और जनता उन्हें वोट नहीं देगी. साथ ही उन्होंने प्रशांत किशोर को बांकीपुर की पांच गलियों के नाम बताने की चुनौती भी दी बिहार सरकार के मंत्री रामकृपाल यादव ने जन सुराज प्रत्याशी प्रशांत किशोर पर तीखा हमला बोला. वोट डालने के बाद उन्होंने दावा किया कि बांकीपुर में एकतरफा चुनाव हो रहा है और भाजपा उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा की जीत तय है. वोट डालने के बाद रामकृपाल यादव ने कहा कि बांकीपुर में पिछले कई वर्षों में लगातार विकास हुआ है. इसी वजह से जनता का भरोसा भाजपा

पर बना हुआ है. उन्होंने कहा कि इस बार भी लोग भाजपा उम्मीदवार को ही जिताने का मन बना चुके हैं. 'प्रशांत किशोर बाहर के आदमी हैं' रामकृपाल यादव ने कहा कि प्रशांत किशोर का बांकीपुर से कोई जुड़ाव नहीं है. उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या प्रशांत किशोर का घर बांकीपुर में है? क्या वह कभी यहां रहे हैं? उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि अगर हिम्मत है तो बांकीपुर की पांच गलियों और पांच मोहल्लों के नाम बताकर 'जनता उन्हें वोट नहीं देगी' मंत्री ने कहा कि प्रशांत किशोर बांकीपुर के नहीं हैं, इसलिए यहां की जनता उन्हें स्वीकार नहीं करेगी. उन्होंने आगे कहा कि प्रशांत किशोर नौटंकीबाज, सौदेबाज और बाहर के आदमी हैं. उनका अता-पता दिल्ली है, कि मुंबई है ये किसी को पता नहीं. उनको जनता कदापि वोट नहीं करेगी. अशोक चौधरी ने पत्नी के साथ किया मतदान बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी भी अपनी पत्नी के साथ मतदान केंद्र पहुंचे और वोट डाला. उन्होंने भाजपा प्रत्याशी नीरज सिन्हा की खूब सराहना की. इसके अलावा कई अन्य नेताओं ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया. श्याम रजक बोले- कोई संघर्ष नहीं जदयू विधायक श्याम रजक ने मतदान के बाद कहा कि वह बांकीपुर के मतदाता हैं और उन्होंने अपना वोट डाल दिया है. उनके मुताबिक इस चुनाव में कोई संघर्ष नहीं है और मुकाबला एकतरफा है. मतदाताओं ने भी रखी अपनी राय पटना वीमेंस कॉलेज स्थित मतदान केंद्र पर मतदाताओं ने अलग-अलग मुद्दों पर अपनी राय रखी. प्रभात खबर रिपोर्टर रिया से बातचीत में राजेंद्र नगर के मनोज श्रीवास्तव और अंजू श्रीवास्तव ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रवाद के मुद्दे पर मतदान किया. बोरिंग रोड की नीता ने कहा कि उनके लिए सबसे बड़ा मुद्दा महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा है. कृष्णा नगर की डॉ. तूलिका ने कहा कि बांकीपुर में कम मतदान की एक वजह लोगों का बाहर बस जाना है. हालांकि इस बार बदलाव की उम्मीद में लोग मतदान करने पहुंच रहे हैं. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें वोटिंग के बीच हुआ हंगामा मतदान के दौरान किदवईपुरी और कॉलोनी में भाजपा और जन सुराज समर्थकों के बीच हंगामा भी हुआ. दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की हुई. जन सुराज ने भाजपा के पूर्व प्रत्याशी पर मतदाताओं को प्रभावित करने का आरोप लगाया. वहीं भाजपा ने जन सुराज पर फर्जी मतदान कराने की कोशिश का आरोप लगाते हुए रिटर्निंग ऑफिसर से शिकायत की और मतदाताओं के सख्त सत्यापन की मांग की. तीन उम्मीदवारों के बीच मुकाबलाबांकीपुर उपचुनाव में कुल 25 उम्मीदवार मैदान में हैं. हालांकि मुख्य मुकाबला भाजपा के नीरज सिन्हा, राजद की रेखा गुप्ता और जन सुराज के प्रशांत किशोर के बीच माना जा रहा है. मतदान जारी है और सभी की नजर अब नतीजों पर टिकी है.

नीतीश कुमार की बहन ने कहा- भाई को 5 साल और मुख्यमंत्री रहना चाहिए था, निशांत की शादी पर भी बोलीं

पटना (एजेंसी) बांकीपुर उपचुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बड़ी बहन ऊषा देवी ने बीजेपी की जीत का दावा किया. उन्होंने बांकीपुर में हुए विकास की तारीफ की. नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने पर प्रतिक्रिया दी और निशांत कुमार की शादी को लेकर भी खुलकर बयान दिया. : पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बड़ी बहन ऊषा देवी भी बांकीपुर उपचुनाव में वोट डालेंगी. चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि इस बार भी बीजेपी ही चुनाव जीतेगी. उनका कहना है कि चुनाव प्रचार के दौरान सिर्फ बीजेपी के नेता ही इलाके में आए थे, दूसरे दलों के लोग नजर नहीं आए. ऊषा देवी ने कहा कि बांकीपुर में काफी विकास हुआ है. उन्होंने कहा कि इलाके में हुए काम लोगों को साफ दिखाई दे रहे हैं. इसी वजह

से उन्हें भरोसा है कि जनता एक बार फिर बीजेपी का साथ देगी. राज्यसभा जाने पर बोलीं- भाई की कमी महसूस हो रही नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के सवाल पर ऊषा देवी ने कहा कि जिसका भाई मुख्यमंत्री रहेगा और वह दिल्ली चला जाएगा, उसकी कमी तो महसूस होगी ही. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को अभी 5 साल और मुख्यमंत्री रहना चाहिए था. रिजाइन वाले दिन की बताई याद ऊषा देवी ने बताया कि जिस दिन नीतीश कुमार ने इस्तीफा दिया था, उस दिन वह आशीर्वाद लेने घर आए थे. उस समय परिवार के लोगों को इसकी कोई जानकारी नहीं थी. शाम को टीवी और खबरों से पता चला कि उन्होंने इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने कहा कि इतने साल तक काम करने वाले व्यक्ति के पद छोड़ने का दुख तो होगा ही. निशांत कुमार की तारीफ, शादी पर भी दिया जवाब निशांत कुमार को लेकर ऊषा देवी ने कहा कि वह बहुत अच्छा काम कर रहे हैं. उनकी शादी के सवाल पर उन्होंने कहा कि वह शादी जरूर करेंगे. परिवार के लोग भी उन्हें शादी के लिए कहते रहते हैं. उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि जब निशांत घर आते हैं तो लोगों की इतनी भीड़ लग जाती है कि घर भर जाता है.

बांकीपुर में वोटिंग के बीच प्रशांत किशोर पर क्या-क्या कह रहे सत्ताधारी नेता

पटना (एजेंसी) पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर मतदान के बीच एनडीए नेताओं ने जन सुराज पार्टी और प्रशांत किशोर पर तीखे हमले किए हैं. मंत्री रामकृपाल यादव ने उन्हें बाहरी और सौदेबाज बताते हुए चुनौती दी है, जबकि बीजेपी नेता मृत्युंजय तिवारी ने फर्जी वोटिंग का आरोप लगाया है : पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर जारी मतदान प्रक्रिया के बीच एनडीए नेताओं ने जन सुराज पार्टी और उसके संयोजक प्रशांत किशोर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. वोट डालने पहुंचे बिहार सरकार के मंत्री रामकृपाल यादव ने प्रशांत किशोर पर तीखा प्रहार करते हुए उन्हें बाहरी, नौटंकीबाज और सौदेबाज करार दिया. उन्होंने कहा कि पीके को बांकीपुर के भूगोल की भी जानकारी नहीं है और वह केवल इमोशनल ब्लैकमेलिंग का काम कर रहे हैं.रामकृपाल यादव ने खुली चुनौती देते हुए कहा कि अगर हिम्मत है तो पीके बांकीपुर के पांच मोहल्लों या गलियों के नाम बताकर दिखाएं.

बांकीपुर उपचुनाव की लगातार अपडेट के लिए हमारे लाइव ब्लॉग को फॉलो कीजिए जन सुराज कार्यकताओं की गिरफ्तारी पर अशोक चौधरी ने दिया जवाब जन सुराज के कार्यकताओं की पुलिसिया कार्रवाई पर प्रशांत किशोर द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि चुनाव के दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रिवेंटिव कार्रवाई करती है. उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था से समझौता किसी भी कीमत पर नहीं किया जा सकता है. आगे देखिए वीडियो.. बीजेपी नेता मृत्युंजय तिवारी ने भी प्रशांत किशोर पर बोला हमला पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर जारी मतदान प्रक्रिया के बीच एनडीए नेताओं ने जन सुराज पार्टी और उसके संयोजक प्रशांत किशोर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. बीजेपी नेता मृत्युंजय तिवारी ने आरोप लगाया कि चुनाव में हार तय देखकर प्रशांत किशोर की पार्टी फर्जी वोटरों के जरिए माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर रही है. उन्होंने चुनाव आयोग से सभी पोलिंग बूथों पर मतदाताओं के सत्यापन की कड़ी जांच कराने की मांग की है.

गंगा सतलज एक्सप्रेस के कोच से उठा धुआं, मिनटों में मची अफरा-तफरी, जानें फिर क्या हुआ

पटना (एजेंसी) मानपुरझगया रेलखंड पर बुधवार देर रात करीब 1:20 बजे फिरोजपुरझधनबाद गंगा सतलज एक्सप्रेस के एक कोच से धुआं निकलने की सूचना रेलवे कंट्रोल को मिली. सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन अलर्ट हो गया और ट्रेन के गया जंक्शन पहुंचते ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया. एस-5 कोच के इलेक्ट्रिक कपलर के पास लगी थी आग जांच के दौरान पता चला कि ट्रेन के एस-5 कोच के इलेक्ट्रिक कपलर के पास आग लगी थी. आग फैलने से पहले ही मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से उस पर काबू पा लिया. इसके बाद रेलवे की तकनीकी टीम ने संबंधित हिस्से की गहन जांच की, ताकि दोबारा ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो. रेलवे, आरपीएफ और अग्निशमन विभाग ने संभाला मोर्चा घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ, जीआरपी, रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारी और अन्य रेलकर्मी मौके पर पहुंच गए. जिला अग्निशमन विभाग की टीम ने भी गया जंक्शन पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और पूरी सतर्कता के साथ आग बुझाने की प्रक्रिया पूरी की. अधिकारियों ने यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक कदम उठाए. कुछ देर के लिए मची अफरा-तफरी आग की सूचना मिलते ही ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई. कई यात्री एहतियातन अपने कोच से बाहर निकल आए. हालांकि रेलवे अधिकारियों और सुरक्षा बलों ने यात्रियों को शांत कराया और बताया कि आग पूरी तरह नियंत्रित कर ली गई है. इसके बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली. तकनीकी कारण की आशंका, जांच जारी घटना के बाद रेलवे अधिकारियों ने मौके पर विस्तृत जांच की. प्रारंभिक जांच में इलेक्ट्रिक कपलर के पास तकनीकी कारण से आग लगने की आशंका जताई गई है. रेलवे के तकनीकी विशेषज्ञ संबंधित उपकरणों की जांच कर आवश्यक मरम्मत की प्रक्रिया में जुट गए हैं. आग लगने के वास्तविक कारणों का पता विस्तृत जांच रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा. मौके पर मौजूद रहे कई अधिकारी राहत एवं बचाव कार्य के दौरान जिला अग्निशमन पदाधिकारी अमन कुमार सिंह, सहायक जिला अग्निशमन पदाधिकारी नवीन सिंह, मोहित कुमार, अग्निक राहुल कुमार, सुजीत कुमार तथा प्रधान अग्निक धर्मेंद्र पासवान सहित अग्निशमन विभाग के अन्य कर्मी मौजूद रहे. इसके अलावा आरपीएफ,

जीआरपी और रेलवे के विभिन्न विभागों के अधिकारी भी पूरे अभियान में सक्रिय रहे.

बढ़ती उमस कर न दे पस्त

मौसम अपने साथ उमस भरा माहौल भी लेकर आता है। घुटन और नमी से भरा यह मौसम कई बार असहनीय ही नहीं, हमारे स्वास्थ्य और खासकर त्वचा के लिए खतरनाक साबित होता है। उमस को अपनी सेहत पर हावी होने से कैसे रोके

वातावरण में मौजूद नमी का असर शरीर से निकलने वाले पसीने पर आसानी से देखा जा सकता है। पसीने के बारे में विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्राकृतिक तौर पर शरीर की रक्षा करने का काम करता है। शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले अतिरिक्त अल्कोहल, कोलेस्ट्रॉल और नमक को शरीर से बाहर निकालकर यह शरीर में संतुलन बनाए रखता है और विभिन्न संक्रामक रोगों से हमें बचाता है। गर्मी के मौसम में पसीना भाप बनकर उड़ जाता है और शरीर को ठंडा रखता है। लेकिन उमस वाले मौसम में यह पसीना सूख नहीं पाता है और शरीर को चिपचिपाहट से भर देता है।

उमस का असर

उमस वाले मौसम में वातावरण में बीमारियां फैलाने वाले बैक्टीरिया, वायरस और फंगस सक्रिय हो जाते हैं, जिनसे

किसी भी उम्र का व्यक्ति शिकार हो सकता है। इस मौसम में त्वचा संबंधी रोग ज्यादा पनपते हैं। वातावरण की नमी हमारी त्वचा के पोर बंद कर देती है, जिससे त्वचा सांस नहीं ले पाती। त्वचा के भीतर समुचित मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता और त्वचा बेजान-सी हो जाती है। अगर साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जाए तो त्वचा फंगल इंफेक्शन, रैशेज, मुंहासे और फोड़े-फुंसियों की चपेट में आ जाती है। शरीर के ऐसे हिस्से जहां पसीने ज्यादा आते हैं, वहां रैशेज पड़ जाते हैं और खुजली होने लगती है। चेहरे पर मवाद से भरे मुंहासे उभर आते हैं, जिनसे कई बार चेहरे पर निशान भी पड़ जाते है। तापमान में नमी का असर हमारे बालों पर भी पड़ता है। नियमित सफाई के अभाव में बाल चिपचिपे और बेजान हो जाते हैं। डैंड्रफ हो जाते हैं, जिससे बाल ज्यादा गिरने लगते हैं।

इसके अलावा कम पानी पीने और खानपान की गलत आदतों से आप डीहाइड्रेशन की शिकार भी हो सकती हैं। उमस के इस मौसम में पसीना बहुत आता है, जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। उमस वाले मौसम में खाना जल्दी खराब हो जाता है और ऐसा खाना खाने से पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है। नमी भरे मौसम से नींद आना, मांसपेशियों में ऐंठन, चक्कर, उल्टी और सिर दर्द जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है।

सूती और हल्के कपड़े पहनें

इस मौसम में सिंथेटिक, मोटे और टाइट फिटिंग के कपड़ों के बजाय हल्के रंगों वाले पतले और सूती कपड़े पहनें। टाइट फिटिंग और ज्यादा कसीदाकारी वाले कपड़े पहनने से बचें। ऐसा करने से आपको गर्मी और उमस से परेशानी भी कम होगी और ज्यादा पसीना आने के बावजूद आपको कम परेशानी होगी।

खान-पान का रखें ध्यान

खानपान के मामले में एहतियात बरत कर ही आप उमस भरे वातावरण में सेहतमंद रह सकती हैं।

डीहाइड्रेशन से बचने के लिए भरपूर मात्रा में पानी पिएं और उबला पानी पीने की कोशिश करें। पानी में एक चम्मच शहद मिलाकर पीने से विषाक्त पदार्थ आसानी से शरीर से बाहर निकल जाएंगे। मूली के रस में काली मिर्च पाउडर और एक चुटकी सेंधा नमक मिलाकर पीना भी इस मौसम में फायदेमंद है। खाने के मामले में सतर्कता बरतें। घर का बना और कम चिकनाई वाला खाना ही खाएं। खाने में अदरक, अजवायन का प्रयोग करें। तुलसी और अदरक की चाय पिएं। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होगी और उमस से लड़ने में शरीर को मदद मिलेगी।

निजी साफ-सफाई का रखें

नमी भरे वातावरण में होने वाली चिपचिपाहट से बचने के लिए अपनी साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। ठंडे पानी से दिन में दो बार नहाएं। साफ-सुथरे कपड़े पहनें। वातावरण में मौजूद बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और धूल के कणों पर काबू पाने के लिए एंटीबैक्टीरियल या ग्लिसरीन युक्त साबुन से स्नान करें। बालों में हर दूसरे दिन शैंपू करें ताकि नमी से उन्हें नुकसान न हो। त्वचा को संक्रमण से बचाने के लिए उसे सूखा रखें और एंटी-बैक्टीरियल पाउडर का इस्तेमाल सकती हैं।

मधुमेह के रोगियों को नेत्र रोगों का खतरा

मधुमेह से पीड़ित रोगियों के लिए जहां अपने गुर्दों और पैरों की देखभाल बहुत जरूरी होती है, वहीं उन्हें खान-पान संबंधी ढेर सारे परहेज भी करने पड़ते हैं। अब वैज्ञानिकों ने मधुमेह के संबंध में यह तथ्य भी उजागर किया है कि मधुमेह के रोगियों को नेत्र संबंधी रोगों का खतरा भी अपेक्षाकृत अधिक होता है, इसलिए उन्हें अपने गुर्दों के साथ-साथ अपनी आंखों की भी विशेष देखभाल करनी चाहिए।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि मधुमेह से पीड़ित रोगियों में 'डायबिटिक रेटीनोपेथी' नामक बीमारी होने की संभावना बहुत ज्यादा होती है। इस बीमारी में रोगी व्यक्ति को न सिर्फ मोतिया बिंद की शिकायत हो सकती है बल्कि धीरे-धीरे उसकी आंखों की रोशनी भी कम होती जाती है और एक समय ऐसा भी आ सकता है जब उसकी आंखों की रोशनी पूरी तरह से समाप्त हो जाए यानी व्यक्ति नेत्रहीन हो जाए।

मधुमेह के रोगियों को नेत्र संबंधी इस तरह खतरों के मद्देनजर विशेषज्ञ यही सलाह देते हैं कि मधुमेह के रोगियों को समय-समय पर किसी अच्छे नेत्र विशेषज्ञ से अपनी आंखों का चैकअप कराते रहना चाहिए और कभी भी आंखों में किसी भी तरह की समस्या का एहसास हो तो अपने डाक्टर से डिस्कस करके तुरंत उसका इलाज कराना चाहिए।

कई रोगों की एक दवा हैं कढ़ी पत्ता

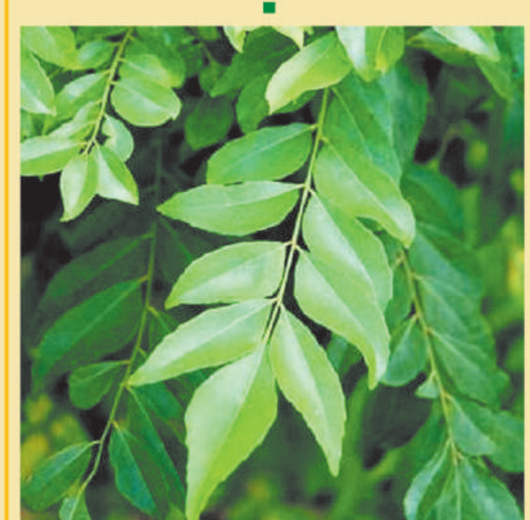

कढ़ी पत्ते का प्रयोग हर घर की रसोई में किया जाता है । यें हमारे भोजन को स्वादिष्ट बनाने के साथ-साथ हमारी सेहत को भी तंदरूस्त रखने में मदद करता है। कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस और विटामिन्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है।यें हमारे मोटापे को कम करने में भी मदद करता है।कढ़ी पत्ते में इतने औषधीय गुण पाएं जाते है जो हमारे स्वास्थ्य को निरोग रखने में मदद करते है।

- कढ़ी पत्ते का सेवन करने से कई बीमारियों से भी छुटकारा पाया जा सकते है।मुंह में छाले होने पर और सिरदर्द से भी राहत दिलवाने में मदद करता है।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से बालों की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। कढ़ी पत्ते के सेवन से बाल जल्दी सफेद नहीं होते ।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है ।भोजन में कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पाचन क्रिया भी तंदरूस्त रहती है।
- कढ़ी पत्ता मोटोपे से भी निजात दिलवाने में मदद करता है। हर रोज कढ़ी पत्तियों को चबाकर खाने से मोटापा कम हो जाता है।
- कढ़ी पत्ते में नींबू की कुछ बूंदे मिलाकर और उसमें थोड़ी सी चीनी मिलाकर लेने ले उल्टी से राहत मिलती है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना डायबीटिज के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना किडनी के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है ।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना आंखों की रोशनी के लिए लाभकारी होता है।

आदत बदलें सेहत सुधारें

कभी-कभी छोटी-छोटी बातें फायदेमंद साबित हो जाती हैं। सेहत के मामले में भी ऐसा ही है। भले ही आप जिम नहीं जा पा रहीं या नियमित रूप से व्यायाम नहीं कर पा रही हैं, पर अपनी आदतों में हल्का-सा बदलाव लाकर भी अपनी सेहत को सुधार सकती हैं। सेहतमंद रहने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी क्या है? सही खानपान! हां, लेकिन यह काफी नहीं है। इसके साथ और भी कई चीजें हैं जो स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी हैं। खानपान की सही आदतों के साथ उन आदतों पर गौर करना बेहद जरूरी हो जाता है, जिनसे हमारी सेहत जुड़ी हुई है। विभिन्न आहारविदों का मानना है कि हम भले ही स्वास्थ्य के प्रति कितने भी सजग और सचेत हों, लेकिन हम अपनी रोजमर्रा की आदतों में खानपान के साथ-साथ कई ऐसी गलतियां करते हैं जिनका हमारे स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ता है। आइये देखें कि उन्हें कैसे सुधार सकते हैं :-

पिज्जा में सॉस ज्यादा, चीज कम

पिज्जा का मजा तो तभी आता है जब उसमें खूब सारी चीज हो। खाने में लजीज लगने वाला चीज हमारे सेहत के लिए ठीक नहीं है, क्योंकि यह पूरी तरह से सैचुरेटेड फैट होता है। खाने में ज्यादा चीज दिल का दौरा, ओवेरियन डिस्ऑर्डर, कैंसर और डायबिटीज जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है। इसलिए जब अगली बार पिज्जा ऑर्डर करें तो उसमें चीज की मात्रा कम और टोमैटो सॉस की मात्रा ज्यादा करने को कहें। टमाटर में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो शरीर में किसी भी तरह के ट्यूमर को विकसित होने से रोकते हैं।

खाने के साथ जूस हो

-ई लोग खाने के साथ कोल्ड ड्रिंक या एनर्जी ड्रिंक्स लेते हैं। कोल्ड ड्रिंक और एनर्जी ड्रिंक्स सेहत के लिए ठीक नहीं होते। इनमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा काफी ज्यादा होती है। इनका एक और नुकसान यह भी है कि ये खाने के पौष्टिक तत्वों को शरीर द्वारा अवशोषित करने नहीं देते। खाने के पौष्टिक तत्वों का पूरा लाभ उठाने के लिए कोल्ड ड्रिंक की जगह जूस लें। खासकर संतरे का जूस आयरन के अवशोषण को बढ़ा देता है।

तकिए को जांच लें

सालों साल एक ही तकिया। इन्हें बदलने के बारे में तो हम सोचते भी नहीं। लेकिन क्या आपको पता है कि गलत तकिया गर्दन, कंधों और यहां तक कि पीठ व कमर के दर्द का सबब बन सकता है? इसके अलावा इससे आलस, नींद अधूरी रहने का अहसास, थकान भी हो सकती है। इसलिए एक समय के बाद अपने तकियों को बदल डालें। लेकिन तकिये के बदलने का समय आ गया है यह कैसे पता चलेगा? तकिए को बीच से मोड़ें और फिर उसे छोड़ दें। अगर तकिया खुद दोबारा खुल जाता है तो वह अब भी इस्तेमाल लायक है, पर यदि तकिया खुलता नहीं है, तो उसे बदल डालें।

कुछ चीजों को बदलना जरूरी है

बीमारी से उठने के बाद हम कुछ चीजें करना भूल जाते हैं। मसलन, दांत साफ करने वाले ब्रश को बदलना। अगर बीमारी सर्दी या बुखार से संबंधित है तो ब्रश बदलना और भी जरूरी हो जाता है क्योंकि बीमारी के दौरान इस्तेमाल किए जाने की वजह से वे संक्रमित हो जाते हैं। ऐसे में यदि आप उन्हीं ब्रश और टंग क्लीनर को स्वस्थ होने के बाद भी इस्तेमाल करेंगी तो बीमार होने का खतरा बना रहेगा। ठीक इसी तरह आंखों के साथ भी होता है। यदि आपको आंखों में इंफेक्शन हो जाए और उस दौरान यदि आपने स्टिक काजल इस्तेमाल किया है तो उसे दोबारा इस्तेमाल न करें। सबसे आखिर में लेकिन सबसे ज्यादा जरूरी बात यह कि घर में जितनी खराब हो चुकी या एक्सपायर हो चुकी दवाएं हैं उन्हें फेंक दें।

कंधों पर ज्यादा बोझ ठीक नहीं

कंधों पर ज्यादा बोझ सेहत के लिए ठीक नहीं। अमेरिकी शोधकर्ताओं के एक हालिया रिपोर्ट की मानें तो बैग का भार 1.3 किलोग्राम से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इससे ज्यादा भारी बैग आपके शारीरिक ढांचे को यानी पोस्चर को बिगाड़ सकता है।

मुस्कान बन जाएगी आपकी पहचान

आपकी खूबसूरती को बयां करने मे आपके मोती जैसे दांतों की अहम भूमिका होती है। जितनी सुंदर आप हैं, यदि उतनी ही अच्छी आपकी मुस्कान है तो लोगों से रूबरू होने का आपका अंदाज ही निराला होगा। आजकल दांतों की सुंदरता को बरकरार रखना पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आसान हो गया है। कैसे अपने दांतों की खूबसूरती बढ़ाकर खूबसूरत मुस्कान पाएं।

स्पिलिंट से दे सही आकार - अगर आपके दांत टेढ़े-मेढ़े हैं तो आपकी मुस्कराहट प्रभावशाली नहीं हो सकती। दांतों को सही शेप देने के लिए पहले के दौर में वायरिंग की मदद ली जाती थी। आजकल वायरिंग की जगह ले ली है, अदृश्य रहने वाली स्पिलिंट्स ने। ये प्लास्टिक के वायर ही होते हैं, जो आपके दांतों पर लगाये जाते हैं ताकि आपके दांतों को सही आकार मिले। ये पारदर्शी होते हैं इसलिए अदृश्य रहते हैं और इलाज के दौरान भी आपकी मुस्कराहट उतनी ही मोहक बनी रहती है।

वाइटनिंग कराने से नहीं कोई नुकसान - कोल्ड ड्रिंक, स्मोकिंग, जंक फूड, ड्रिंकिंग ये सब ऐसी आदतें हैं जो आपके दांतों पर पायी जाने वाली सफेद परत को नुकसान पहुंचाकर उसे खराब करती हैं और हमेशा के लिये आपके दांतों की खूबसूरती छीन लेती है। अक्सर हम इस डर से अपने दांतों के पीलेपन का इलाज नहीं कराते क्योंकि हमें लगता है कि इससे हमारे दांतों को नुकसान होगा। लेकिन इस बारे मे मौलाना आजाद इंस्टिटयूट ऑफ डेंटल साइंस के डॉक्टर हिमांशु कहते हैं, 'दांतों की सफाई कराने में कोई नुकसान नहीं है। कम से कम 6 महीने में एक बार तो डेंटिस्ट से चेकअप कराकर सफाई करवानी चाहिए, क्योंकि यह पद्धति पूरी तरह से सुरक्षित होती है। बाजार में मिलने वाले वाइटनिंग टूथपेस्ट से बचना चाहिए क्योंकि उनमें कई हानिकारक केमिकल होते हैं जो आपके दांतों को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। उन्हें प्रयोग में लाने से पहले एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें।'

फिर से आया दांतों पर गहने जड़ने का फैशन

हजारों साल पहले माया सभ्यता के लोग अपने दांतों पर रत्न इत्यादि जड़वाते थे ताकि आपने दांतों को सुंदर दिखा सकें। आजकल युवाओं में ये फैशन फिर से छाया हुआ है, वजह इसकी प्रक्रिया बहुत आसान है और इसकी देखभाल भी। बस डॉक्टर्स द्वारा दांतों में भरे जाने वाले कम्पोजिट सेरेमिक से किसी भी तरह की ज्वेलरी आपके दांतों पर लगा दी जाती है और आपको बस रोजाना की तरह अपने दांतों की सफाई ही करनी होती है। तो अब आपके दांत भी आपके स्टाइल का स्पेशल हिस्सा हो सकते हैं।

इम्प्लांटेशन और सेरेमिक भी दें खूबसरती

पहले के जमाने में सोना और चांदी को लोग अपने दांतों में भरवाया करते थे, लेकिन तब वह दांतों के बीच अलग-सा दिखाई देता था। आजकल डेंटिस्ट सफेद सेरेमिक बेस के कम्पोजिट्स को दांतों के बीच की दूरी को पाटने के लिये प्रयोग करते हैं, इससे वह हिस्सा आपके दांतों में अलग से नहीं दिखाई देता और आपकी मुस्कराहट पूरी एक साथ और एक जैसी चमक बिखेरती है। इसके अलावा आजकल एक-एक दांत भी अलग से लगवाया जा सकता है और दांतों का पूरा सेट भी इंप्लांट कराया जा सकता है यानी कारण कोई भी हो आपके दांतों की खूबसूरती कभी कम नहीं होगी।

कच्चे तेल में फिर गिरावट, तनाव के बीच भी आपूर्ति बरकरार

नई दिल्ली ।

पिछले कारोबारी दिन की जोरदार उछाल के बाद गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतों में फिर गिरावट दर्ज की गई। इसकी मुख्य वजह यह रही कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद, बाजार को यह विश्वास है कि तेल की वैश्विक आपूर्ति पूरी तरह से बाधित नहीं हुई है। ताजा कारोबार में ब्रेंट क्रूड करीब 1.3 फीसदी गिरकर 86.94 डॉलर प्रति बैरल पर और डब्ल्यूटीआई क्रूड करीब 1.4 फीसदी टूटकर 83.30 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। बीते कुछ दिनों से कच्चे तेल के दामों में काफी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। बुधवार को जहां कीमतों में जोरदार उछाल आया था, वहीं मंगलवार को इनमें गिरावट दर्ज हुई थी। मौजूदा गिरावट का सबसे बड़ा कारण यही है कि लाल सागर जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों से तेल और मालवाहक जहाजों की आवाजाही लगातार जारी है। रिपोर्टों के अनुसार, मंगलवार को बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य से 39 मालवाहक जहाज गुजरे, जो हाल के दिनों में सबसे अधिक संख्या है, जिससे बाजार की चिंताएं कुछ कम हुई हैं। हालांकि, पश्चिम एशिया में सैन्य तनाव कम नहीं हुआ है। अमेरिका और ईरान समर्थित ठिकानों के बीच हमले-जवाबी हमले की खबरें आ रही हैं। ईरान ने जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी हमला करने का दावा किया है, वहीं यमन के हूती विद्रोहियों ने भी लाल सागर में जहाजों पर हमले तेज करने की चेतावनी दी है। ऐसे में, भले ही तत्काल आपूर्ति जारी है, लेकिन भविष्य में संघर्ष बढ़ने से तेल की कीमतों में फिर से उछाल आने की आशंका बनी हुई है।

सोने की कीमतों में हल्की बढ़त, चांदी के भाव फिसले

- सोने का भाव 114 रुपए चढ़कर 141895 प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,35,000 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

भारतीय सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में मिलाजुला रुख देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर जहां सोने की कीमत में हल्की बढ़त दर्ज की गई, वहीं चांदी के दाम में गिरावट आई। दिल्ली, मुंबई सहित कई प्रमुख शहरों में 22 कैरेट और 24 कैरेट सोने के भाव में बदलाव आया है। सुबह 9 बजे के आंकड़ों के अनुसार एमसीएक्स पर सोने का वायदा भाव 114 रुपये चढ़कर 141895 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी का वायदा भाव 1487 रुपये फिसलकर 215992 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया। जबकि 30 जुलाई को चांदी का खुदरा भाव 235 रुपए प्रति ग्राम और 2,35,000 रुपए प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया। शहरों में भी सोने के भाव में बदलाव देखा गया। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 14,431 रुपये प्रति ग्राम पर था, जबकि मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और केरल में इसकी कीमत 14,416 रुपये प्रति ग्राम रही। चेन्नई में यह 14,415 रुपये और वडोदरा व अहमदाबाद में 14,421 रुपये प्रति ग्राम बिका। जयपुर में 24 कैरेट सोना 82 रुपए की बढ़त के साथ 14,448 रुपए प्रति ग्राम, 22 कैरेट 75 रुपए चढ़कर 13,245 रुपए प्रति ग्राम और 18 कैरेट सोना 62 रुपए की बढ़त के साथ 10,840 रुपए प्रति ग्राम पर पहुंच गया। 22 कैरेट सोना दिल्ली में 13,229 रुपये प्रति ग्राम और अधिकांश अन्य शहरों में 13,214 रुपये प्रति ग्राम के आसपास रहा। 18 कैरेट सोने का दाम चेन्नई में 11,029 रुपये, दिल्ली में 10,827 रुपये और मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु सहित कई शहरों में 10,812 रुपये प्रति ग्राम दर्ज किया गया। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी यह मिलाजुला रुख कायम रहा। सोना 0.45 फीसदी उछलकर 4,054 डॉलर प्रति औंस पर, जबकि चांदी 0.70 फीसदी फिसलकर 57.685 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कोई बदलाव न करने के बाद, फेड चेयरमैन ने महंगाई को एक बड़ी चिंता बताया, जिससे निवेशकों की नजर फेड की आगे की नीतियों पर बनी हुई है। सोने को महंगाई से बचाव का एक अच्छा निवेश माना जाता है, और ईरान-यूएस हमलों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और वैश्विक तनाव ने भी सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने को सहारा दिया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 274 अंक , निफ्टी 66 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। इस प्रकार यह लगातार दूसरा कारोबारी सत्र है जब प्रमुख बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी देखने को मिली है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 273.55 अंक बढ़कर 77,928.15 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 66.95 अंक बढ़कर 24,317.15 पर बंद हुआ। आज निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में गिरावट रही। आज निफ्टी ऑटो के शेयर सबसे अधिक उछले। निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी मीडिया और निफ्टी आईटी के शेयरों में बढ़त रही। वहीं इसके विपरीत, निफ्टी रियल्टी सूचकांक में सबसे अधिक गिरावट रही। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी फार्मा इंडेक्स के शेयरों में भी गिरावट रही। निफ्टी में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में एम एंड एम, कोल इंडिया, आइशर मोटर्स, मारुति सुजुकी, टीएमपीवी और विप्रो शामिल थे जबकि एचडीएफसी लाइफ, श्रीराम फाइनेंस, एसबीआई लाइफ, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और इंडिगो के शेयर गिरे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की मिली-जुली शुरुआत रही। शुरुआती कारोबार में जहां प्रमुख सूचकांकों में मामूली उतार-चढ़ाव दिखा, वहीं सेक्टरों के प्रदर्शन में बड़ा अंतर दर्ज किया गया। सुबह 9ः19 बजे तक सेंसेक्स हल्की गिरावट के साथ 77,619.20 पर था, जबकि निफ्टी50 मामूली बढ़त के साथ 24,261.90 पर कारोबार कर रहा था।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.56 पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गुरुवार को रुपया 95.59 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में कुछ बढ़त गंवाकर 95.63 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव की तुलना में 13 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया बुधवार को छह पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.76 पर बंद हुआ था। इससे पहले मंगलवार को यह 17 पैसे की बढ़त के साथ 95.82 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। उससे पहले लगातार दो कारोबारी सत्रों में इसमें कुल 74 पैसे की मजबूती आई थी। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 101.79 पर रहा।

गोल्ड लोन नियमों में हुआ बदलाव, अब चुकानी होगी मासिक किस्त

छोटे कर्जदारों को होगी परेशानी, एनपीए बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली । सोने के गहने गिरवी रखकर कर्ज लेने वाले ग्राहकों को जल्द ही एक बड़े बदलाव का सामना करना पड़ सकता है। एक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार देश का गोल्ड लोन बाजार अब एक संरचनात्मक परिवर्तन से गुजरेगा, जहां एकमुश्त भुगतान (बुलेट पेमेंट) की जगह नियमित मासिक किस्त (ईएमआई) प्रणाली लागू होगी। यह बदलाव कर्ज चुकाने का तरीका बदलने के साथ-साथ गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में भी वृद्धि ला सकता है।` रिपोर्ट के अनुसार एनबीएफसी के करीब 90 फीसदी ग्राहक बुलेट पेमेंट का इस्तेमाल करते थे, जहां मूलधन और ब्याज का एकमुश्त भुगतान लोन अवधि के अंत में होता था। यह प्रणाली अब नियमित मासिक किस्त में बदल जाएगी। ग्राहकों को हर महीने भुगतान करना होगा और इसमें ढलने में मुश्किल होने से निकट भविष्य में एनपीए बढ़ने का अनुमान है। यह बदलाव बैंकों और एनबीएफसी के लिए सोने के भाव में उतार-चढ़ाव से जुड़े जोखिम को कम करेगा। इक्रा का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026-28 तक गोल्ड लोन बाजार 30 फीसदी से अधिक की सीएजीआर से बढ़कर 30 लाख करोड़ रुपये को पार कर जाएगा। एनबीएफसी की बाजार हिस्सेदारी भी 23 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद है।

शेयर बाजार की चकाचौंध पर भीतर से कमजोर, कहीं खतरे की घंटी तो नहीं?

दिख रहा मजबूत बाजार, पर असलियत है कुछ और

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार भले ही मौजूदा समय में मजबूत दिखाई दे रहा हो, लेकिन एक ब्रोकरेज फर्म ने इसके पीछे की वास्तविक तस्वीर को लेकर चिंता जताई है। फर्म का कहना है कि बाजार की मौजूदा रफ्तार मुख्य रूप से घरेलू निवेशकों की खरीदारी पर टिकी है, जबकि कंपनियों की कमाई की वृद्धि धीमी पड़ रही है और अर्थव्यवस्था में कई संरचनात्मक चुनौतियां बनी हुई हैं। इस माहौल में फर्म ने निवेशकों को रक्षात्मक क्षेत्रों में निवेश करने की सलाह दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय कंपनियों की कमाई की रफ्तार अब पहले जैसी तेज नहीं रही है और बाजार का वैल्यूएशन भी कम हो रहा है। इसके बावजूद बाजार में बड़ी गिरावट न आने का मुख्य कारण घरेलू संस्थागत निवेशकों की लगातार खरीदारी है। फर्म ने चेतावनी दी है कि यदि यह सहारा कमजोर पड़ता है, तो बाजार पर दबाव बढ़ सकता है, खासकर तब जब विदेशी निवेशक भी बाजार से दूरी बनाए हुए हैं।

रिपोर्ट में अर्थव्यवस्था की सुस्त पड़ती रफ्तार पर भी प्रकाश डाला गया है। कागजी आंकड़ों और जमीनी हकीकत के बीच बढ़ता अंतर चिंता का विषय है। साथ ही शहरों में वेतन वृद्धि की धीमी गति और ग्रामीण आय में कमी के कारण आम लोगों की क्रय शक्ति पर दबाव है। बढ़ती महंगाई के साथ यह स्थिति उपभोक्ता खर्च और कंपनियों की बिक्री को प्रभावित कर सकती है। बाहरी मोर्चे पर, पश्चिम एशिया में तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में संभावित उछाल और रुपये पर दबाव बाजार के लिए प्रमुख जोखिम बने हुए हैं। ब्रोकरेज ने बैंकिंग क्षेत्र पर भी दबाव का जिक्र किया, जहां लोन वृद्धि के बावजूद जमा दरों में वृद्धि से बैंकों का नेट इंटरेस्ट मार्जिन प्रभावित हो रहा है। इन चुनौतियों के मद्देनजर ब्रोकरेज फर्म ने निवेशकों को फार्मा, डिफेंस और एफएमसीजी जैसे डिफेंसिव सेक्टरों पर भरोसा करने की सलाह दी है।

वैश्विक सोने की मांग स्थिर, केंद्रीय बैंकों की खरीद में रिकॉर्ड उछाल

अप्रैल-जून में निवेश मांग घटी, लेकिन ओटीसी और सरकारी खरीद ने संभाला

मुंबई ।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष की दूसरी (अप्रैल-जून) तिमाही में वैश्विक सोने की कुल मांग लगभग स्थिर रहकर 1,269 टन दर्ज की गई। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की समान तिमाही के लगभग बराबर रहा, जो शुरुआती बाजार में आई कुछ नरमी के बावजूद मांग में स्थिरता दर्शाता है। रिपोर्ट बताती है कि केंद्रीय बैंकों की रिकॉर्ड खरीद और ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) निवेश ने गिरावट को थामे रखा। डब्ल्यूजीसी की क्यू2 2026 गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 की पहली छमाही (जनवरी-जून) में सोने की मांग सालाना आधार पर दो प्रतिशत बढ़कर अनुमानित 2,522 टन रही, जिसका मूल्य 3,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा।दूसरी तिमाही में गोल्ड ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड), सोने के बिस्कुट और सिक्कों में निवेश घटकर 262 टन रह गया। सोने की कीमतों में नरमी आने से वर्ष की शुरुआत में देखी गई मजबूत निवेश गति धीमी पड़ गई। हालांकि, गोल्ड ईटीएफ से 45 टन की निकासी के बावजूद, पहली छमाही में ईटीएफ की कुल मांग 18 टन के साथ सकारात्मक बनी रही। सोने के बिस्कुट व सिक्कों में निवेश अपेक्षाकृत स्थिर रहा, तिमाही में तीन प्रतिशत घटा, लेकिन पहली छमाही में यह 21 प्रतिशत अधिक रहा। वहीं एशियाई निवेशकों के मजबूत समर्थन से ओटीसी बाजार में मांग दूसरी तिमाही में 327 टन रही, जिसने कुल मांग को सहारा दिया। डब्ल्यूजीसी के भारत प्रमुख सचिन जैन ने बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में केंद्रीय बैंकों और अन्य आधिकारिक संस्थानों ने अपने भंडार में शुद्ध 289 टन सोना जोड़ा, जो सालाना आधार पर 62 प्रतिशत अधिक है।

एचएफसीएल को 441 करोड़ रुपए का नया निर्यात ठेका मिला

नई दिल्ली ।

दूरसंचार उपकरण विनिर्माता कंपनी एचएफसीएल को ऑप्टिकल फाइबर केबल के निर्यात के लिए 4.61 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 441.53 करोड़ रुपये) का ठेका मिला है। कंपनी ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस ठेके को जनवरी, 2027 तक पूरा किया जाना है।

एचएफसीएल ने कहा` कि कंपनी को अपनी विदेशी अनुषंगी के माध्यम से एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ग्राहक से ऑप्टिकल फाइबर केबल की आपूर्ति के लिए 4.61 करोड़ अमेरिकी डॉलर (441.53 करोड़ रुपये) का निर्यात ठेका मिला है।''इस महीने की शुरुआत में भी एचएफसीएल को एक अंतराष्ट्रीय डेटा सेंटर कंपनी से ऑप्टिकल फाइबर केबल की आपूर्ति के लिए 495.8 करोड़ रुपये का निर्यात ऑर्डर मिला था। एचएफसीएल ने अपनी फाइबर ऑप्टिक केबल उत्पादन क्षमता को 3.9 करोड़ फाइबर-रूट किलोमीटर (आरकेएम) प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 4.5 करोड़ फाइबर-रूट किलोमीटर करने की घोषणा की है। कंपनी ऑप्टिकल फाइबर की उत्पादन क्षमता भी तीन करोड़ फाइबर-रूट किलोमीटर (आरकेएम) प्रतिवर्ष से बढ़ाकर चार करोड़ फाइबर-रूट किलोमीटर कर रही है।कंपनी के ऑप्टिकल फाइबर केबल कारोबार की ऑर्डर बुक गत वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 13,483 करोड़ रुपये थी।

एथनॉल के डर से हाई-ऑक्टेन पेट्रोल की बिक्री दोगुनी से ज्यादा बढ़ी

जुलाई में विवाद बढ़ने से मांग में तेजी, अधिकारी बोले, यह उछाल अस्थायी

नई दिल्ली ।

एथनॉल मिश्रित पेट्रोल से गाड़ियों को संभावित नुकसान पहुंचने की बढ़ती चिंताओं के बीच हाल के महीनों में एथनॉल-मुक्त 100-ऑक्टेन प्रीमियम पेट्रोल की बिक्री दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है। यह उछाल जुलाई माह में खास तौर पर ज्यादा देखा गया, जब पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण को लेकर विवाद अपने चरम पर था, जिसने उपभोक्ताओं की चिंताएं बढ़ा दीं। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल मार्केटिंग कंपनियां इंडियन ऑयल (एक्सपी100), भारत पेट्रोलियम (स्पीड100) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (पावर100) ब्रांड के तहत यह उच्च-ऑक्टेन ईंधन बेचती हैं। यह विशेष रूप से सुपरकार, लक्जरी सिडैन और सुपरबाइक जैसी उच्च-प्रदर्शन वाली गाड़ियों के लिए डिज़ाइन किया गया है। हालांकि, देश की कुल पेट्रोल बिक्री में इसकी हिस्सेदारी महज 0.1 प्रतिशत है, लेकिन सोशल मीडिया पर एथनॉल मिश्रित पेट्रोल से वाहनों को नुकसान पहुंचने के दावों ने इसकी मांग में अचानक वृद्धि कर दी है। सूत्रों के अनुसार एथनॉल-मुक्त पेट्रोल की इस बढ़ी हुई मांग का सबसे ज्यादा असर दिल्ली में देखा गया है। राष्ट्रीय राजधानी में 100-ऑक्टेन प्रीमियम पेट्रोल की कीमत लगभग 160 रुपये प्रति लीटर है, जो सामान्य पेट्रोल (20 फीसदी एथनॉल मिश्रित, 102.12 रुपए लीटर) से लगभग 57 फीसदी महंगा है।

हाई-कैफीन ड्रिंक्स पर एनर्जी ड्रिंक का टैग लगाने पर रोक

कंपनियों को लेबल बदलने के लिए 90 दिन का समय

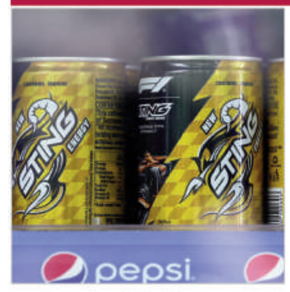

नई दिल्ली ।

भारत के खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने हाई-कैफीन वाले पेय पदार्थों पर एनर्जी ड्रिंक शब्द के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है।` नियामक का कहना है कि इन उत्पादों के लिए देश में कोई आधिकारिक मानक नहीं हैं, और शरीर को ऊर्जा देता है या कमजोरी दूर करता है जैसे दावे ग्राहकों को गुमराह कर सकते हैं। एफएसएसएआई ने कंपनियों को अपने उत्पादों पर ऐसे दावे करने से भी रोका है। इस निर्देश का पेप्सी सहित कई कंपनियों ने शुरू में विरोध किया था, उनका तर्क था कि इससे उनके ब्रांड और बिक्री पर नकारात्मक असर पड़ेगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार कंपनियों ने अंततः नियमों का पालन करने पर सहमति व्यक्त कर दी है, और एफएसएसएआई ने उन्हें लेबल बदलने के लिए 90 दिन का समय दिया है। यह कदम ऐसे समय में आया है

जब दुनिया भर में हाई-कैफीन, चीनी और टॉरिन युक्त पेय पदार्थों से जुड़ी स्वास्थ्य चिंताओं के कारण इन पर लगाम कसी जा रही है। उदाहरण के लिए इंग्लैंड अगले साल अप्रैल से 16 साल से कम उम्र के बच्चों को ऐसे पेय बेचने पर प्रतिबंध लगाएगा।

इंडियन बेवरेज एसोसिएशन ने सरकार के नियमों का पालन करने का आश्वासन दिया है और विज्ञान आधारित नीतियों का समर्थन किया है। हालांकि, एसोसिएशन ने एफएसएसएआई से किसी भी बड़े नियम को लागू करने से पहले कंपनियों से चर्चा करने का आग्रह किया है

ताकि नियमों का सुचारु कार्यान्वयन हो सके और विवादों को टाला जा सके।

फेड ने ब्याज दरें अपरिवर्तित रखीं, महंगाई पर कड़ा रुख जारी

तीन एफओएमसी सदस्यों ने दर वृद्धि का किया समर्थन

नई दिल्ली ।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने अपनी नवीनतम मौद्रिक नीति बैठक में प्रमुख ब्याज दरों को 3.50 फीसदी से 3.75 फीसदी के दायरे में अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया है। यह फैसला बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहा, लेकिन नीति निर्धारण समिति के तीन सदस्यों ने दर में 0.25 फीसदी की वृद्धि का समर्थन कर आंतरिक मतभेद को उजागर किया।

फेड ने उच्च महंगाई पर कड़ी नजर रखने की बात दोहराई है। क्लीवलैंड, डलास और मिनियापोलिस फेडरल रिजर्व बैंकों के अध्यक्षों ने मौजूदा आर्थिक स्थितियों के मद्देनजर दरों में वृद्धि को उचित बताया। उन्होंने अप्रैल की बैठक में भी ब्याज दरों में नरमी के संकेतों का विरोध किया था। नए फेड चेयर केविन वॉर्श के नेतृत्व में फेड ने बयान दिया कि महंगाई दर अभी भी उसके 2% के दीर्घकालिक लक्ष्य से ऊपर है। केंद्रीय बैंक ने भविष्य के फैसलों के लिए आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर रहने का संकेत दिया, और महंगाई को लेकर अपने सख्त रुख में कोई नरमी नहीं दिखाई।

फेड ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत बताया, जिसमें आर्थिक गतिविधियां ठोस गति से बढ़ रही हैं और रोजगार बाजार भी स्थिर बना हुआ है। रोजगार सृजन की रफ्तार श्रमबल की वृद्धि के अनुरूप है। इस फैसले के बाद अमेरिकी शेयर बाजारों में शुरुआती गिरावट कम हुई, जबकि ट्रेजरी बॉन्ड की यील्ड में तेजी सीमित रही और डॉलर कमजोर हुआ। बाजार अब आगामी आर्थिक आंकड़ों पर केंद्रित है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने गो डिजिट में किया 139 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली ।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस में करीब 0.62 प्रतिशत हिस्सेदारी 139 करोड़ रुपये में खरीदी है। यह सौदा उद्यम पूंजी कंपनी पीक एक्सवी पार्टनर्स से किया गया, जैसा कि एनएसई पर उपलब्ध सौदे के आंकड़ों से पता चला है। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड के 57,21,378 शेयर खरीदे। इस सौदे का औसत मूल्य 243 रुपये प्रति शेयर रहा, जिससे कुल सौदे का मूल्य 139.03 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

इस लेनदेन में अमेरिका की पीक एक्सवी पार्टनर्स ने अपनी संबद्ध इकाई पीक एक्सवी पार्टनर्स ग्रोथ इन्वेस्टमेंट्स-3 के माध्यम से इतनी ही संख्या में शेयर इसी कीमत पर बेचे। यह उल्लेखनीय है कि पिछले महीने भी पीक एक्सवी पार्टनर्स ने गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस के 33.3 लाख से अधिक शेयर 100 करोड़ रुपये में बेचे थे।

हाल ही में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने मंगलवार को गोडिजिट इन्फोवर्क्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के गोडिजिट जनरल इंश्योरेंस में प्रस्तावित विलय को मंजूरी दी थी।

गोडिजिट जनरल इंश्योरेंस भारत में विभिन्न सामान्य और स्वास्थ्य बीमा उत्पाद एवं सेवाएं प्रदान करती है।

मनमोहन सिंह के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई समाप्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही समाप्त कर दी है। अदालत ने 2015 में जारी समन और निचली अदालत के आदेश को निरस्त करते हुए कहा, सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को खारिज करने का कोई ठोस आधार नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में माना है, डॉ. सिंह के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद नहीं थे। इस फैसले को पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा के लिए महत्वपूर्ण राहत माना जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह अब स्वर्गवासी हो चुके हैं। उनकी मृत्यु के बाद सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला उनके किस काम का है। यह कहना मुश्किल है। फिर भी यह कहा जा सकता है कि उनके ऊपर जो दाग लगा था। इस फैसले के बाद वह धूल गया है।

फोन कॉल पर सैकड़ों महिलाओं ने कराया मुंडन, सरकारी योजना के नाम पर पाखंड

सलेम (एजेंसी)। तमिलनाडु में सरकारी योजना का लाभ दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगों ने सैकड़ों महिलाओं से मुंडन करवा दिया। ठगों ने खुद को तहसीलदार बताकर फोन किया। साइबर ठगों ने दावा किया,सरकार मुंडन कराने वाली महिलाओं को 15,000 रुपये, पुरुषों को 6,000 तथा कॉलेज की छात्राओं को 45,000 रुपये की विशेष सहायता राशि दे रही है। योजना का लाभ पाने के लिए पहले मुंडन कराकर फोटो और दस्तावेज भेजने की बात कही गई। सरकारी अधिकारी के नाम पर आए फोन पर विश्वास कर बड़ी संख्या में लोगों ने मुंडन करा लिया। बाद में जब तहसील कार्यालय में योजना की जानकारी ली गई। पता चला कि ऐसी कोई सरकारी योजना अस्तित्व में ही नहीं है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है, किसी भी सरकारी योजना की जानकारी केवल आधिकारिक माध्यमों से सत्यापित करें. ऐसे भ्रामक फोन कॉल से सावधान रहें।

तमिलनाडु के स्कूलों में बच्चों को मिलेगी चिकन बिरयानी, विजय सरकार कर रही विचार

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम थलपति विजय जल्द ही स्कूली बच्चों को बड़ा तोहफा दे सकते हैं। चर्चा है कि विजय सरकार स्कूली बच्चों को हर हफ्ते चिकन बिरयानी देने की तैयारी कर रही है। इस मामले में एक प्रस्ताव पर समीक्षा की जा रही है और जल्द ही इसे धरातल पर उतारा जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस योजना को लागू करने के लिए तमिलनाडु की स्कूली पोषण योजना में बदलाव किया जाएगा। नए बदलावों में सरकारी स्कूलों के छात्रों को हफ्ते में एक दिन चिकन बिरयानी देने का प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक राज्य के स्कूली शिक्षा मंत्री राजमोहन ने बीते दिनों यह विचार सीएम विजय के सामने रखा। रिपोर्ट के मुताबिक प्रस्ताव पर बात करते हुए स्कूली शिक्षा मंत्री राजमोहन ने तमिलनाडु के सियासी इतिहास और बच्चों के लिए पूर्व में मौजूद पोषण कार्यक्रमों का जिक्र किया। राजमोहन ने कहा कि के कामराज ने मिड-डे मील योजना की शुरुआत की, कलाईग्नार करुणानिधि ने इसमें अंडे जोड़े, एमजीआर ने इसे न्यूट्रिशियस मील प्रोग्राम में बदला और जयललिता ने पूरे हफ्ते अंडे बांटने की व्यवस्था की। इसी तरह मेरी भी इच्छा है कि हमारी सरकार के तहत सरकारी स्कूलों में हफ्ते में एक दिन छात्रों को चिकन बिरयानी दी जाए। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि सीएम विजय इस प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं और अंतिम फैसला लिया जाना बाकी है।

जिस वर्ग को कॉकरोच कहकर अपमानित किया, वे जेन-जी युवा हैं : उद्धव ठाकरे

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने जेन-जी और खासकर कॉकरोच की तुलना छत्रपति शिवाजी महाराज से की है। उन्होंने कहा कि जिस तरह आज की नई पीढ़ी को कॉकरोच कहकर खारिज किया जा रहा है, ठीक उसी तरह मुगलों ने भी मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज को चूहा कहा था। उद्धव ने कहा कि यदि युवाओं को कॉकरोच कहा जाएगा, तो उनका नाराज होना स्वाभाविक है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई में एक कार्यक्रम में पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा कि लगभग 13 से 28 साल की आयु वाले जिस वर्ग को कॉकरोच कहकर अपमानित किया गया, वे वास्तव में जेन-जी श्रेणी के युवा हैं। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज भी केवल 17 साल के थे जब उन्होंने तोरणा किला जीता था और संत ज्ञानेश्वर ने भी बेहद कम उम्र में ज्ञानेश्वरी की रचना की थी। उद्धव ने आगे कहा कि जिन्हें कॉकरोच कहकर अपमानित किया गया, वे उसी वर्ग से आते हैं जिसे अब हम जनरेशन जी कहते हैं, जिनकी उम्र करीब 13-14 से 27-28 साला के बीच है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि आवाज उठाने और अन्याय के खिलाफ बोलने पर आज के युवाओं को छोटा या कमतर नहीं आंका जाना चाहिए। बता दें उद्धव ठाकरे का यह बयान ऐसे समय में आया है जब संसद के चल रहे मॉनसून सत्र में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता अपने भाषणों के दौरान जेन-जी की शब्द और स्लैंग्स का खुलकर इस्तेमाल कर रहे हैं। केंद्र सरकार के सुधारों का बचाव करने वाले सत्ता पक्ष के सदस्यों से लेकर नीट विवाद पर सरकार को घेरने वाले विपक्षी सांसदों तक सभी ने सोशल मीडिया पर मशहूर इन शब्दों का बहसों में इस्तेमाल किया है। उद्धव ठाकरे ने लोकसभा सदस्यों की संख्या बढ़ाने से जुड़े प्रस्तावित विधेयक के औचित्य पर सवाल उठाते हुए उद्धव ने आरोप लगाया कि इस विधेयक के समर्थन के लिए सांसदों को अपनी ओर किया जा रहा है। उद्धव का इशारा पिछले महीने शिवसेना (यूबीटी) के छह लोकसभा सदस्यों के एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना में शामिल होने के घटनाक्रम की ओर था। उद्धव ने कहा कि सांसदों की संख्या बढ़ाने के बजाय रोजगार के अवसर बढ़ाइए। उन्होंने सवाल किया कि यदि मौजूदा 550 सांसदों को ही सदन में बोलने का पर्याप्त अवसर नहीं मिलता है, तो 850 सांसदों को बोलने का समय कैसे मिलेगा। उन्होंने नीट पेपर लीक मामले को लेकर हुए छात्र आंदोलन और तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करने वाले युवाओं की तारीफ की। उद्धव ने कहा कि जब सभी को लगने लगा था कि लोकतंत्र खत्म हो गया है, तब युवाओं ने अपने आंदोलन के जरिये उसमें नई जान डाल दी।

सख्त सजा से ज्यादा जरूरी है पेपर लीक होने की संभावना को खत्म करना

डिंपल यादव सहित विपक्षी सांसदों ने केंद्र सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक और अनुचित साधनों पर सख्ती बढ़ाने के उद्देश्य से लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 को बुधवार को लोकसभा से ध्वनिमत से पारित करा लिया। विधेयक में पेपर लीक और संगठित परीक्षा घोटालों के लिए कड़ी सजा, भारी जुर्माने, समयबद्ध जांच और फास्ट ट्रैक अदालतों का प्रावधान किया गया है। हालांकि, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने इस कानून को अधूरा बताते हुए कहा कि इसमें पेपर लीक रोकने के मूल उपायों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है।

सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि सरकार का ध्यान मुख्य रूप से पेपर लीक होने के बाद की कार्रवाई पर है, जबकि सबसे जरूरी सवाल यह है कि ऐसी घटनाओं को होने से पहले कैसे रोका जाए। उनके अनुसार, फास्ट ट्रैक कोर्ट, सख्त सजा और भारी जुर्माना आवश्यक हैं, लेकिन परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों को दूर किए बिना समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं होगा। रांका ने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में व्यापक सुधार किए जाएं, कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) को वैधानिक निकाय का दर्जा मिले, परीक्षा कैलेंडर और पाठ्यक्रम में पारदर्शिता लाई जाए तथा परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े वेंडरों और कोचिंग संस्थानों की सख्त निगरानी हो। उन्होंने कहा कि ब्लैकलिस्ट किए गए वेंडरों को दोबारा काम करने से रोकना, डिजिटल और भौतिक ऑडिट को अनिवार्य बनाना तथा पूरी परीक्षा व्यवस्था को मजबूत करना समय की मांग है।

उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि जल्दबाजी में निर्णय लेने के बजाय शिक्षा और परीक्षा प्रणाली से जुड़े विशेषज्ञों से व्यापक विचार-विमर्श किया जाए। उनका कहना है कि यह केवल कानून का नहीं, बल्कि देश के करोड़ों छात्रों के भविष्य का सवाल है। लोकसभा में विधेयक पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस और हंगामा भी हुआ। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सरकार की ओर से चर्चा का जवाब दिया, जिसके बाद सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को मंजूरी दे दी। संशोधित कानून के तहत प्रश्नपत्र लीक करने या अन्य अनुचित साधनों का उपयोग करने पर न्यूनतम पांच वर्ष और अधिकतम दस वर्ष तक की सजा तथा 50 लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। संगठित अपराध के मामलों में न्यूनतम सात वर्ष की कैद और 10 करोड़ रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकेगा। साथ ही सभी जांच दो महीने के भीतर पूरी करने और आरोपपत्र दाखिल होने के तीन महीने के अंदर मुकदमे का निपटारा करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फास्ट ट्रैक अदालतें स्थापित करने का भी प्रस्ताव है। इस बीच केंद्र सरकार पहले ही परीक्षा सुधारों के लिए इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता में छह सदस्यीय टास्क फोर्स का गठन कर चुकी है। यह समिति परीक्षा प्रणाली में सुधार और भविष्य में पेपर लीक जैसी घटनाओं की रोकथाम के लिए व्यापक सुझाव तैयार करेगी।

पार्टी में कोई भूमिका नहीं मिलने से नाराज पन्नीरसेल्वम, थाम सकते हैं टीवीके का दामन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के पूर्व सीएम और डीएमके विधायक ओ. पन्नीरसेल्वम नाराज बताए जा रहे हैं। उनकी नाराजगी डीएमके के साथ है। वह पार्टी में कोई भूमिका नहीं मिलने से नाराज हैं। बता दें उन्होंने हाल ही में पार्टी छोड़ने की खबरों का खंडन किया था। सूत्रों का कहना है कि डीएमके में शामिल हुए छह महीने बीत जाने के बाद भी वे और उनके बेटे दोनों को ही पार्टी के भीतर कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीते विधानसभा चुनाव में थेनी सीट से विधायक बनने के बाद पन्नीरसेल्वम को थेनी लोकसभा क्षेत्र में कोई अहम भूमिका या जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई है। इसका मुख्य कारण यह माना जा रहा है कि वहां से डीएमके सांसद थंगा तमिल सेल्वन का निर्वाचन क्षेत्र में दबदबा है और वे ही वहां के राजनीतिक मामलों को देख रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि क्षेत्र में अपनी उपेक्षा और अहम पद न मिलने से निराश होकर पन्नीरसेल्वम और उनके बेटे ओपी रवींद्रनाथ अब डीएमके को अलविदा कहने और अभिनेता-नेता विजय की पार्टी टीवीके में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। बता दें तमिलनाडु में चुनावों में अपने इतिहास में पहली बार तीसरे स्थान पर खिसकने और लगातार चुनावी हार का सामना करने के बाद, तमिलनाडु में मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक में भी हाल के दिनों टूट का सिलसिला जारी रहा। बीते महीने चार लोकप्रिय पूर्व मंत्रियों और कई पूर्व विधायकों ने अन्नाद्रमुक का साथ छोड़कर सीएम विजय की सत्ताधारी पार्टी टीवीके का दामन थाम लिया था। टीवीके में शामिल होने वाले प्रमुख नेताओं में पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता उडुमलाई के राधाकृष्णन, एम सी संपत, कड़म्बूर सी राजू और एन आर शिवपति शामिल हैं। इन सभी नेताओं ने पूर्वी तट मार्ग पर स्थित पनायुर उपनगर में टीवीके के मुख्य कार्यालय का दौरा किया। वहां उन्होंने टीवीके के महासचिव आनंद और चुनाव अभियान प्रबंधन महासचिव आधाव अर्जुना से मुलाकात की और पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

छात्रों पर गोली चली ही नहीं, तो फायरिंग का आदेश देने का सवाल ही नहीं उठता

-बीजेपी सांसद पात्रा ने कहा राहुल गांधी तथ्यों के बजाय जनता में भ्रम फैला रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में छात्रों पर फायरिंग और गृह मंत्री अमित शाह पर लगाए गए आरोपों को लेकर बीजेपी सांसद संबित पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी तथ्यों के बजाय भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी को कानून और प्रक्रिया की जानकारी नहीं है तो उन्हें अपनी पार्टी के नेताओं से जानकारी लेनी चाहिए, लेकिन जागते हुए जो सो रहे हैं, उन्हें जगाया नहीं जा सकता।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी ने लोकसभा में दावा किया कि छात्र आंदोलन में पुलिस ने गोली चलाई और इसका आदेश गृह मंत्री अमित शाह ने दिया। बीजेपी ने इन आरोपों को पूरी तरह झूठ और निराधार बताते हुए कहा कि छात्रों पर गोली चली ही नहीं, इसलिए फायरिंग का आदेश देने का सवाल ही नहीं उठता। संबित पात्रा ने कहा कि किसी भी प्रदर्शन या मार्च के दौरान यदि कानून-व्यवस्था की स्थिति बनती है तो मौके पर मौजूद मजिस्ट्रेट परिस्थितियों के मुताबिक फैसा लेते हैं। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री इस तरह की कार्रवाई का आदेश नहीं देते। ऐसे में अमित शाह पर लगाया गया आरोप जनता को गुमराह करने वाला है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के भाषण में इडियट और अंधभक्त जैसे शब्दों के इस्तेमाल पर भी आपत्ति जताई। पात्रा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने छात्रों को अलग-अलग श्रेणियों में बांटते हुए उनका अपमान किया। उन्होंने कहा कि देश का हर छात्र एक विद्यार्थी है और किसी भी छात्र को इडियट या अंधभक्त कहना स्वीकार नहीं किया जा सकता। लोकसभा में राहुल गांधी की ओर से गृह मंत्री अमित शाह की अनुपस्थिति पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए पात्रा ने कहा कि अमित शाह किसी भी कार्यक्रम में छिपकर नहीं जाते।

उन्होंने दावा किया कि गृह मंत्री के सभी सार्वजनिक कार्यक्रम पहले से घोषित होते हैं और जिस समय राहुल गांधी भाषण दे रहे थे, उस दौरान भी अमित शाह सदन में मौजूद थे। पात्रा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने केवल सनसनी फैलाने के लिए उनका नाम लिया। पात्रा ने कहा कि सार्वजनिक परीक्षाओं में गड़बड़ियों को रोकने के लिए सरकार पहले ही 2024 में कानून बना चुकी थी और अब उसे और ज्यादा कठोर बनाने के लिए संशोधन लाया गया है। उन्होंने बताया कि इस विधेयक पर करीब 45 सांसदों ने चर्चा की और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने इसे लोकसभा में पेश किया। पात्रा ने इसके लिए पीएम मोदी का आभार माना।

पंजाब में पेपर लीक मामले में सीजेपी की चुप्पी पर उठा रहे सवाल

बीजेपी, कांग्रेस ने मांगा शिक्षा मंत्री का इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को 36 दिनों के छात्र आंदोलन के बाद इस्तीफा देना पड़ा। इस घटना ने पूरे देश में पेपर लीक के मामलों पर सरकारों की जवाबदेही पर नए सिरे से बहस छेड़ दी है। इसी पृष्ठभूमि में, पंजाब में भी पेपर लीक का मुद्दा गर्माया हुआ है, लेकिन भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार फिलहाल पूरे मामले में चुप है। फरीदकोट स्थित बाबा फरीद यूनिवर्सिटी से जुड़ी फार्मेसी ऑफिसर परीक्षा के पेपर लीक और नकल का मामला सामने आने के बाद सूबे की राजनीति में उबाल आ चुका है। कांग्रेस, भाजपा और शिरोमणि अकाली दल सहित सभी प्रमुख विपक्षी दल मान सरकार के खिलाफ लामबंद हैं। विपक्षी दल पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस और स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं, उनका तर्क है कि जब केंद्र सरकार ने नैतिकता के आधार पर अपने मंत्री का इस्तीफा लिया, तब पंजाब की आप सरकार क्यों अपनी विफलताओं से मुंह मोड़ रही है?

जहां कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन कर आरोप लगाया कि बीते साढ़े चार सालों में मान सरकार के कार्यकाल में फार्मेसी भर्ती परीक्षा, 12वीं अंग्रेजी परीक्षा, ग्रुप-बी पेपर, नायब तहसीलदार और कृषि अधिकारी भर्ती परीक्षा सहित कम से कम छह बड़े पेपर लीक हुए हैं, जिससे लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। लेकिन इस पर सीएम मान और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल चुप्पी साधे हुए है। हालांकि, मुख्यमंत्री भगवंत मान इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दावा किया है कि उनकी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। सरकार का तर्क है कि जो मामला सामने आया, वह असल में हाई-टेक नकल गिरोह का था, जिसमें पेन कैमरे और ब्लूटूथ डिवाइस का इस्तेमाल हुआ था, और पुलिस ने तत्परता दिखाकर आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया। विपक्षी दल इस तर्क को सिरे से खारिज कर इस मान सरकार की विफलता छिपाने का प्रयास बता रहे हैं, उनका कहना है कि परीक्षा की पवित्रता का भंग होना सीधे तौर पर व्यवस्था की चूक है।

इस बीच, सबसे बड़ा सवाल कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की चुप्पी पर उठ रहा है, जिसने जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के खिलाफ आक्रामक छात्र आंदोलन का नेतृत्व किया था। विपक्षी दल, विशेषकर दिल्ली भाजपा सरकार में शिक्षा मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, सीजेपी पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगा रहे हैं। सिरसा ने सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके को उनके पुराने वादे की याद दिलाकर कहा कि उन्हें पंजाब के युवाओं के लिए भी आवाज उठानी चाहिए। उनका सवाल है कि दिल्ली में हमलावर रहने वाली सीजेपी पंजाब के छात्रों के भविष्य पर खामोश क्यों है?

वहीं, सीजेपी के फाउंडर दीपके ने फिलहाल वेट एंड वाच मोड में रहने की बात कही है। उन्होंने मीडिया से थोड़ा समय देने का आग्रह कर कहा कि उनकी टीम पंजाब के मुद्दे पर रणनीति बना रही है और जल्द ही आगे की योजना का ऐलान होगा। उनका तर्क है कि दिल्ली का आंदोलन हाल ही में खत्म हुआ है, इसलिए उन्हें पूरी तैयारी के साथ नए मुद्दे पर उतरने के लिए समय चाहिए। बहरहाल, पंजाब में पेपर लीक का मुद्दा लगातार गरमा रहा है और मान सरकार पर बढ़ता राजनीतिक दबाव साफ दिख रहा है। विपक्ष की आक्रामकता और छात्र संगठनों के संभावित लामबंदी के बीच, सीजेपी की चुप्पी भी अब सवालों के घेरे में आ गई है, जिससे यह मामला और भी जटिल होता जा रहा है।

घायल के इलाज का आदेश देकर बोला सुप्रीम कोर्ट- असाधारण परिस्थितियों में कर सकते पैलेट गन का इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन के दौरान घायल हुए लोगों, विशेषकर पैलेट गन के छर्रों से जख्मी हुए प्रदर्शनकारियों के इलाज का निर्देश रेखा गुप्ता सरकार को दिया है। शीर्ष अदालत ने इस दौरान पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर भी महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ, जिसमें जस्टिस जॉयमाला बागची और जस्टिस वी. मोहाना भी शामिल थे, ने दिल्ली बीजेपी सरकार को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि घायलों को उचित चिकित्सा सुविधा मिले। यह आदेश 20 जुलाई को पेपर लीक के विरोध में सीजेपी के बैनर तले संसद मार्च के दौरान हुई घटनाओं के संदर्भ में आया है। अदालत ने प्रदर्शन के दौरान तैनात रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) द्वारा हथियारों के उपयोग का रिकॉर्ड भी सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त यशोवर्धन आजाद और पैलेट से घायल हुए दो अन्य लोगों द्वारा दायर याचिका पर गौर किया, जिसमें कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए धातु वाले पैलेट गन के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग हुई थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरडी) के परामर्श का हवाला देकर कहा कि असाधारण परिस्थितियों में पुलिस को पैलेट गन के इस्तेमाल का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने स्पष्ट किया कि वह 20 जुलाई को सीजेपी की अगुवाई में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन के उपयोग से संबंधित मामले की सुनवाई के लिए तैयार है। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि घटना में दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर पैलेट गन का इस्तेमाल किया, जिससे कई लोग घायल हुए और एक छात्र की आंखों की रोशनी चली जाने का आरोप है। संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर जनहित याचिका में सभी घायलों के लिए उचित मुआवजा, समुचित चिकित्सा सुविधा और पुनर्वास की भी मांग की गई है।

एसबीआई कार्ड और गूगल पे ने साथ मिलकर को-ब्रांडेड गूगल पे फ्लेक्स एसबीआई कार्ड किया लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत में क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली सबसे बड़ी कंपनी, एसबीआई कार्ड और गूगल ने मिलकर 'गूगल पे फ्लेक्स एसबीआई कार्ड' के लॉन्च की घोषणा की है, जो 'फ्लेक्स बाय गूगल पे' का ही एक हिस्सा है। गूगल पे फ्लेक्स एसबीआई कार्ड को रोजमर्रा के भुगतान अनुभव को आसान और बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें आपको रिवॉर्ड्स, सुविधाजनक तरीके से भुगतान और सुरक्षा एक साथ मिलती है। यह साझेदारी क्रेडिट कार्ड के क्षेत्र में एसबीआई कार्ड की भरोसेमंद विशेषज्ञता और गूगल पे के डिजिटल इकोसिस्टम को एक साथ लाकर ग्राहकों के लिए भुगतान के अनुभव को आसान और बेहतर बनाती है। गूगल पे फ्लेक्स एसबीआई कार्ड आपके रोज के खर्चों को फायदेमंद अनुभव में बदल देता है। इसके जरिए ग्राहक किसी भी चीज की खरीदारी पर स्टार्स अर्जित कर सकते हैं और भुगतान के वक्त उन्हें रिडीम करके तुरंत फायदा उठा सकते हैं। ग्राहक अपने रोजमर्रा के खर्चों पर रिवॉर्ड पॉइंट्स के रूप में साल में 18,000 स्टार्स तक अर्जित कर सकते हैं, वहीं हर बार ₹500 खर्च करने पर उन्हें 8 स्टार्स पाने का मौका मिलता है। यह क्रेडिट कार्ड ग्राहकों को किराना सामानों की खरीदारी, बिल के भुगतान, ट्रैवल बुकिंग, उपयोगी सेवाओं के बिल के भुगतान, शॉपिंग और ऑनलाइन तथा आउटलेट्स पर जाकर कई अन्य श्रेणियों में खरीदारी पर रिवॉर्ड पॉइंट्स प्राप्त करने की सुविधा देता है। इसके अलावा, पैसों के लेन-देन को आसान बनाने के लिए ग्राहक अपने आखिरी बकाया बिल को आसान ईएमआई में भी बदल सकते हैं।

रोजमर्रा के भुगतान अनुभव को आसान बनाने के लिए डिजाइन किया गया यह क्रेडिट कार्ड ग्राहकों को हर तरह की डिजिटल सुविधा एक की जगह उपलब्ध कराता है। अब आप गूगल पे ऐप के अंदर ही आसानी से कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं, भुगतान कर सकते हैं, रिवॉर्ड्स पा सकते हैं और अपना अकाउंट आसानी से संभाल सकते हैं। यह कॉन्टैक्टलेस क्रेडिट कार्ड रुपे और वीजा, दोनों पेमेंट नेटवर्क पर उपलब्ध है, ताकि कार्डधारक अपनी पसंद का नेटवर्क चुन सकें। रुपे वेरिएंट को यूपीआई से जोड़कर देशभर के लाखों दुकानदारों को सीधे यूपीआई के जरिए आसानी से भुगतान किया जा सकता है। इसके अलावा, दोनों वेरिएंट को गूगल पे पर टोकनाइज किया जा सकता है, जिससे ग्राहकों को लाखों मर्चेंट आउटलेट पर 'टैप-टू-पे' की सुविधा मिलती है। इस मौके पर एसबीआई कार्ड की मैनेजिंग डायरेक्टर एवं चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, सलिला पांडे ने कहा, "एसबीआई कार्ड में हम ग्राहकों को ऐसे शानदार प्रोडक्ट्स उपलब्ध कराने पर ज्यादा ध्यान देते हैं, जो उनके लिए लेनदेन को ज्यादा आसान, सुगम एवं अधिक उपयोगी बनाए।

बांकीपुर उपचुनाव के बीच हाई-वोल्टेज ड्रामा, प्रशांत किशोर की एसएचओ को चेतावनी

समर्थकों को अवैध हिरासत में लेने का आरोप, जक्कनपुर थाने में घंटों चला विवाद

पटना (एजेंसी)। बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए गुरुवार सुबह मतदान शुरू होते ही राजनीतिक माहौल गर्म हो गया। जन सुराज के संस्थापक और बांकीपुर से उम्मीदवार प्रशांत किशोर ने जक्कनपुर थाना प्रभारी (एसएचओ) ऋतुराज कुमार सिंह पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। इस दौरान थाने में प्रशांत किशोर और पुलिस अधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली।

प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भाजपा के दबाव में पुलिस ने उनके दो समर्थकों को गैरकानूनी तरीके से हिरासत में लिया और बाद में उन्हें कहीं और भेज दिया। उन्होंने दावा किया कि पुलिस यह बताने में भी असमर्थ है कि दोनों लोगों को कहां रखा गया है। उनका कहना था कि यदि समर्थकों को किसी प्रकार की क्षति पहुंची तो इसकी जिम्मेदारी जक्कनपुर थाना प्रभारी ऋतुराज कुमार सिंह की होगी। मीडिया से बातचीत में प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार की जनता पूरी घटना देख रही है और यदि समर्थकों के साथ कोई अनहोनी होती है तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस बिना रिकॉर्ड और स्पष्ट आदेश के कार्रवाई कर रही है तथा अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं हो रही है।

घटना के बाद प्रशांत किशोर अपने समर्थकों की रिहाई की मांग को लेकर जक्कनपुर थाने में ही डटे रहे। इस दौरान सामने आए वीडियो में वह थाना प्रभारी से लगातार सवाल करते नजर आए। जवाब में एसएचओ ऋतुराज कुमार सिंह ने कहा कि उन्होंने उपलब्ध जानकारी दे दी है और उन्हें थाने में बैठकर धमकाया जा रहा है। विवाद के दौरान थाना प्रभारी का एक बयान भी चर्चा का विषय बन गया। उन्होंने कहा, आप इसलिए धमकी दे रहे हैं क्योंकि हम वर्दी में हैं। अगर वर्दी उतार देंगे तो आपके बराबर में आ जाएंगे। वहीं, जब मीडिया ने हिरासत में लिए गए लोगों के बारे में जानकारी मांगी तो उन्होंने संक्षिप्त जवाब देते हुए कहा, आप लोग अपनी ड्यूटी कर रहे हैं और हम अपनी ड्यूटी कर रहे हैं।

बदरीनाथ चढ़ावा चोरी: आरोपी के सरकारी मकान से मिले मंदिर के कीमती उपहार व नकदी

-एसआईटी बरामद सामान और दस्तावेजों के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़ने में जुटी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं के चढ़ावे में गड़बड़ी मामले में जांच तेज हो गई है। एसआईटी को इस मामले में बड़ी सफलता मिली है। टीम ने मुख्य आरोपी और बदरी-केदार मंदिर समिति के पूर्व वैयक्तिक सहायक प्रमोद नौटियाल के बदरीनाथ स्थित सरकारी आवास से मंदिर के कीमती चीजें और भारी मात्रा में नकदी बरामद की है। जांच टीम आरोपी प्रमोद को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर बदरीनाथ पहुंची थी, जहां उसकी निशानदेही पर यह कार्रवाई की गई। बरामदगी की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई है, ताकि जांच में पारदर्शिता बनी रहे।

एसआईटी ने बदरीनाथ स्थित नीलकंठ वीवीआईपी गेस्ट हाउस की पहली मंजिल पर बने आरोपी प्रमोद नौटियाल के सरकारी आवास का ताला खुलवाकर तलाशी ली। जांच में कमरे से मंदिर से जुड़े बेशकीमती उपहार और 500-500 रुपए के नोटों की भारी नकदी बरामद हुई। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पूछताछ में कुबूल किया कि वह कुछ सामग्री अपने साथ ले गया था। अब एसआईटी बरामद सामान और दस्तावेजों के आधार पर पूरे मामले की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बदरीनाथ में कार्रवाई के साथ ही एसआईटी की दूसरी टीम ने देहरादून के नेहरू कॉलोनी स्थित प्रमोद नौटियाल के निजी आवास पर भी छापेमारी की। यहां से संपत्तियों, बैंक खातों और आर्थिक लेनदेन से जुड़े दस्तावेज जब्त किए गए। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या मंदिर के चढ़ावे से जुड़ी रकम को संपत्तियां खरीदने या अन्य निवेशों में इस्तेमाल किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक जांच में सामने आया है कि बदरीनाथ मंदिर में 2 जुलाई तक दानपात्रों की 34 बार गिनती की गई, जिसमें करीब 36 करोड़ रुपए की नकदी दर्ज की गई थी। शुरुआती चरण में करीब 23 करोड़ रुपए की गणना पूरी हो चुकी थी। एसआईटी अब 21 जून के बाद की सीसीटीवी फुटेज, दान गिनती प्रक्रिया और निगरानी व्यवस्था की जांच कर रही है1 सवाल यह भी उठ रहा है कि लगातार निगरानी के बावजूद हेराफेरी कैसे होती रही। चढ़ावा प्रबंधन से जुड़े कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। सीसीटीवी मॉनिटरिंग कर्मचारी, भंडार प्रभारी, वरिष्ठ सहायक और लेखा लिपिक समेत कई लोगों से पूछताछ की जा रही है। चमोली पुलिस के मुताबिक आरोपी प्रमोद से मिली जानकारी के आधार पर अन्य संदिग्ध ठिकानों पर भी कार्रवाई की जा रही है। जांच एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902